Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 15 January 2024 ● Year : 01 ● Issue : 355 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	72,240.26
निफ्टी	:	21,731.40

SARAFA

सोना	:	5,960
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

25 को पीएम करेंगे नये मतदाताओं को संबोधित

RANCHI : 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर मतदाता सम्मेलन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रविवार को साहिबगंज परिसदन में प्रेस वार्ता कर हेमंत सरकार को भ्रष्ट सरकार बताया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नए मतदाता आने वाले 2024 चुनाव में नई कहानी लिखने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में पूरे देश में लोकसभा और झारखंड में विधानसभा चुनाव होना है, झारखंड में 50 लाख नये मतदाता जुड़े हैं। नए मतदाता अपनी सरकार बनाने को उत्सुक है, नए मतदाताओं में उत्साह और उमंग है। उन्होंने कहा कि 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए मतदाताओं से वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उनसे संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 5000 स्थानों पर कार्यक्रम होगा, जहां नए मतदाता उपस्थित रहेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ा, ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू

NEW DELHI : दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के गिरते स्तर को देखते हुए श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप)-3 से जुड़ी पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। संशोधित ग्रैप-3 के तहत प्रमुख तौर पर कुछ आवश्यक कार्यों को छोड़कर निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा दी जाती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) आज सुबह 9 बजे 'गंभीर' श्रेणी में 458 पर था। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से जुड़ी ग्रैप संबंधित उप-समिति ने शनिवार शाम से दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में अचानक गिरावट को देखते हुए आज सुबह एक आपातकालीन बैठक की। उप-समिति ने तत्काल प्रभाव से पूरे दिल्ली-एनसीआर में संशोधित ग्रैप के चरण-3 के अनुसार 8 सूत्रीय कार्य योजना लागू करने का निर्णय लिया है।

भारत ने 6 विकेट से जीता दूसरा टी-20

NEW DELHI : भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी-20 मैच 6 विकेट से जीत लिया है। टीम ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में 173 रन का टारगेट 15.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 34 बॉल पर 68 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 32 बॉल पर नाबाद 63 रन बनाए। इससे पहले, अफगानिस्तान की ओर से गुलबदीन नाइब ने 35 बॉल पर 57 रन बनाए। भारत से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट झटके। इस जीत के बाद भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का तीसरा मुकाबला 17 जनवरी को बेंगलुरु में खेला जाएगा।

मणिपुर से शुरू हुई कांग्रेस की न्याय यात्रा

राहुल बोले- पीएम यहां आंसू पोछने तक नहीं आए, सीएम बीरेन ने कहा- यह भारत तोड़ो यात्रा

AGENCY IMPHAL : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मणिपुर के थौबल से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरूआत की। यात्रा से पहले राहुल गांधी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर में भाई-बहन, माता-पिता आंखों के सामने मरे और आज तक हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री मणिपुर में आपके आंसू पोछने, गले मिलने नहीं आए। ये शर्म की बात है। उधर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राहुल की यात्रा को लेकर संदेह जताया। सीएम ने कहा, राज्य में मौजूदा स्थिति को देखते हुए, क्या यह रैली आयोजित करके राजनीति करने का समय है? यह वास्तव में भारत तोड़ो यात्रा है, न कि भारत जोड़ो यात्रा है। हमें संदेह है कि राहुल ने इसमें गड़बड़ी की है। वे जब भी आते हैं तो दिक्कत हो जाती है। इस बार मणिपुर अलर्ट पर है।

राहुल के भाषण की दो अहम बातें

- चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा। इसलिए पैदल के साथ-साथ बस यात्रा का फैसला किया। सवाल उठा कि यात्रा कहां से शुरू करें, किसी ने कहा वेस्ट से करो, किसी ने ईस्ट बताया। मैंने साफ कहा- अगली भारत जोड़ो यात्रा सिर्फ मणिपुर से शुरू हो सकती है।
- 2004 से मैं राजनीति में हूं, पहली बार मैं हिंदुस्तान के एक प्रदेश में गया। जहां गवर्नेंस का पूरा स्ट्रक्चर बिगड़ गया। 29 जून के बाद से मणिपुर बदल गया। कोने-कोने में नफरत फैली। लाखों लोगों को नुकसान हुआ।

आठ फरवरी को धनबाद पहुंचेगी राहुल की यात्रा

राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा धनबाद में आठ फरवरी को प्रवेश करेगी। इस दौरान राहुल गांधी धनबाद में न सिर्फ रोड शो करेंगे, बल्कि उनका रात्रि विश्राम भी यहीं होगा। यह जानकारी कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ज्योति सिंह ने आज धनबाद परिसदन में एक पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की अगुवाई में निकला भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो फरवरी को पश्चिम बंगाल होते हुए झारखंड के पाकुड़ जिले में प्रवेश करेगी।

चौदह लाख दीपों से श्री राम की उकेरी गई छवि

AYODHYA : प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व अयोध्या में एक और विश्व रिकार्ड की साक्षी बनी। साकेत महाविद्यालय के ग्राउंड में 14 लाख रंग बिरंगे दीपों से भगवान श्री राम की छवि उकेरी गई। अयोजन समिति के लोगों को वर्ल्ड रिकार्ड टीम ने इसका प्रमाण पत्र दिया। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी कुमार चौबे के नेतृत्व में बिहार के सिद्धेश्वर बिहार से अयोध्या तक आविर्भाव एवं अभ्युदय रथ यात्रा के अयोध्या पहुंचने पर दीपकों से बनी आकृति तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अयोजन किया गया। प्रसिद्ध भजन गायिका स्वाती मिश्र के भजनों की प्रस्तुतियों ने पूरे परिवेश को राममय कर दिया। विजय यादव के फरवाही नृत्य से अयोध्या की लोक कला का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम के दौरान अयोध्या महोत्सव-2024 की पत्रिका पंखुड़ी का हुआ लोकार्पण किया गया।

मेजबान भारत ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया, बेटियों ने बनाए रखा अपना दबदबा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने इतिहास रच दिया है। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के दूसरे मुकाबले में भारत ने एक मजबूत टीम न्यूजीलैंड को धूल चटा दी। भारत ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हरा दिया है। इस जीत के साथ भारत की ओलंपिक में क्वालीफाई करने की उम्मीदें जिंदा हैं। भारत की ओर से पहला गोल संगीता कुमारी ने पहले ही मिनट में दागा। नौवें मिनट में मेगन हुल ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम आज आक्रामक अंदाज में खेल रही है। भारत ने तीनों गोल पहले ही क्वार्टर में दागे। उसके बाद भारतीय टीम ने डिफेंसिव खेल अपनाया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा।

पेज 3 भी देखें।

पहले क्वार्टर में ही हुए 4 गोल

सबसे मजेदार बात यह है कि इस मुकाबले में जो भी 4 गोल हुए सभी पहले क्वार्टर में ही हुए। दूसरे, तीसरे और चौथे क्वार्टर में एक भी गोल नहीं हुए। भारत की एक गोल से बढ़त के बाद तीसरे मिनट में न्यूजीलैंड को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने विपक्षी टीम के प्रयास को विफल कर दिया। फिर नौवें मिनट में न्यूजीलैंड को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे मेगन ने गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। भारत के लिए दो और गोल पेनल्टी कॉर्नर पर उदिता ने 12वें मिनट और ब्यूटी डुंगडुंग ने 14वें मिनट में किए।

झारखंड की बेटियों ने किया कमाल

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि झारखंड के बेटियों ने भारत की इस अहम जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरे क्वार्टर की बात करें तो 16वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इसे गोल में नहीं बदल पाए। न्यूजीलैंड के पास भी 22 वें मिनट में मिले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने का मौका था, लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए। तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोल नहीं हो सके। चौथे क्वार्टर में केवल न्यूजीलैंड को एक पेनल्टी क्वार्टर मिला, लेकिन वह भी बेकार हो गया।

प्लेयर ऑफ द मैच बनीं सलीमा टेटे

प्लेयर ऑफ द मैच बनीं सलीमा टेटे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारे ऊपर इस मुकाबले को जीतने का बहुत प्रेशर था। इसलिए शुरूआत भी हमने वैसी ही की। वह आगे कहती है कि हमारा फर्स्ट हाफ बहुत जबरदस्त रहा और हमने अच्छा खेला। इस जीत के बाद कप्तान सविता पूनिया ने कहा कि आज हमारे लिए करो या मरो का मुकाबला था तो हमने वही किया, जो हमें करना था। एक हार और हम बाहर हो सकते थे, इसलिए हमने अटैकिंग खेल दिखाया और जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में एक कमजोर टीम यूएसए से हार के बाद भारतीय फैंस काफी नाराज थे। उन्हें सुकून मिला।

अवैध खनन का मामला : 17 जनवरी से शुरू होगी पूछताछ

कन्हैया खुडानिया समेत 30 लोगों को ईडी ने भेजा समन

CRIME REPORTER RANCHI : साहिबगंज जिला में हुए 1250 करोड़ के अवैध खनन मामले में ईडी ने कन्हैया खुडानिया सहित 30 लोगों को समन भेजा है। इस मामले में ईडी उनसे 17 जनवरी से पूछताछ शुरू करेगी। बीते तीन जनवरी को कन्हैया के घर में छापेमारी के दौरान ईडी को छह लाख नकदी के साथ 30 अलग-अलग बेनामी बैंक अकाउंट के खाते मिले थे। इन बेनामी अकाउंट खातों की जांच मामले के दौरान सामने आए नाम के लोगों को समन जारी किया गया है। अब इस मामले में इन सभी 30 खाताधारकों से ईडी की टीम पूछताछ करेगी। छापेमारी करने के बाद विभिन्न बैंकों में मौजूद 30 खाते को फ्रीज करवाया था। यानी उस पैसे का प्रयोग फिलहाल कोई नहीं कर सकते हैं। वहीं खाता से जुड़े दो दर्जन से अधिक लोग अब ईडी के रडार पर है। फ्रीज किये गये खातों की जांच के दौरान सामने आए नाम के लोगों से पूछताछ की जाएगी। अब तक की जांच में इस बात की भी जानकारी मिली है कि किराये पर लिये गये अकाउंट का भी प्रयोग किया गया है। ईडी को सेल कंपनियों के जरिए निवेश करने के भी साक्ष्य मिले है। इन खातो में करोड़ो रुपये का लेनदेन हुआ है।

- बिते तीन जनवरी को ईडी ने एक दर्जन ठिकानों पर की थी छापेमारी
- छापेमारी करने के बाद ईडी ने विभिन्न बैंकों में मौजूद 30 खाते को करवाया था फ्रीज
- एजेंसी को सेल कंपनियों के जरिए निवेश करने के भी साक्ष्य मिले
- ईडी ने छापेमारी में जिस खाते को किया था फ्रीज, उससे जुड़े लोगों से करेगी पूछताछ

विनोद सिंह से ईडी आज करेगी पूछताछ

अवैध खनन मामले में विनोद सिंह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सोमवार यानि 15 जनवरी को पूछताछ करेगी। इससे पहले ईडी ने बीते 11 जनवरी को साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि वे ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे। झारखंड कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने ईडी को पत्र लिखकर यह जानकारी मांगी है, वह राज्य सरकार के अफसरों को किस आधार पर पूछताछ के लिए समन कर रही है।

साहिबगंज में ₹1250 करोड़ से अधिक के अवैध खनन का ईडी ने किया था खुलासा

3 जनवरी को छापेमारी के बाद ईडी ने खुलासा किया कि साहिबगंज में 1250 करोड़ रुपये से अधिक का अवैध पत्थर खनन हुआ है। अवैध खनन की जांच में ईडी के अधिकारियों के साथ-साथ झारखंड सरकार के प्रशासनिक, वन विभाग, खनन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हुए थे। साहिबगंज में संयुक्त रूप से किए गए निरीक्षण में बड़े पैमाने पर 23.26 करोड़ क्यूबिक फीट से अधिक के अवैध पत्थर खनन की पुष्टि हुई थी। इसका अनुमानित बाजार मूल्य 1250 करोड़ रुपये आंका गया है। इस अवैध खनन का मास्टरमाइंड पंकज मिश्रा को बताया गया है। ईडी ने पंकज मिश्रा को अवैध खनन मामले में 19 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया था। मालूम हो कि 3 जनवरी को सर्च ऑपरेशन किया गया था। सर्च के दौरान 30 खाते को जांच एजेंसी द्वारा फ्रिज करवा दिया। इसके अलावे सर्च ऑपरेशन में साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के कैप कार्यालय से 7.25 लाख रुपये, नाइन एमएम के 19 कारतूस, प्वाइंट 380 एमएम के दो कारतूस और प्वाइंट 45 के पांच खोखे भी मिले हैं। बड़े पैमाने पर दस्तावेज भी जब्त किए गए थे।

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के तेवर और चढ़े

मालदीव बोला- भारत 15 मार्च तक सैनिक निकाले

AGENCY NEW DELHI : भारत से विवाद के बीच मालदीव के तेवर और चढ़ गये हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कह दिया है कि भारत 15 मार्च से पहले मालदीव से अपने सैनिकों को हटा लें। न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक मुइज्जू ने भारत से अपने सैन्य कर्मियों को मालदीव से हटाने की मांग फिर दोहराई है। इसके लिए उन्होंने 15 मार्च तक की तारीख भी तय की है। इससे पहले मालदीव ने दो माह पहले भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग की थी। भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक मालदीव में 88 भारतीय सैनिक हैं। इधर मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों की वापसी को लेकर माले और नई दिल्ली ने के बीच आज यानी रविवार को आधिकारिक वार्ता भी शुरू हुई है।

छत्तीसगढ़ में भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए बिलासपुर में हिली धरती

BILASPUR : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। रविवार दोपहर दो बजकर 18 मिनट पर भूकंप आया है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 रही। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की ओर से दी गई है। भूकंप से कहीं कोई नुकसान नहीं हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक दोपहर 12.55 से 1 बजे के बीच गौरेला-पेंड्रा मरवाही समेत मध्य प्रदेश के अमरकंटक और अनूपपुर जिले की सीमा से लगे गांवों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बिलासपुर से करीब 50 किलोमीटर उत्तर में सिलपहरी, डांडजमड़ी के बीच था। यह भूकंप का नया केंद्र रिकॉर्ड किया गया है।

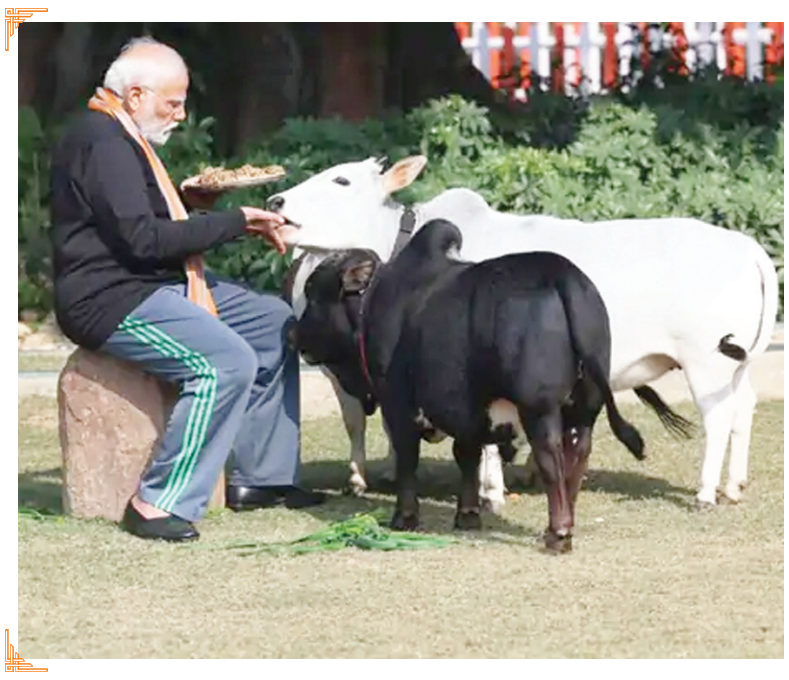

मकर संक्रांति पर पीएम मोदी ने गायों को चारा खिलाया

NEW DELHI : मकर संक्रांति के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर गायों को चारा खिलाया। जिसको लेकर सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रिया सामने आई हैं। गायों के बीच घास खिलाते हुए पीएम मोदी की तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि पीएम मोदी गुड और घास को बड़े प्रेम से गाय को खिला रहे हैं। इस दौरान गायों का झुंड पीएम मोदी के आस-पास दिखाई दे रहा हैं। कभी साथ बैठक तो कभी घास में घास लेकर पीएम मोदी गायों को चारा दे रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल उत्सव में पीएम मोदी ने शिरकत की। इस दौरान कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली एक बच्ची को पीएम मोदी ने अपना ही शॉल उपहार में दे दिया। कार्यक्रम में एक युवा गायक ने प्रस्तुति दी। जिसके बाद गायिका ने पीएम मोदी के पैर छुए, जिसके बाद पीएम मोदी ने उन्हें अपना शॉल ही इनाम के तौर पर दे दिया।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद बढ़ाने के पाकिस्तानी मंसूबे नाकाम करेंगे सुरक्षाबल

आतंकवादी गतिविधियों को लेकर सेना का ऑपरेशन सर्वशक्ति

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ाने के पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने के मकसद से भारतीय सेना ने ऑपरेशन सर्वशक्ति की शुरूआत की है। इसमें भारतीय सेना पीर पांजाल माउंटेन रेंज के दोनों साइड सक्रिय आतंकियों का खात्मा करेगी। इस ऑपरेशन को उधमपुर में सेना हेडक्वार्टर और सेना की उत्तरी कमान की कड़ी निगरानी में शुरू किया गया है। हाल ही के दिनों में पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से संचालित होने वाले आंतकी ग्रुप ने पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में विशेष रूप से राजौरी-पुंछ सेक्टर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिश की है। पीर पंजाल में बीते पांच महीने में हुए आतंकी हमलों में करीब 20 भारतीय सैनिकों की जान गई है। सबसे हालिया हमला 21 दिसंबर 2023 को डेरा की गली इलाके में हुआ था, जिसमें 4 जवान शहीद हुए थे।

- उधमपुर में सेना हेडक्वार्टर और सेना की उत्तरी कमान की कड़ी निगरानी में शुरू हुआ ऑपरेशन
- बीते पांच महीने में हुए आतंकी हमलों में करीब 20 भारतीय सैनिकों की गई जान

खुफिया तंत्र मजबूत कर रहे : सुरक्षाबल

सुरक्षा बलों के सूत्रों ने एजेंसी को बताया कि ऑपरेशन सर्वशक्ति पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ आतंकियों का सफाया करने के लिए चलाया जाएगा, जहां श्रीनगर का चिनार कॉर्प्स और नगरोटा के व्हाइट नाइट कॉर्प्स भी अपने-अपने ऑपरेशंस को अंजाम देंगे। सूत्रों ने ये भी बताया कि इस ऑपरेशन के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और खुफिया एजेंसियां आपस में मिलकर काम करेंगी। खासकर राजौरी-पुंछ सेक्टर में आतंकवादी गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के पाकिस्तानी मंसूबों को विफल किया जाएगा।

ऑपरेशन सर्पविनाश की तर्ज पर होगा

ये ऑपरेशन सर्पविनाश की तर्ज पर होने की उम्मीद है। ऑपरेशन सर्पविनाश 2003 में आतंकवादी गतिविधियों को खत्म करने के लिए शुरू किया गया था। इस दौरान क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियां लगभग खत्म हो गई थीं। पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने उत्तरी कमान के साथ कोर कमांडरों के साथ आतंकी खतरे से निपटने के तरीकों पर बातचीत की थी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल,सेना, खुफिया एजेंसियों की एक सुरक्षा बैठक के तुरंत बाद ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी।

इंडियन आर्म्ड फोर्स बेस्ट फोर्स में से एक : चौधरी

NEW DELHI : वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि इंडियन आर्म्ड फोर्स दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। युद्ध की अनगिनत चुनौतियों का सामना करने के लिए बदलते समय के साथ इंडियन आर्म्ड फोर्स में भी बदलाव आया है। वीआर चौधरी ने यह बात रविवार को दिल्ली कैंट के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित 8वें सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस कार्यक्रम में कही है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के नेतृत्व और दूरदर्शिता ने ही आज की आर्म्ड फोर्स की नींव रखी थी। आज का दिन उन सभी पूर्व सैनिकों याद करने का भी दिन है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के परिवारों के साथ हैं। इस कार्यक्रम में नेवी चीफ एडमिरल आर हरि कुमार के साथ-साथ तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी और रिटायर्ड सैनिक अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल हुए।

एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल हवा में करेगा दुश्मन का हिसाब

रडार को चकमा देने में माहिर, हवा में अचूक टारगेट

AGENCY NEW DELHI : रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने रविवार को हैदराबाद में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) मुख्यालय से स्वदेशी रूप से विकसित हवा से हवा में मार करने वाली एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल के पहले बैच को हरी झंडी दिखाई। सुखोई-30 एमकेआई विमान पहले ही इन मिसाइलों से लैस हैं, लेकिन अब लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस में भी एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल लगाई जाएंगी। बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल 110 किलोमीटर तक अपने दुश्मन को निशाना बना सकती है। यह रडार को चकमा देने में माहिर है, हवा में इसका टारगेट चुक नहीं सकता है।

- 'तेजस' भी स्वदेशी एस्ट्रा एमके-1 मिसाइल से लैस होंगे
- बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल 110 किमी. तक दुश्मन को करेगी ढेर

BRIEF NEWS

नव मतदाता सम्मेलन, नमो वारियर्स सहित कई कार्यक्रम आयोजित करेगा भाजयुमो

KHUNTI : भाजयुमो खूंटी के जिला अध्यक्ष राजेश महतो की अध्यक्षता में रविवार को युवा मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों को लेकर तोरपा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से भाजयुमो प्रदेश प्रभारी दुर्गेश सिंह ने भाजयुमो के आगामी कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर युवा महाधिवेशन, विधानसभा स्तरीय नव मतदाता सम्मेलन, नमो वारियर्स, प्रदेश स्तरीय युवती अधिवेशन, युवा मोर्चा अड्डा (नुक्कड़ सभा), तिरंगा यात्रा, मंडल कार्यसमिति सत्यापन जैसे कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। नव मतदाता सम्मेलन कों लेकर तोरपा और खूंटी विधानसभा के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।

विधायक नीरा यादव ने मकर संक्रांति महोत्सव का किया आयोजन

KODERMA : स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव ने रविवार को ध्वजाधारी धाम में दही चूड़ा तिलकुट एवं संगीत का आयोजन किया। साथ ही जिले वासियों को बधाई एवं एवं शुभकामनाएं दी है। सभी कार्यकताओं नए साल का कैलेंडर दिया गया। कार्यक्रम में गायक दीपक कुमार सिंह, संजीत भारती, रंजीत मलाकार, सुवेता सिह, घीरज पंडेय, राजा चौरसिया, आराधना सिंह, काली महिला मंडल ने भजन गाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय, जिलाध्यक्ष नितेश चन्द्रवंशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामचन्द्र सिंह, रवि मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रसव के बाद डॉक्टर ने पेट में छोड़ा कपड़ा, मामले की जांच जारी

KHUNTI : जिले के सदर अस्पताल स्थित मातृ शिशु अस्पताल में गर्भवती महिला का प्रसव कराने के बाद चिकित्सक डॉ रेखा कुमारी द्वारा पीड़िता के गर्भ में ही कपड़ा छोड़कर सिलाई कर देने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार खूंटी के भगत सिंह चौक के पास रहने वाले रितेश कुमार गुप्ता की पत्नी चिन्मय गुप्ता के पेट में दर्द होने पर टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) अस्पताल में उसका इलाज कराने पर पता चला कि पेट में डॉक्टर ने कपड़ा छोड़ दिया है। टीएमएच के चिकित्सक ने पीड़िता चिन्मय गुप्ता के पेट से कपड़ा निकाला है। चिन्मय गुप्ता का खूंटी के सदर अस्पताल के मातृ शिशु अस्पताल में प्रसव हुआ था।

पुण्यतिथि पर जवान कुंवर सिंह मुंडा को दी गई श्रद्धांजलि

KHUNTI : जम्मू-कश्मीर के सोपोर इलाके में पांच वर्ष पूर्व आज ही के दिन आतंकवादियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त करने वाले सीआरपीएफ के वीर जवान कुंवर सिंह मुंडा को सीआरपीएफ 94 बटालियन द्वारा रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बलिदानी जवान की पुण्यतिथि के अवसर पर सीआरपीएफ 94 बटालियन के कमांडेंट राधेश्याम सिंह के निर्देश पर सहायक कमांडेंट राजेंद्र सिंह अन्य जवानों के साथ पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव थानातर्गत उनके पैतृक गांव तिरला गए और गांव में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सलामी दी। मौके पर उनके पुत्र और पुत्रवधू को पुष्पगुच्छ और शाल देकर सम्मानित किया गया।

मतदाता सम्मेलन को लेकर साहेबगंज परिसदन में पत्रकार वार्ता आयोजित

आगामी चुनावों में नई कहानी लिखने को तैयार हैं नए मतदाता : बाबूलाल

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर मतदाता सम्मेलन को लेकर रविवार को साहेबगंज परिसदन में पत्रकार वार्ता करते हुए हेमंत सरकार को सबसे भ्रष्ट सरकार बताया। मरांडी ने कहा कि नए मतदाता आने वाले 2024 चुनाव में नई कहानी लिखने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में 50 लाख नये मतदाता जुड़े हैं। नए मतदाता अपनी सरकार बनाने को उत्सुक हैं।

राष्ट्रव्यापी रजिस्ट्रेशन नंबर जारी करते बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नए मतदाताओं से वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उनसे संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 5000 स्थानों पर कार्यक्रम होगा, जहां नए मतदाता उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड के सभी 81 विधानसभा क्षेत्र में नव मतदाता सम्मेलन होना है। इस सम्मेलन में लाखों की संख्या में युवा जुड़ेंगे और प्रधानमंत्री को सुनेंगे।

उन्होंने कहा कि नए मतदाता नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को तैयार है। इनके अंदर भारी उत्सुकता है। इस दौरान उन्होंने हेमंत सरकार पर भी हमला बोला और कहा कि भ्रष्ट हेमंत सरकार को नए मतदाता जवाब देने को भी आतुर हैं। वादा खिलाफी से युवाओं में काफी रोष है। उन्होंने मतदाता सम्मेलन के लिए राष्ट्रव्यापी रजिस्ट्रेशन नंबर 7820078200 भी जारी किया। साथ ही नव मतदाताओं को उपरोक्त नंबर पर मिस्ड कॉल कर पंजीयन कराने का आग्रह किया।

इस दौरान राजमहल विधायक अनंत ओझा, प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष किसलय तिवारी भी उपस्थित थे।

कॉलेज में सोहराई पर भव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रकृति से प्रेम व मानवता का संदेश देता है सोहराई : मरांडी

समारोह को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : झारखंड का प्रसिद्ध पर्व सोहराई के अंतिम दिन रविवार को साहिबगंज महाविद्यालय में आदिवासी कल्याण छात्रावास की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समारोह में झारखंड प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शरीक हुए। उन्होंने बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम के साथ मांदर की थाप पर युवाओं के साथ कंधा से कंधा मिलाकर नृत्य का आनंद भी लिया। कहा कि सोहराई पर्व प्रकृति प्रेम व मानवता का संदेश देता है। दुखों को अपनी मेहनत से खुशी में बदलने और फिर उस खुशी को सबके साथ बांटना ही सोहराई पर्व है। यह पर्व आदिवासी सभ्यता व संस्कृति के दर्शन के साथ झारखंड में सशक्त व विकसित होते आदिवासी समाज का प्रतीक भी है।

बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि आदिवासी युवाओं ने अपनी मेहनत से शिक्षा हासिल कर समाज को बदलने का काम किया है। लेकिन अफसोस है कि राज्य की वर्तमान सरकार शिक्षा सहित आदिवासी युवाओं व समाज के उत्थान के लिए कुछ नही कर रही है। समारोह में राजमहल विधायक अनंत ओझा, डीसी रामनिवास यादव, डीएफओ मनीष तिवारी, कॉलेज के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार संतोष, डॉ रणजीत कुमार सिंह, डीएसओ अमर प्रसाद, आदिवासी कल्याण छात्रावास के छात्र नायक विनोद मुर्मू, सचिव लक्ष्मण टुडू, अजय टुडू, लक्ष्मी टुडू सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

बीबीएमकेयू की नैक ग्रेडिंग नहीं होने से रुका करोड़ों का फंड

PHOTON NEWS DHANBAD : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) की स्थापना के छह वर्ष हो चुके हैं, लेकिन नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिएशन काउंसिल (नैक) से अब तक इसकी ग्रेडिंग नहीं हुई है।इसकी वजह से विश्वविद्यालय को यूजीसी और राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) से विकास के लिए मिलने वाले फंड से वंचित होना पड़ रहा है। साथ ही न तो विवि की गुणवत्ता व बुनियादी ढांचे का मूल्यांकन हो पा रहा है, न ही इसमें सुधार की कोई गुंजाइश बन रही है। इसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है।

विश्वविद्यालय के अधिकतर कॉलेजों की हो चुकी है नैक ग्रेडिंग : बीबीएमकेयू के अंतर्गत आने वाले पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज, गुरुनानक कॉलेज, बीएस सिटी कॉलेज बोकारो की दो बार नैक ग्रेडिंग हो चुकी है। एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में नैक की दूसरी साइकिल चल रही है। इसके साथ ही आरएस मोर कॉलेज, आरएसपी कॉलेज झरिया, बीएसके कॉलेज मैथन सहित अन्य कॉलेजों की नैक ग्रेडिंग भी हो चुकी है। लेकिन वर्ष 2017 में विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से अभी तक नैक ग्रेडिंग के लिए सकारात्मक प्रयास नहीं किए गए हैं।

सभी विश्वविद्यालय और कॉलेजों के लिए नैक ग्रेडिंग जरूरी : यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) की गाइडलाइन के अनुसार सभी विश्वविद्यालय और कॉलेजों की नैक ग्रेडिंग जरूरी है।

फिनलैंड के कुलमिआनी ने सतन आश्रम में ली मंत्र दीक्षा

KHUNTI : मकर संक्रांति के अवसर पर रविवार को सतन आश्रम में मंत्र दीक्षा समारोह का आयोजन हुआ। फिनलैंड से आये हुए 24 वर्षीय संतरी कुलमिआनी सतन आश्रम के वर्तमान गुरु स्वामी आत्मानंद से मंत्र दीक्षा ली। संतरी कुलमिआनी पारिवारिक इसाई संप्रदाय से थे। पिछले दो सालों से सनातन धर्म के प्रति आकर्षित होते रहे।

दुमका में तातलोई मेला के साथ मकर संक्रांति का त्योहार शुरू

PHOTON NEWS DUMKA : तातलोई गर्म झरना में मकर संक्रांति के अवसर पर मेला आरंभ हो गया है। मेला के प्रथम दिन काफी संख्या में साफा होड़ समुदाय के लोगों ने गर्म झरना में स्नान कर अपने ईस्ट देव की पूजा-अर्चना की। पूजा-अर्चना के लिए दुमका, जामा सहित पाकुड के साफा होड़ समुदाय के लोग अलग-अलग जगहों में पूजा-अर्चना की।

श्रद्धालुओं ने फूल, फल, बेलपत्र एवं मिष्ठान आदि का भोग भी लगाया। प्रखंड के होड़ोपानी, पतसर, हेमंतपुर, भुतोकोड़िया आदि गांव के अलावे रामगढ़ प्रखंड के बरमसिया सहित जरमुंडी एवं मसलिया प्रखंड के दर्जनों

अपने ईस्ट देव की पूजा करते साफा होड़ समुदाय के लोग। ● फोटोन न्यूज

श्रद्धालु अपने गुरु के साथ पूजा-अर्चना की।

जामा, रामगढ़, काठीकुंड, दुमका समेत अन्य प्रखंडों से सैकड़ों साफा होड़ ने अपने-अपने धर्मगुरु के साथ तातलोई जल कुंड में डूबकी लगाने पहुंचे। धूमधाम से ढोल मांदर, मंजीरा, हारमोनियम, बेंजो आदि वाद्य यंत्र एवं पारम्परिक अस्त्र-शस्त्र के साथ अपने अनुयायियों के बीच पूजा-अर्चना कर दुःख दूर करने की कामना की। धर्म गुरुओं ने अक्षत, पुष्प, फल मूल, मिठाई, मेवा, बताशा आदि के साथ अपने ईष्ट देवता की पूजा अर्चना की।

गिरिडीह में पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

GIRIDIH : गिरिडीह जिले में साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापामारी कर पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह जनकारी एसपी दीपक कुमार शर्मा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी को प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के जमजोरी गांव में साइबर अपरधियों की सक्रियता की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी के नेतृत्व में छापेमारी कर पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जबकि दो लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के जामजोरी निवासी अब्दुल हालीम, मो मिनहाज, बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बिसनपुर निवासी पवन कुमार मंडल, गांडेय थाना क्षेत्र के देवनडीह निवासी सुजीत कुमार मंडल व बिरनी थाना क्षेत्र के डबरी निवासी प्रशांत मुरारी शामिल हैं।

विहिप के कार्यकर्ताओं ने भजन-कीर्तन के साथ घर-घर किया अक्षत का वितरण

PHOTON NEWS KHUNTI : जैसे-जैसे भगवान राम लल्ला की नगरी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा सामरोह का दिन निकट आता जा रहा है, पूरे खूंटी जिले में भी लोगों का उत्साह चरम पर पहुंचता जा रहा है। कहीं मंदिरों को सजाया जा रहा है, तो कहीं भजन-कीर्तन की तैयारी हो रही है, तो भंडारे की योजना बनाई जा रही है।

हर ओर सिर्फ अयोध्या में 22 जनवरी को होनेवाले समारोह को लेकर चर्चा है। स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम को भव्य बनाने और इस ऐहासिक पल का भागीदार बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद, और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के अलावा आरएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा पूजित अक्षत का वितरण को लोगों को कार्यक्रम का न्यौता दिया जा रहा है।

अक्षत वितरण कार्यक्रम में शामिल कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

इस कड़ी में रविवार को जिला मुख्यालय खूंटी में विहिप के जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भजन-कीर्तन के साथ घर-घर जाकर लोगों को समारोह का निमंत्रण दिया गया। ढोल-मृदंग की धुन पर झूमते कार्यकर्ताओं ने पूरे शहर में एक-एक को अक्षत का वितरण किया। विनोद जायसवाल ने बताया कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह तो ऐतिहासिक हो ही रहा है, खूंटी जिले में भी 22 जनवरी को भव्य कार्यक्रम होगा। पूजन-हवन, दीपोत्सव और भंडारा सहित कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

बच्चों के बीच पठन सामग्री का किया गया वितरण

सामूहिक प्रयास से ही संभव है सशक्त समाज की नीव : सुनील

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य।

PHOTON NEWS KHUNTI : पूरनचंद फाउंडेशन और नेतरहाट पूर्ववर्ती छात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय में रविवार को आयोजित हेल्पिंग हैंड्स भारत कार्यक्रम के तहत बच्चों को पठन सामग्री उपलब्ध करायी गयी।

मौके पर नेतरहाट पूर्ववर्ती छात्र संघ के सचिव और रांची के जिला भू अर्जन पदाधिकारी सुनील चंद्रा ने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही सशक्त समाज की नीव संभव है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र खूंटीं हमेशा से अभावग्रस्त बच्चों को कला और खेल के माध्यम से बहुआयामी शिक्षा देकर उन्हें मुख्यधारा से जोडने का सराहनीय प्रयास नेताजी सुभाष चन्द्र बोस विद्यालय द्वारा किया जा रहा है। यह पूरे समाज के लिए अनुकरणीय है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि नेतरहाट पूर्ववती छात्र संघ द्वारा बच्चों को नेतरहाट विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की तैयारी करायी जायेगी। पूरनचंद फाउंडेशन के सचिव अभिजित ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस विद्यालय खूंटी के बच्चो की खेल गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए संस्था हर संभव प्रयास करेगी। सम्मानित अतिथि के रूप में नेतरहाट पूर्ववर्ती छात्र संघ से डॉ गणेश चन्द्र बास्की, प्रयाग दुबे, रामानुज, जेम्स कुजूर, प्रो विद्यानन्द चौधरी, पूरनचंद फाउंडेशन की अन्नू कुमारी, अमरदीप कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रेड सी इंटरनेशनल स्कूल में साइंस आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : रेड सी इंटरनेशनल स्कूल आजाद बस्ती रांची में साइंस आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा 8 तक के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में बच्चो द्वारा विभिन्न प्रकार के मॉडल प्रदर्शित किए गए जिसमे एक तरफ प्री नर्सरी से प्रेप तक के बच्चो ने आर्ट एंड क्राफ्ट में माचिस की तीलियों से कप एंड सौसर, पेपर हाउस तथा कैंडल स्टैंड बनाया, नर्सरी के बच्चो ने डोर हैंगिंग, विलेज हट, मिनी बीच प्रेप के बच्चो ने डोर मैट, विलेज हट तथा कार्डबोर्ड बास्केट बनाया। इस प्रकार इन मॉडल्स को बनवाकर बच्चो को यह सिखाया गया की किस प्रकार वेस्ट मैटेरियल का प्रयोग अपने जीवन में कर सकते है तथा उनसे नई नई वस्तुएं बना सकते है। दूसरी तरफ कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों ने साइंस के अलग अलग टॉपिक पर मॉडल बनाए जिसमे वर्किंग मॉडल्स भी थे जो की एनवायरमेंट पॉल्यूशन एंड प्रिवेंशन,

प्रदर्शनी में अपने क्राफ्ट के साथ छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

इलेक्ट्रिक सर्किट, फिजिकल एंड केमिकल चेंजेज, ह्यूमन फिजियोलॉजी जैसे मॉडल थे। कक्षा 6 के छात्रों ने चंद्रयान के मॉडल को भी प्रदर्शित कर-के उसके विषय में संपूर्ण जानकारी दी। जिसमे मुख्य रूप से जिक्र, दिलशान, अजमत, अरफा, अस्फा, अफिया, सारा, फाज, अकीबूल, असद आदि शामिल थे। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सोनी सितारा केरकेट्टा ने कहा इस प्रकार के प्रदर्शनी को आयोजित करने के पीछे उद्देश्य यह है की बच्चे यह समझ सके की यदि प्रदूषण बढ़ रहा है तो उसकी रोकथाम किस प्रकार किया जा सकेगा या जिस बिजली का हम प्रयोग कर रहे है वह कैसे बना एवम बच्चो को इसी प्रकार विज्ञान जगत से जोड़ने का प्रयास इस प्रदर्शनी द्वारा किया जाता है। इस प्रदर्शनी को कामयाब बनाने में मुख्य रूप से विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. एम एन जुबैरी का योगदान रहा तथा विद्यालय के शिक्षक एवम् शिक्षिकाएं भी मुख्य रूप से शामिल रहे जिसमे तमन्ना, सना, सादिया, साइमा, चंदा, सदफ, खुशनुमा, नाज, अतीका, जहनी, सुचिता, कुलसुम, शजरा, किरन और शाहमा सर शामिल थे।

मंत्री ने विवाह मंडप एवं मेले का किया उद्घाटन

फीता काटकर विवाह मंडप का उद्घाटन करते मंत्री रामेश्वर उरांव। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LOHARDAGA : मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने जिले के कैरो प्रखंड के खरता में विधायक निधि से नवनिर्मित विवाह मंडप एवं दक्षिणी कोयल नदी के तट पर स्थित भोलेनाथ मंदिर के समीप सद्भावना मेला का उद्घाटन किया।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक पारंपरिक आवश्यकताओं को पूरा करना हमारा लक्ष्य है। इसी उद्देश्य को लेकर कैरो प्रखंड के खरता ग्राम में ग्रामीणों की मांग थी कि विवाह मंडप का निर्माण कराया जाए, जिसे हमने प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य कर पूरा करने का काम किया। हमारा प्रयास है कि इस रमणीक स्थल का पर्यटन के रूप में विकसित किया जाए।

मंत्री ने कहा कि जतरा मेला से सामाजिक सद्भाव का विकास होता है। इससे सभी जातियों के लोगों के बीच सद्भाव बढ़ता है। साथ ही घर में सुख शांति एवं समृद्धि भी आती है। जतरा में समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होकर खुशियां मनाते हैं। इस मौके पर बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रामगढ़ सीओ ने ग्रामीणों के साथ वार्ता कर अधिग्रहण से संबंधित सारे मुद्दे किए साफ

कृषक पाठशाला के निर्माण में चल रहा भूमि विवाद खत्म

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ प्रखंड के कैथा कृषि विभाग के समीप कृषक पाठशाला के निर्माण में आ रही अड़चन दूर हो गई है। रविवार को रामगढ़ अंचल अधिकारी सत्येंद्र कुमार पासवान ने ग्रामीणों को स्पष्ट रूप से यह बताया गया कि वह जमीन पूरी तरीके से सरकारी है। वह कृषि विभाग को आवंटित की गई है। भूमि का अधिग्रहण वर्षों पूर्व हो चुका है और उसका मुआवजा भी कैथा गांव के ग्रामीणों को दिया जा चुका है। पिछले 5 दिनों से रामगढ़ अंचल अधिकारी ने ग्रामीणों को

ग्रामीणों को समझाते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

यह समझने की कोशिश की थी। लेकिन गांव की कुछ महिलाएं समझने को तैयार नहीं थी। रविवार को गांव के कुछ प्रबुद्ध नागरिकों ने इसमें पहल की। जब अंचल अधिकारी के साथ वार्ता करने ग्रामीण पहुंचे तो सारी स्थिति स्पष्ट हो गई।

राज्य सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट होगा पूरा : कृषि विभाग की जमीन पर ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे विवाद को खत्म करने के लिए पहुंचे कार्यपालक दंडाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि सरकार का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट कृषक पाठशाला अब आसानी से पूरा होगा। उन्होंने बताया कि डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर पुलिस फोर्स के साथ वे कृषि विभाग की उस जमीन पर पहुंचे हैं। पिछले कई दिनों से स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा जमीन को लेकर विवाद किया जा रहा था। लेकिन उन्हें यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह जमीन उनकी नहीं है, बल्कि सरकार की है।

पाठशाला में किसानों को दिया जाएगा प्रशिक्षण : कृषक पाठशाला में किसानों को बेहतर तरीके से खेती करने के गुर सिखाए जाएंगे। यहां तक की उन्हें कृषि से संबंधित व्यापार के बारे में भी बताया जाएगा। किस फसल से किसानों को कितना लाभ होना है और किस तरह के व्यापार से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, इन सभी बिंदुओं पर उन्हें ट्रेनिंग मिलेगी। मत्स्य पालन करने वाले, मुर्गी पालन करने वाले, पशुपालकों को हर बीमारी और आर्थिक तरीके से उत्थान करने के विषय में भी बताया जाएगा।

सांसद जयंत सिन्हा को मिला महारत्न पुरस्कार, भाजपाइयों ने जताया हर्ष

PHOTON NEWS RAMGARH : सांसद जयंत सिन्हा को महारत्न पुरस्कार मिलने पर भाजपा ने रविवार को प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर हर्ष जताया है। रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने कहा कि पूरे हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के लिए यह गर्व का पल है। जनता ने जिस प्रतिनिधि को चुना वह प्रतिनिधि संसद में 100 फीसदी उपस्थित होकर उनके मुद्दों को उठा रहा है। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार के लिए जयन्त सिन्हा को यह सम्मान चुनाव निर्णायक समिति के वरिष्ठ सदस्यगणों में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल,

पूर्व वरिष्ठ चुनाव प्रमुख टी एस कृष्णमूर्ति व अन्य प्रमुख सदस्यों द्वारा किया गया है। जयंत सिन्हा ने अपने कार्यकाल में हजारीबाग, रामगढ़, झारखंड व देश हित से जुड़े लगभग 1000 प्रश्न उठाए। इसके अलावा जीरो अवर में 29 मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करवाया। उन्होंने देश हित से जुड़े 13 प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को भव्य तरीके से मनाने के तैयारी पूरी : जिलाध्यक्ष ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को भव्य तरीके से मनाने के तैयारी कर ली गई है। 14 जनवरी से 22 जनवरी तक सभी कार्यकर्ता द्वारा अपने नजदीकी मन्दिर में स्वछता अभियान चलाया जाएगा। वहीं एलईडी के माध्यम से रजरप्पा मन्दिर परिसर सहित जिला के कई मुख्य मंदिर में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का लाइव टेलीकास्ट देखने की व्यवस्था की गयी है।

BRIEF NEWS

एएचआईवीएफ एंड इंफर्टिलिटी रिसर्च सेंटर का स्थापना दिवस 16 को

RANCHI : रांची में एएचआईवीएफ एंड इन्फर्टिलिटी रिसर्च सेंटर का 23वां स्थापना दिवस आइएमए हॉल मोरहाबादी में 16 जनवरी को मनाया जाएगा। स्थापना दिवस के दिन लगभग 1000 दम्पति और बच्चे हिस्सा लेंगे। इस दिन लोगों को फ्री काउंसलिंग, गर्भवती महिलाओं के लिए फ्री चेकअप के साथ कई तरह की सुविधा दी जाएगी। एएचआईवीएफ एंड इन्फर्टिलिटी रिसर्च सेंटर की डॉ जयश्री भट्टाचार्य ने बताया कि मां बनने में यदि किसी महिला को दिक्कत आती है, तो वह एक बार आईवीएफ को ट्राई कर सकती हैं। इसमें किसी तरह का खतरा नहीं होता है। इसकी सफलता 70 से 80 प्रतिशत होती है। इसमें ज्यादा से ज्यादा एक से 1.5 लाख रुपये का खर्च आता है।

रांची के ओंकारेश्वर धाम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को

RANCHI : राजधानी के बूटी मोड़ के पास त्रिवेणीपुरम स्थित श्री ओंकारेश्वर धाम मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है। मंदिर में भगवान शंकर सहित अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इसके लिए मंदिर परिसर में 20 से 22 जनवरी तक प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होगा। प्राण प्रतिष्ठा आयोजन समिति के अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने रविवार को कहा कि 20 जनवरी को शोभायात्रा निकालकर कलश जलभरी कार्यक्रम होगा। इसके बाद तीनों दिन पूजन, अनुष्ठान, कथा-प्रवचन, महायज्ञ, सामूहिक महाआरती, जागरण और भंडारा सहित अन्य धार्मिक आयोजन होंगे। प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न होने के बाद से दिन के दो बजे से भंडारा होगा और शाम सात बजे सामूहिक दीप आरती होगी। इसके बाद रात 11 बजे तक भक्ति जागरण का कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम सफल बनाने में आयोजन समिति के उपाध्यक्ष विजय सिंह, सचिव नरेंद्र सिंह, उपसचिव अमित सिंह, कोषाध्यक्ष संजय वर्मा, मुख्य संरक्षक आभाष कुमार, सदस्य सुमित सिंह, अभय सिंह, अंकित पांडेय, मनोज दुबे, राजेश सिंह, विजय कुशवाहा, सुमन श्रीवास्तव, महेश तिवारी, संजय सिंह, सिंटू कुमार, ब्रजेश कुमार, संजय साहा, राजीव दुबे, मुरली और शैलेंद्र वर्मा जुटे हुए हैं।

15 से 14 फरवरी तक चलेगा सड़क सुरक्षा माह

RANCHI : झारखंड सहित पूरे देश में 15 जनवरी से 14 फरवरी 2024 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जायेगा। इस दौरान लोगों को जागरूक किया जायेगा। इस संबंध में विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किया है। जागरूकता को लेकर जिला स्तरीय बैठकें निर्धारित की जायेगी। इसमें यातायात पुलिस, परिवहन अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों आदि सहित प्रमुख संस्थाओं को एक साथ लाया जायेगा। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा स्थिति पर चर्चा और समीक्षा करना, ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के साथ ही प्रभावी हस्तक्षेप की रणनीति बनाना है।

साहिबगंज व दुमका पुलिस लाइन में बनेंगे नये क्वार्टर

RANCHI : साहिबगंज और दुमका पुलिस लाइन में क्वार्टरों से वंचित पुलिस कर्मियों के लिए राहत की खबर है। इन दोनों जिलों के पुलिस लाइन में 79.72 करोड़ की लागत से नये क्वार्टर बनाये जायेंगे। ताकि सभी कर्मियों को पुलिस लाइन में ही क्वार्टर उपलब्ध हो सके। झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन इम दोनों जिलों के पुलिस लाइन में +3 के 19 भवन का निर्माण करेगी। साहिबगंज में 59.91 करोड़ से 14 भवनों का निर्माण होगा, जबकि दुमका पुलिस लाइन में 19.81 करोड़ की लागत से पांच भवन का निर्माण कराया जायेगा। झारखंड गृह विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दी है। गौरतलब है किसाहिबगंज और दुमका पुलिस लाइन काफी समय पहले बनायी गयी थी। उस समय यहां पुलिस कर्मियों की संख्या कम थी। लेकिन अब पुलिस कर्मियों की संख्या बढ़ी है तो निश्चित रूप से क्वार्टरों की जरुरत भी बढ़ी है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

आजसू पार्टी का मिलन समारोह संपन्न : कई युवाओं ने थामा पार्टी का दामन

राजनीति में सामूहिक विचारों को समाहित करना महत्वपूर्ण : सुदेश

PHOTON NEWS RANCHI : राजनीति में किसी एक व्यक्ति का विचार नहीं बल्कि सामूहिकता के बोध के साथ अनेक विचारों को समाहित करना महत्वपूर्ण होता है। कल की चिंता से पहले हमें आज लिए जा रहे राजनीतिक फैसलों के प्रति गंभीर होने की आवश्यकता है। अगर हम आज गंभीर नहीं हुए तो आने वाले समय में हमें इसका नुकसान उठाना होगा। ये बातें आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कहीं। इस दौरान मो सरफराज आलम और मो शाहनवाज आलम के नेतृत्व में काफी संख्या में युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इधर, आजसू बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा को बनाया गया है। केंद्रीय महासचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता को बनाया गया है। आजसू पार्टी में शामिल हुए युवा साथियों का स्वागत करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राजनीति किसी एक व्यक्ति के विचार से नहीं बल्कि अनेक विचारों को एक जगह समाहित करने से चलती और सशक्त दिखती है। राजनीति में सामूहिकता को प्लेटफॉर्म आजसू पार्टी देती है। पार्टी में सभी की भावनाओं का सम्मान किया जाता है। भावनाओं के सम्मान और विचारों को राज्य के विकास में लगाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इंडी अलायन्स सिर्फ चुनाव लड़ने और जीतने की कोशिश तक ही सीमित है। इसमें देश और देशवासियों की तरक्की नहीं दिखाई देती है। देश एवं देशवासियों के प्रति इनकी कोई जवाबदेही नजर नहीं आती है।

हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह के बाद सुदेश महतो व सदस्यता ग्रहण करने वाले युवा।

डोमन आजसू बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष व मुकुंद बने केंद्रीय महासचिव

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के निर्देशानुसार रविवार को डोमन सिंह मुण्डा को आजसू बुद्धिजीवी मंच का केंद्रीय अध्यक्ष एवं डॉ मुकुंद चंद्र मेहता को केंद्रीय महासचिव मनोनीत किया गया। दोनों के मनोनयन पर आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, उपाध्यक्ष हसन अंसारी, केंद्रीय महासचिव लम्बोदर महतो, रौशनलाल चौधरी, राजेंद्र मेहता, हरेलाल महतो, कौशिक चांद, अंचल किंगर, अरविंद कुमार, सज्जाद आलम, प्रो. मिथलेश सिंह, प्रो. के पी सिन्हा, प्रो. शंभू सिंह, शिव शंकर प्रसाद, जितेंद्र सिंह, आदित्य महतो इत्यादि ने बधाई दी है।

याद किए गए डॉ बहादुर सिंह : अखिल झारखंड बुद्धिजीवी मंच के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष डॉ बहादुर सिंह की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उनकी याद में एक मिनट का मौन रख कर उन्हें नमन किया गया। पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने उन्हें याद करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने अपनी सोच और ऊर्जा से पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया था। पार्टी में उनके योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

इन्होंने ली सदस्यता

मो सरफराज आलम, मो शाहनवाज आलम, वसीम आलम, शाहिद, आयण, अनस, मिट्ठू, अमन, शाकिब, ओवैश आलमम, दानिश, फरहान, आबेदीन, अट्टनस, आरिज, वसीम, शाद, अफ्फान, राजू, साहेब, अमीर, सलमान, असीम, शाहनवाज, जावेद, शान, नौशाद, उफान, अनस खान, मुदुन आलम, ओवैसी, इरशाद, तैयब, तनवीर आलम समेत अन्य युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी के केंद्रीय महासचिव राजेन्द्र मेहता, केंद्रीय सांगठनिक सचिव एस अली, केंद्रीय प्रवक्ता सुधीर यादव, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

न्याय यात्रा पर गरमाई झारखंड की राजनीति

राहुल गांधी की यात्रा का क्या औचित्य है : भाजपा

PHOTON NEWS RANCHI : मणिपुर से मुंबई तक की राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर झारखंड में भी राजनीति गरमा गयी है। झारखंड बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के औचित्य पर सवाल उठाया है। उन्होंने हुए कहा कि जब राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा शुरू की तो तीन राज्यों में उनकी हार हो गयी। अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा न्याय यात्रा का क्या औचित्य है। यह एक बड़ा सवाल है। भाजपा नेता ने कहा कि न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस लोकसभा चुनाव हारेगी। भाजपा नेता ने कहा कि जिस तरह कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की जहां-जहां सरकार है वहां भ्रष्टाचार चरम पर है।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा एक वैचारिक यात्रा, भाजपा बेचैन-कांग्रेस: राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर भाजपा नेताओं की बयानबाजी को कांग्रेस ने बकवास करार दिया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा राजनीतिक यात्रा वहीं है। दूसरी बात यह कि जब राहुल गांधी की न्याय यात्रा का प्रभाव नहीं पड़ेगा तो फिर भाजपा बेचैन क्यों है।

झारखंड बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता।

फाइनल लोकसभा को इंडिया जीतेगी : कांग्रेस

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पक्ष में देशव्यापी माहौल बनने का दावा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा नेता यह नहीं कहें कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस तीन राज्य हारी है। बल्कि फैक्ट यह है कि कांग्रेस ने तीन राज्य हिमाचल, कर्नाटक और तेलंगाना जीते हैं। जबकि भाजपा ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की है। अभी मुकाबला 3-3 पर टाई है। अब न्याय यात्रा के बाद लोकसभा में इंडिया दलों की जीत तय है। आज से शुरू हुए भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए राहुल गांधी के साथ झारखंड कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर और विधायक दल के नेता आलमगीर आलम मणिपुर गए हुए है।

संस्कृति को जानने के लिए पतंग उत्सव का आयोजन कराना जरूरी : संजय सेठ

ओटीसी मैदान हेहल में पतंग उड़ाते सांसद संजय सेठ व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार को ओटीसी मैदान हेहल में नमो पतंग उत्सव का आयोजन किया गया। पतंग उत्सव में काफी संख्या में बच्चे सहित महिला,पुरुषों ने पतंग उड़ा कर इस उत्सव का लुत्फ उठाया। सांसद द्वारा विगत पिछले सालों से लगातार नमो पतंग उत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। संजय सेठ ने कहा आज के बच्चों की दुनिया और दोस्ती मोबाइल तक सीमित होकर रह गई है, आज के बच्चे अपनी संस्कृति को जाने इसलिए इस तरह के आयोजन किया जाते हैं अपनी सनातनी संस्कृति के बारे में आज के बच्चों को बताने की जरूरत है कैसे पर्व त्योहार हमारे बुजुर्ग मानते थे। पतंग उत्सव में बच्चों के बीच पतंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पतंग उत्सव में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,अबकी बार 400 पार, प्रिंट के पतंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सांसद सेठ के द्वारा सफाई कर्मियों के बीच कंबल का वितरण किया गया। साथ ही कार्यक्रम में शामिल लोगों के बीच चूड़ा गुड़ का वितरण किया गया अंत में सर्वश्रेष्ठ पतंग बाज को संसद सेठ के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर रविंद्र कुमार,सुबेश पांडे, विकास कुमार, रवि, एसडी सिंह, सतीश सिंह, आलोक परमार, रवि मेहता, सुधीर सिंह, ललन श्रीवास्तव, नीरज चौधरी, राज वर्मा, नीरज नायक सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

माओवादी रविंद्र गंझू दस्ते के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू, समर्थकों को भी किया जा रहा है चिन्हित

CRIME REPORTER RANCHI : पुलिस और केन्दीय सुरक्षाबलों की ओर से गुमला और लोहरदगा इलाके में नक्सलियों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान 15 लाख का इनामी माओवादी रविंद्र गंझू, रंथू उरांव और उसके दस्ते की तलाश की जा रही है। बता दें कि चार दिन पूर्व गुमला में हुई आगजनी की घटना के बाद छोटानागपुर रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे और सीआरपीएफ डीआईजी ने घटना स्थल का दौरा किया था। नौ जनवरी को गुमला और आसपास जिले के एसपी के साथ बैठक भी की गई, इस दौरान माओवादियों के खिलाफ 15 दिनों का विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इस दौरान रविंद्र गंझू, रंथू उरांव और उसके दस्ते के लोगों को दबोचने का निर्देश दिया गया है। साथ ही उनसे जुड़े समर्थकों को भी चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। सभी एसपी को सख्त हिदायत गई कि वे और डीएसपी खुद लीड करें।

संगठन में आधा दर्जन जुड़े हैं नए सदस्य : जानकारी के अनुसार रविन्द्र गंझू ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए आधा दर्जन नए लोगों को अपने दस्ते में जोड़ा है। आठ जनवरी की रात रविन्द्र के दस्ते ने गुमला जिले के घाघरा थाना क्षेत्र में आठ जनवरी की रात बाक्साइड का परिवहन के लिए लगी आधा दर्जन गाड़ियों में आग लगा दी थी। साथ ही एक गाड़ी में विस्फोट भी किया था। बताया जा रहा है कि लेवी वसूली नहीं होने और वर्चस्व कायम करने के लिए नक्सलियों ने इस घटना को अंजाम दिया था।

समर्थकों ने उपलब्ध करायी थी नक्सलियों को बाइक

डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि रविन्द्र गंझू पुलिस के अभियान से घबरा कर लातेहार छोड़ इन दिनों कुछ लोकल युवाओं को अपने साथ जोड़ कर वारदातों को अंजाम दे रहा है। सूचना है कि उसके कुछ समर्थक इसमें उसकी मदद कर रहे हैं। जिसके बाद नक्सलियों के समर्थकों पर भी पुलिस शिकंजा कसने की तैयार में है। अभियान के दौरान पुलिस की टीम को घटना से जुड़ी कई अहम जानकारी मिली है। पता चला है कि नक्सलियों के समर्थकों ने ही घटना को अंजाम देने के लिए उन्हें बाइक उपलब्ध करायी थी। उन समर्थकों से उपलब्ध करायी गई बाइक से ही नक्सलियों ने आठ जनवरी की रात अगलगी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस की टीम ने नक्सलियों के समर्थकों की भी सूची तैयार कर ली है। उनकी गतिविधि पर भी पुलिस की टीम नजर रखे हुए है।

झारखंड के 4 नए इकोनॉमिक रोड व दो टूरिस्ट कॉरिडोर से बदलेगी तस्वीर, घटेगी दूरी, तैयार हो रहा डीपीआर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार ने छह रोड कॉरिडोर निर्माण के लिए काम करना तेजी से शुरू किया है। इन सभी का डीपीआर तैयार कराया जा रहा है, जमीन की उपलब्धता का आकलन किया जा रहा है। इनमें कॉरिडोर ऐसे हैं जो झारखंड को सभी ओर से जोड़ते हैं और आर्थिक गलियारा के रूप में काम करेगा। चारों कॉरिडोर के बनने से सामान्यता उस रूट में वर्तमान में जो दूरी लगता है वह काफी कम हो जायेगी। समय की काफी बचत होगी। लॉजिस्टिक खर्च घटेगा। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर बनने से गढ़वा से दुमका जाने की दूरी 117 किमी कम हो जायेगी। वहीं, झारखंड ईस्टर्न कॉरिडोर बनने से साहेबगंज से चांडिल आने में 126 किमी की दूरी की बचत होगी। नार्थ-साउथ कॉरिडोर बनने से हजारीबाग के बिशुनगढ़ से चाईबासा आने में 79 किमी की दूरी कम तय करनी होगी तो वहीं, झारखंड सेंट्रल कॉरिडोर के निर्माण से रांची से डोभी जाने में 50 किमी का फासला कम होगा। वर्तमान में डोभी जाने के लिए जीटी रोड का उपयोग करते हैं, या फिर रांची से कुडू-बालुमाथ, चतरा-हंटरगंज-डोभी निकलते हैं लेकिन इस रूट से काफी लंबा समय लग जाता है, नये कॉरिडोर से 50 किमी दूरी सीधे घट जायेगी। वहीं, दो कॉरिडोर को चिह्नित किया गया है, जो पर्यटन की दृष्टि से बेहतर होंगे।

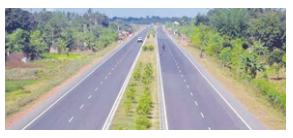

कॉरिडोर निर्माण के लिए ये है डीपीआर

ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर

मुरीसेमर एनएच 75, नियर यूपी बॉर्डर-चतरा-बरही-बेंगाबाद-मधुपुर-सारठ-पालाजोरी-दुमका। इस कॉरिडोर के निर्माण से मुरीसेमर से दुमका आने-आने में 117.00 कमी की बचत होगी एवं आवागमन बहुत ही सुगम हो जायेगा। यह कॉरिडोर लगभग ग्रीनफील्ड से गुजरेगी।

झारखंड ईर्स्टन कॉरिडोर

साहेबगंज-जामताड़ा- निरसा-सिंदरी-चंदनक्यारी-चांडिल= इस कॉरिडोर के निर्माण से साहेबगंज से चांडिल आने-जाने में 126.00 किमी की बचत होगी, आवागमन भी सुगम होगा।

नार्थ-साउथ कॉरिडोर

झुमरीतिलैया एनएच 31, बिशुनगढ़-पेटरवार-कसमार-बरलंगा-सिल्ली-रड़गांव-सरायकेला- चाईबासा। इस कॉरिडोर के निर्माण से झुमरीतिलैया से चाईबासा आने-जाने में 79 किमी की बचत होगी। आवगमन सुगम होगा। यह भी लगभग ग्रीनफील्ड होगा।

झारखंड सेंट्रल कॉरिडोर

रांची में कांठीटांड-ठाकुरगांव-बुढ़मू-टंडवा- चतरा-हंटरगंज-डोभी। इस कॉरिडोर के बनने से रांची झारखंड से डोभी बिहार आने-जाने में 50 किमी की बचत होगी। आवागमन सुगम होगा।

मकर संक्रांति पर सजा राजधानी का बाजार, खरीदारी के लिए उमड़े लोग

PHOTON NEWS RANCHI : मकर संक्रांति के अवसर पर राजधानी रांची के हर चौक-चौराहे पर बाजार सज चुका है। रांची के कोकर, लालपुर, बरियातू, हरमू, किशोरगंज, डोरंडा, हिनू, रातू रोड, बूटी मोड़, कांके चौक पर तिलकुट की बाजार में लोग खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में स्थानीय तिलकुट के साथ गया के तिलकुट भी मिल रहे हैं। खोवा के तिलकुट की वैरायटी की भी डिमांड काफी है। साथ ही गजक, स्पेशल गजक, रेवड़ी, तिल पापड़ी भी ग्राहक खरीद रहे हैं। कोकर के तिलकुट भंडार के संचालक जोगेश्वर ने कहा कि गुड और चीनी का 300 किलो तिलकुट बेच रहे हैं। इस बार नया तिल का लड्डू है, जो 80 रुपये पैकेट(200 ग्राम), गजक 320 रुपये, रेवड़ी 220 रुपये, तिलपट्टी 280 रुपये है। पंजाब स्वीट हाउस के मैनेजर ने कहा कि इस बार लोग घी वाले घेवर अधिक खरीद रहे हैं। एक घेवर की कीमत 100 रुपये है। इसमें मलाई डाला गया है। इसके अलावा प्रीमियम गुड रेवड़ी 420 रुपये किलो, स्पेशल खोवा तिलकुट 460 रुपये किलो, तिल रोल 380 रुपये किलो, गुड़ तिलकुट 360 रुपये किलो, स्पेशल तिलपट्टी 380 रुपये किलो, स्पेशल तिलकुट 360 रुपये किलो है।

राजधानी के बाजार में खरीदारी करते लोग।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर का दूसरा दिन : खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

पहले मुकाबले में चिली ने चेक गणराज्य को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराया

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची के मरांग गोमके एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर के दूसरे दिन चिली और चेक गणराज्य के बीच पहला मैच खेला गया। मैच में चिली ने चेक गणराज्य पर 6-0 से आसान जीत दर्ज कर ली। चिली की टीम शुरूआत से ही विपक्षी टीम पर हावी रही। मैच के पहले ही क्वार्टर में 13वें मिनट में कॉन्सुएलो डी लास हेरास ने गोल दागा। जिसके बाद चिली ने चेक रिपब्लिक पर 1-0 से बढ़त बना ली। जिसके बाद सेकंड क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल के लिए संघर्ष करती नजर आईं। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत होते ही 36वें मिनट में कैप्टन उरोज मैनुएला ने मैच का दूसरा गोल किया। जिसके कुछ ही मिनट बाद पेनालिटी शूट का फायदा उठाते हुए चिली ने तीसरा गोल किया। तीसरा गोल 38वें मिनट पर कैमिला ने किया। थर्ड क्वार्टर में 44वें मिनट में एंटोनियो मोरालेस ऑर्चर्ड ने एक और गोल दागकर टीम को 4-0 से आगे कर दिया। मैच का चौथा क्वाटर शुरू होते ही चिली की तरफ से एक बार फिर कैप्टन युरोज मैनुएला ने 47वें मिनट पर गोल किया। मैच के आखिरी मिनट में चिली की ओर से 58वें मिनट पर मारिया माल्डोनाडो ने गोल कर चिली को 6-0 से जीत दिला दी। चिली का पहले दिन मजबूत जर्मनी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अब चिली का आखिरी मुकाबला जापान से होगा। जीत पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए चिली की कैप्टन कहती है कि जर्मनी के साथ खेल में हमने काफी संघर्ष किया था। ऐसे में हमने तय किया था कि इस बार हम बिल्कुल वैसा खेलेंगे जैसे हमेशा खेलते हैं। हमें यकीन था कि हम जीत दर्ज करेंगे। और वहीं हुआ। सेकंड हाफ हमारे लिए और भी शानदार रहा। उन्होंने कहा कि हमने गोल के कई मौके बनाए और गोल भी किया। वहीं, दो गोल करने पर प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिलने पर वह कहती हैं कि इसकी खुशी जरूर है लेकिन मैं टीम की जीत के लिए ज्यादा खुश हूं।

मैच के दौरान चिली और चेक गणराज्य टीम के खिलाड़ी।

जापान ने जर्मनी को बराबरी पर रोका

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के तहत रविवार को दूसरा मुकाबला जर्मनी और जापान के बीच खेला गया। जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड में खेला गया यह मैच 1-1 की बराबरी पर छूटा। जर्मनी के लिए तीसरे क्वार्टर में पहला गोल लिजा नोल्टे ने किया जबकि इसके बाद जापान के लिए मिउ हसेगावा ने एक गोल दागकर मुकाबला 1-1 पर ला दिया। पूरे मैच में दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाते हुए एक-दूसरे पर लगातार हमला बोला। ओलंपिक क्वालिफायर के लिए 13 जनवरी से अबतक खेले गए कुल छह मुकाबले में यह पहला मैच भी रहा जो बराबरी पर छूटा। 13 जनवरी को खेले गए मुकाबले में जर्मनी ने चिली को और जापान ने चेक गणराज्य को परास्त किया था।

यूएसए ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में यूएसए ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में भारत को हराने के बाद दूसरे मैच में इटली को 2-0 से हराकर पूल बी में टॉप पर पहुंच गई। मुकाबले के शुरूआत से यूएसए की टीम हावी रही। मैच का पहला गोल 20 वें मिनट में आया। यूएसए की एश्ले सेस्सा ने इटली के डिफेंस को भेदकर शानदार फील्ड गोल किया। दूसरा गोल यूएसए की कप्तान एश्ले हॉफमैन ने किया। 48 वें मिनट में मिले पेनाल्टी कॉर्नर को उन्होंने गोल में तपदील किया। पूरे मैच में यूएसए को 8 और इटली को 3 पेनाल्टी कॉर्नर मिले।

BRIEF NEWS

मुफ्त नरसेवा नारायण सेवा बाजार लगा, लोगो को मिला जरूरत का सामान

ROURKELA : राउरकेला रेलवे स्टेशन परिसर व स्टेशन रोड के क्रॉस रोड मॉल निकट नववर्ष के दूसरे रविवार को साप्ताहिक मुफ्त बाजार नर सेवा नारायण सेवा द्वारा लगाया गया। सेवाभावी संगठन नर सेवा नारायण सेवा संगठन की ओर से अपने सदस्यों से सामान संग्रह किये जाते है। संग्रहित सामानों को संगठन द्वारा मुफ्त बाजार लगा कर इन समानों को गरीबों में वितरण किया जाता है। नर सेवा नारायण सेवा की 5वीं बार साप्ताहिक मुफ्त बाजार में कपड़े, जूता, सूटकेस, और विभिन्न समान गरीबों में वितरण किया गया।

मकर महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ROURKELA : राउरकेला को मिनी इंडिया कहा जाता है। राउरकेला स्टील प्लांट ने इस धारा को एक कदम और आगे बढ़ाया है। मकर संक्रांति से एक दिन पहले आरएसपी मकर उत्सव का आयोजन करता है। यह विशाल रंगारंग कार्यक्रम जहां मौज-मस्ती और मनोरंजन के लिए किया गया है, वहीं यह भाईचारे का एक बड़ा संदेश भी देता है। इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों और विभिन्न संगठनों से आए सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने देश के विभिन्न राज्यों के कला, संस्कृति, नृत्य आदि का सुंदर प्रदर्शन किया। मकर संक्रान्ति का अनवरत गुब्बारा उड़ाने का कार्यक्रम भी बहुत मनोरंजक रहा। इस कार्यक्रम में श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक विधायक सुब्रत तराई, आरएसपी के प्रभारी निदेशक अतनु भौमिक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मिशन शक्ति भवन का हुआ उद्घाटन

ROURKELA : कुमारमुंडा प्रखंड में मिशन शक्ति भवन के भव्य उद्घाटन में बतौर मुख्य अतिथि राउरकेला विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक शामिल हुए। इस अवसर पर साथ बीरमित्रपुर विधायक शंकर ओराम, कुमारमुंडा प्रखंड के जिला परिषद राजेंद्र कुजूर, कुमारमुंडा प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य, सम्मानित अतिथि प्रखंड अध्यक्ष, अध्यक्ष, सरपंच, समिति सदस्य, बीजू जनता दल के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वार्षिक वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन

CHAIBASA : कोल्हान एजुकेशनल एंड चैरिटेबल सोसाइटी का वार्षिक वनभोज सह मिलन समारोह सोसाइटी का निमार्णाधीन कोल्हान मॉडल पब्लिक स्कूल बासाकुटी के परिसर में रविवार को सम्पन्न हुआ। मिलन समारोह में देश के विभिन्न राज्यों में कार्यरत चैरिटेबल सोसाइटी के सदस्यों ने हिस्सा लिया। मौके पर सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान का स्थापना का सपना बहुत जल्द पूरा किया जाएगा। सोसाइटी के संरक्षक सीआरपीएफ, रांची के कमांडेंट आनंद कुमार जेराई ने विद्यालय का स्थापना का हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसलिए हम सभी तन,मन और धन से सहयोग कर अपने समाज को शैक्षणिक दृष्टिकोण से मजबूत करेंगे। कृषि विश्वविद्यालय,रांची के निदेशक ज्ञान सिंह दोराईबुरु ने आदिवासी हो समाज के लोगों का अपना विद्यालय होगा। यह बड़ी बात है। यह सपना बहुत जल्द पूरा होने जा रहा है जो काफी सुखद है। चैरिटेबल सोसाइटी के अध्यक्ष चंद्रमोहन बिरुवा,उपाध्यक्ष दुंबी दिगी,संजय बोयपाई और योगेन्द्र मुंडरी ने विद्यालय संचालन का मॉडल व रुपरेखा तथा फी स्ट्रक्चर के बारे में जानकारी दी।

मां-बेटे को बाइक ने मारी टक्कर, गंभीर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के सोनारी थाना अंतर्गत मरीन ड्राइव काली मंदिर के पास सड़क पार कर नदी में नहाने जा रहे मां-बेटे को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इस घटना में नियती धीबर (70) और उसका बेटा कार्तिक धीबर गंभीर रुप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बाइक सवार युवकों को धर दबोचा और घायलों को इलाज के लिए तत्काल एमजीएम अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में इलाजरत नियती धीबर। ● फोटोन न्यूज

वहां नियती को बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों मां-बेटे सड़क पार कर नदी में नहाने जा रहे थे, तभी एक बाइक पर तीन युवक सवार होकर तेज रफ्तार में वहां से गुजर रहे थे। बाइक अनियंत्रित होकर मां-बेटे से जा टकराई जिसमें दोनों घायल हो गए। फिलहाल दोनों का इलाज चल रहा है।

आवासीय विद्यालय का पोड़ाहाट एसडीओ ने किया निरीक्षण, खामियां देख जतायी नाराजागी

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड की चैनपुर पंचायत स्थित बालक कोल्हान आवासीय विद्यालय का रविवार को पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा ने निरीक्षण किया। कोल्हान आवासीय विद्यालय में सुविधाओं का अभाव व वार्डेन के गायब रहने की शिकायत बार-बार मिलने पर पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी जांच करने पहुंची थी। जहां उन्होंने आवासीय विद्यालय में रहने वाले विद्यार्थियों से पूछताछ की।

आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करतीं एसडीओ रीना हांसदा। ● फोटोन न्यूज

विद्यार्थियों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।विद्यार्थियों ने कहा कि बिजली चली जाने के बाद जेनरेटर इत्यादि भी नहीं चलाये जाते हैं, इससे अंधकार में रहना पड़ता है। वहीं विद्यालय के वार्डेन भी गायब रहते हैं। आसपास रहने वाले लोग आवासीय विद्यालय परिसर में ही शराब पीकर हल्ला करते हैं।विद्यार्थियों ने कहा कि शौचालय की भी नियमित रुप से साफ-सफाई नहीं होती,अब तक ड्रेस या स्वेटर भी नहीं मिल पाया है। विद्यार्थियों की शिकायत मिलने पर एसडीओ ने वार्डेन पर रोष जताया।

उन्होंने कहा कि वार्डेन जिम्मेवारीपूर्वक काम नहीं कर रहे हैं।जिसके कारण आवासीय विद्यालय में खामियां व्याप्त है।उन्होंने वार्डेन को सख्त हिदायत देते हुये कहा कि व्यवस्था में जल्द से जल्द सुधार लाये।मौके पर उन्होंने मौजूद क्षेत्रीय शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अविनाश राम से भी समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुये समस्याओं का निपटारा करने का आदेश दिया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने कई समस्याएं गिनायी। इस मौके पर अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू, थाना प्भारी चन्द्रशेखर कुमार, पंचायत के मुखिया साहेब हेम्ब्रम के अलावे एसडीओ कार्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन चांडिल में भव्य अनुष्ठान का होगा आयोजन

PHOTON NEWS CHANDIL : अयोध्या धाम में 22 जनवरी 2024 को होने वाली रामलला के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर चांडिल में भी भव्य कार्यक्रम होगा। श्रीश्री 108 खेलाई चंडी बजरंग दल अखाड़ा, चांडिल की ओर से आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर रविवार को विवेकानंद केंद्र परिसर में महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में श्रीश्री 108 खेलाई चंडी बजरंग दल अखाड़ा, सिंहभूम कॉलेज चांडिल मोड़ पर भव्य समारोह आयोजन करने का निर्णय लिया गया। अनुष्ठान के तहत सुबह नौ बजे से अपराह्न एक बजे तक हवन-पूजन होगा। इसके बाद दो बजे से संध्या छह बजे तक

बैठक में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

चांडिल बाजार में विशाल व भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के समापन के बाद शाम छह बजे विवेकानंद केंद्र परिसर में महाआरती किया जाएगा।

रामायण पर आधारित होगा नृत्य नाटिका : महाआरती के बाद शाम 6।30 बजे से कोलकाता के कलाकार रामायण पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन करेंगे। इसके साथ ही संध्या छह बजे से देर रात तक महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक व पवित्र दिन पर चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के सभी मठ व मंदिरों में दीप प्रज्वलित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि 22 जनवरी की तिथि विश्व के इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से अंकित होगा।

लोगों ने कहा कि साढ़े पांच सौ साल पहले से समस्त विश्व के सनातन धर्मावलंबियों को इस महान पवित्र दिन का इंतेजार था। बैठक में साधु बांध मठिया मठ के महंत इंद्रनंद सरस्वती, चांडिल के प्रभारी प्रमुख रामकृष्ण महतो, मुखिया मंगल सिंह सरदार, राकेश वर्मा, बनू सिंह, मनोज सिंह, मिथिलेश महतो, आशीष कुंडू, आकाश दास, अनिता पारित, प्रकाश सतपथी, पप्पु वर्मा, डा। चंद्र मोहन गोराई, सनातन गोराई, आकाश महतो, संजय चौधरी, महेंद्र पोद्दार समेत बड़ी संख्या में राम भक्त उपस्थित थे।

विधायक दीपक बिरुवा ने जरूरतमंद व बुजुर्गों के बीच कंबलों का किया वितरण

PHOTON NEWS CHAIBASA : बढ़ते ठंड को देखते हुए विधायक दीपक बिरुवा ने अपने स्तर से रविवार को सदर प्रखंड अंतर्गत सिंबिया पंचायत के निर्धन असहाय जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया। कड़ाके की ठंड में कंबल लेने के लिए सिंबिया पंचायत के बड़दोर, पता गुईरा, बरांडेया, सिंबिया व गंजड़ा गांव के लोग पहुंचे हुए थे। जिन्हें विधायक के हाथों कंबल वितरण किया गया। ठंड में कंबल मिलते ही गरीबों के चेहरे खिल गए। धीरे-धीरे बढ़ रही कड़ाके की ठंड एवं सर्दी के मौसम को देखते हुए गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को ठंड से बचाव के लिए लोगों के बीच 130 कंबलों का वितरण किया।

बुजुर्गों को कंबल देते विधायक। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि अत्याधिक ठंड व शीतलहर से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को देखते हुए निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबलों का वितरण किया जा रहा है। ताकि ठंड से कोई भी जन हानि नहीं हो।

ठंड के बीच कंबल पाकर लोगों के चेहरे में खुशी झलक आई। वही कंबल मिलने के बाद लोगों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान विधायक ने लोगों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। मौके पर पता गुईरा ग्रामीण मुंडा बिरसिंह सुंडी, झामुमो पंचायत अध्यक्ष मसीह देवगम, सचिव कैलाश देवगम, लंका गोप, फ्रांसिस सुंडी, तुराम सामड, नेहरू लाल सामड, पूर्व मुखिया माधव लाल सुंडी, लखन बारी, अचल सुंडी, मुन्ना सुंडी समेत अन्य उपस्थित थे।

सुशील बारला की अध्यक्षता में आस की बैठक संपन्न

ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने, जंगल बचाने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला

PHOTON NEWS KIRIBURU : आदिवासी समन्वय समिति, झारखण्ड (आस) की बैठक नन्दपुर में संयोजक सुशील बारला की अध्यक्षता में की गई। बैठक में ग्राम-सभाओं को सशक्त बनाने, जंगलों को आग से बचाने, विकास योजनाओं में भ्रष्टाचार को रोकने, ग्रामीणों की मौलिक सुविधाओं को लेकर संघर्ष करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन के संयोजक सुशील बारला ने कहा कि ग्राम-सभाओं के द्वारा ही गांव का समुचित विकास संम्भव है। इसलिए हमें ग्राम-सभाओं को सशक्त बनाना है। इसके लिए हमें लगातार जागरूकता अभियान चलाना है।

उन्होंने कहा कि ग्राम-सभाओं के माध्यम से ही हमें वनों को संरक्षित करना है और जंगल को जलने से बचाना है। इसके लिए वनाधिकार समितियों को भी जागरूक करना होगा। ग्राम-सभाओं के माध्यम से ही हम सभों विकास योजनाओं में होने वाली भ्रष्टाचार को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल एवं झारखण्ड राज्य बने 23 साल बीतने के बाद भी यहां के लोग मौलिक सुविधाओं से वंचित हैं।

इसके लिए हमें आवाज बुलन्द करना होगा। बैठक को शांन्तिएल कांडायबुरु, सुखराम कन्डुलना, नरेन्द्र केरकेट्टा, इस्राइल बरजो, नेल्शन लुगुन, बलदेव जाते ने भी सम्बोधित किया। बैठक में सर्वसम्मति से जन समस्याओं के समाधान को लेकर प्रखण्डवार धरना करने एवं 20 मार्च को मनोहरपुर में मरंग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा की पुण्यतिथि मनाने का निर्णय लिया गया।

ग्रामीण क्षेत्र में मनाया गया मकर का त्योहार

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : मकर संक्रांति का त्योहार चक्रधरपुर के विभिन्न स्थानों पर रविवार को मनाया गया। वहीं कुछ इलाकों में सोमवार को त्योहार मनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को लोगों ने त्योहार मनाकर पूजा अर्चना की। साथ ही दान-पुण्य किया। इसके बाद घरों में बने तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाया। खासकर गुड़ पीठा, तिल से बने पकवानों के अलावे लड्डू समेत अन्य पकवान बनाये गये थे। पर्व को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखा गया। जबकि चक्रधरपुर शहर में सोमवार को लोग मकर संक्रांति का त्योहार मनाएंगे। इधर उत्तर भारत के लोग सोमवार को खिचड़ी पर्व के रूप में मकर मनाएंगे।

गांवों में मकर त्योहार मनाते लोग। ● फोटोन न्यूज

जमकर बजे मकर व टुसू के गीत : इस अवसर पर सभी ग्रामीण क्षेत्रों में लाउड स्पीकर पर दिन भर मकर व टुसू गीत खूब बजे। झुमर सम्राट संताष महतो के गीत कोतो सादेर मकर मेलाङ्ग। नाना रंगे बिजली झुलाङ्ग। पोस पोरोबो टुसू पातिबो। इत्यादि गीत क्षेत्र में दिनभर गूंजते रहे।

पंडालों में स्थापित की गई टुसू की प्रतिमा : चक्रधरपुर समेत अन्य स्थानों पर रविवार को पंडाल निर्माण कर टुसू की प्रतिमा स्थापित की गई। चक्रधरपुर के रेलवे हरिजन बस्ती, आरपीएस कॉलेज के पीछे, बारह खोली, धातकीडीह, सिमीदीरी, आसनतलिया, पदमपुर समेत अन्य स्थानों पर टुसू की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई।

विभिन्न स्थानों पर खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन : मकर पर्व के अवसर पर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चक्रधरपुर की पुराना बस्ती में सुमिता होता फाउंडेशन के तत्वाधान में खेलकूल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।वहीं चक्रधरपुर के केन्दो पंचायत के केन्दो, देवगांव, कोलचोकड़ा, आसनतलिया, चैनपुर, चन्द्री, सिमीदीरी, सिलफोड़ी, पदमपुर समेत अन्य स्थानों पर बच्चों व बड़ों के बीच विभिन्न खेल आयोजित किये गए।

ऊपरी एवं सतही भूमि क्षेत्र में होगा मृदा का निर्माण

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा ने नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत झारखंड जलछाजन योजना तहत ऊपरी एवं सतही भूमि क्षेत्र में मृदा तथा जल संरक्षण हेतु किए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीडीसी द्वारा दुधविला एवं बेतरकिया गांव में जलछाजन योजना तहत एससीटी, ट्रैंच-सह-बण्ड और डब्लूएटी (वैट) अंतर्गत नालों के उपचार हेतु बनाए जा रहे लूज बोल्डर चेक डैम एवं ब्रशवुड चेक डैम और कोटगढ़ में तालाब निर्माण आदि कार्यों का अवलोकन किया गया।

निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते डीडीसी। ● फोटोन न्यूज

इस दौरान उप विकास आयुक्त के द्वारा निर्मित तालाब की मापी, लूज बोल्डर चेक डैम एवं ब्रशवुड चेक डैम की गुणवत्ता आदि का जांच करते हुए तलाबों के आसपास की भूमि पर फसल लगाने, निमार्णाधीन ट्रैंच-सह-बण्ड एवं वैट का बेहतर ट्रेसिंग करने तथा योजना स्थल पर जहां बोर्ड नहीं लगाया गया है, वहां यथाशीघ्र बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया। मालूम हो कि झारखंड जलछाजन योजना अंतर्गत नोवामुंडी प्रखंड के 10 गांव-कोटगढ़, बहदा, कोलाईसाई, पटैता, तारेया, सुकरीपाड़ा, बेतरकिया, दुधविला, कुदापी, कुमरिता तहत तकरीबन 5363 हेक्टेयर में मृदा एवं जल संरक्षण हेतु नाला उपचार एवं ग्रामीण तक प्रचुर मात्रा में पानी उपलब्ध कराने का कार्य संपादित किया जाना है।

इसके तहत 98 हेक्टेयर में एससीटी, 1013 हेक्टेयर में ट्रैंच-सह-बण्ड, 282 हेक्टेयर में वैट, 204 हेक्टेयर में मेढ़बंदी, 4202 क्यूबिक मीटर लूज बोल्डर चेक डैम, 22 मिट्टी का चेक डैम, 59 ब्रशवुड चेक डैम, 100 तालाब और 3 अमृत सरोवर का निर्माण होना है। इसके अलावा इन गांवों के लोगों को जीवकोपार्जन गतिविधि से जोड़ते हुए चयनित किसानों के बीच सब्जी के बीजों का वितरण के अलावा परियोजना में स्वीकृत सभी गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन हेतु ग्रामीणों को प्रशिक्षण भी देना है।

टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल नोवामुंडी में वार्षिक खेल-दिवस का आयोजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल नोवामुंडी का वार्षिक खेल-दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वेद मन्त्रों के साथ दीप प्रज्वलन करके की गई। बतौर मुख्य अतिथि सुरभि भटनागर (अध्यक्ष प्रेरणा समिति, नोवामुंडी) एवं विशिष्ट अतिथि मनोजित विश्वास (प्राचार्य, नोवामुंडी इंटर कॉलेज) उपस्थित थे। आगत अतिथि के तौर पर एसके झा (प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल चिड़िया) एसके पाठक प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल, झींकपानी) साईं शिव (प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल, जोड़ा) प्रसिद्ध शिक्षाविद निसार अहमद, सर्जन डॉ बीएन मिश्रा आदि उपस्थित थे। अतिथियों की अगुवाई विद्यालय के बैंड ग्रुप ने कप्तान विनीत बोस के नेतृत्व में राष्ट्रभक्ति धुनों के साथ की। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के संगीत शिक्षक अरविंद ठाकुर ने संगीत गायन मंडली के साथ मनमोहन स्वागत गान गाकर किया।

विविध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन : वार्षिक खेल दिवस के अंतर्गत बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। नर्सरी से यूकेजी के लिए आयोजित कलर रेस (बालिका वर्ग) में यूकेजी की सृष्टि ने प्रथम , रितिका ने द्वितीय और नर्सरी के सुदिशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 1 से 3 (बालक वर्ग) के लिए बैलून रेस में बाल मिलिंद ने प्रथम सौर्य ने द्वितीय और एमडी रेहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन का दो दिवसीय ग्यारहवा प्रांतीय अधिवेशन मंथन समाप्त

नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष मंजू बगड़िया को पहनाया ताज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन का दो दिवसीय ग्यारहवा प्रांतीय अधिवेशन मंथन के दूसरे दिन रविवार को सत्र 2024-26 के लिए नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष मंजू बगड़िया (करकेंद, धनबाद) को प्रांतीय अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल ने ताज पहना कर पदभार सौंपा। आगामी 01 अप्रैल से मंजू बगड़िया कार्यभार संभालेगी। इससे पहले तुलसी भवन बिष्टुपुर में प्रांतीय अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल (काशीडीह, साकची) की अध्यक्षता में आयोजित हो रहे इस मंथन अधिवेशन के दौरान खुले मंच से सम्मेलन की सदस्यों ने

मंजू बगड़िया का सम्मान करती महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

हमारी क्या कमी रह गई है उसे कैसे सुधारा जा सकता है इस पर भी चर्चा करते हुए कई सवाल किये। मंच पर उपस्थित पूर्व राष्ट्रीय तथा झारखंड प्रदेश अध्यक्षों ने सवाल का जवाब एवं सुझाव देते हुए सदस्यों का संदेह दूर किया। खुले मंच कार्यक्रम के बाद पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें झारखंड प्रदेश के सभी 54 शाखाओं को अलग-अलग पुरूस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल और प्रांतीय अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल ने अपने हाथों से सभी को सम्मानित किया।

इन्हें मिला पुरस्कार : शहरी क्षेत्र में जमशेदपुर शाखा और ग्रामीण क्षेत्र में जामताड़ा शाखा को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं स्व. मंजू मेहारिया स्मृति पुरस्कार शहरी क्षेत्र में देवघर शाखा और ग्रामीण क्षेत्र में कतरास शाखा को मिला। इसी प्रकार पांच शहर क्रमशः रांची, चाईबासा, चास, धनबाद, गिरिडीह शाखा को श्रेष्ठ शहरी तथा श्रेष्ठ ग्रामीण क्षेत्र में गोविंदपुर, गम्हरिया पाला जोड़ी को सम्मान मिला। नूतन शाखा में शहरी से दुमका और ग्रामीण से हल्दीपोखर को सम्मानित किया गया। इस दौरान सम्मानित होने वाली महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया।

अधिवेशन में 250 से अधिक महिलाएं हुई शामिल : कार्यक्रम की अध्यक्षता संभाल रही प्रदेश अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल ने बताया कि झारखंड प्रदेश की सभी शाखा अध्यक्षों के द्वारा सभी कार्यों में उत्साह के साथ सहयोग मिला। दूसरे दिन मंच का सफल संचालन प्रांतीय सचिव प्रभा पाड़िया एवं रानी अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रभा पाड़िया ने दिया। मालूम हो कि अधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों से लगभग 250 से अधिक महिलाएं शामिल हुई थी। अधिवेशन शानदार सुनियोजित व्यवस्था के साथ संपन्न हुआ।

विधायक सविता महतो ने किया हाईमास्ट लाइट का उद्घाटन

PHOTON NEWS CHANDIL : टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चांडिल प्रखंड क्षेत्र के कांदरबेडा का पंडित रघुनाथ मुर्मू चौक अब रात में भी जगमगाएगा। ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने रविवार को पंडित रघुनाथ मुर्मू चौक पर विधायक योजना से निर्मित हाईमास्ट लाइट का विधिवत उदघाटन किया। उन्होंने शिलापट्ट का अनावरण कर हाईमास्ट लाइट का स्विच ऑन कर चौक को उजाला किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि कांदरबेड़ा चौक में 7 लाख 74 हाजार 3 सौ रुपये की लागत से हाईमास्ट लाइट का लगाया गया है।

चौक-चौराहों पर हाईमास्ट लाइट रहने से राहगीरों को आवागमन करने में सहूलियत

होती है। विदित हो कि कांदरबेड़ा-डोबो सड़क बनने के बाद से ही कांदरबेड़ा में भीड़ बढ़ गई है। वाहनों की अधिक आवाजाही होने के कारण चौक में आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटना घटती रहती थी। इसको देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर चौक में लाइट की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर झामुमो नेता व कार्यक्रर्ता के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर में ज्वेलरी शॉप में लूट

6 राउंड फायरिंग की, एक को गोली लगी, कुर्सी से काउंटर तोड़कर जेवर भर ले गए

एजेंसी

मुजफ्फरपुर । अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप लूट ले गए। छह की संख्या में बदमाश आए थे। ज्वेलरी शॉप में 4 घुसे। पिस्टल दिखाकर लूट पाट करने लगे। कैश बॉक्स मांग रहे थे। विरोध करने पर एक कर्मचारी को गोली मार दी। काउंटर को कुर्सी से तोड़ दिया। जेवर लूट लिए। दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग भी की। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक से भाग निकले। लूटपाट का वीडियो भी सामने आया है। मामला जिले के सदर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, जिले के सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर चट्टी स्थित हीरालाल सर्राफ एंड ज्वेलर्स दुकान में छह की संख्या में अपराधी पहुंचे। दुकान में उस समय छह से सात कर्मी मौजूद थे। अपराधियों ने हथियार के बल पर सभी को बंधक बना लिया। उसके बाद दुकान में लूटपाट करने लगे। दुकान में मौजूद कर्मियों से ज्वेलरी और कैश के संबंध में पूछने लगे। इसी दौरान एक बदमाश कर्मी को पीटने लगा। आर्टिफिशियल ज्वेलरी को झोला में रखने लगे। उसके बाद दुकान में कई राउंड फायरिंग की। जिसमें एक गोली दुकान में मौजूद कर्मी के पैर में लगी। घटना को अंजाम देने के बाद कर्मी फायरिंग करते फरदो गोला की तरफ फरार हो गए। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है। छह की संख्या में अपराधी घटना को अंजाम देने पहुंचे थे। जिसमें चार अपराधी दुकान के अंदर घुसा था। दो

अपराधी बाहर से रेकी कर रहा थे। लूटपाट की घटना को अंजाम देने के बाद सभी बाइक से फायरिंग करते हुए फरार हो गए। दुकान में लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। सीसीटीवी में अपराधियों का चेहरा भी दिख रहा है। जिसके आधार पर पुलिस अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। दुकान के शोपीस में लगे आर्टिफिशियल ज्वेलरी की संख्या काफी कम थी। इस कारण अपराधी बार बार ज्वेलरी और कैश के संबंध में पूछ रहे थे। लेकिन कोई कर्मी कुछ नहीं बता रहा था। इसके बाद अपराधी आग बबूला हो गए और ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग करने लगे। वहीं एक अपराधी कुर्सी उठा कर काउंटर पर मरने लगा। जिस कारण कई काउंटर का शीशा टूट गया। घटना के वक्त दुकान में दीनानाथ, मोहन, राकेश, कन्हाई, राधे श्याम, विकाश, राजा और नितेश मौजूद थे। घटना के वक्त अपराधी अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इस दौरान अखराघाट निवासी नितेश के पैर को छूते हुए गोली निकल गई। आनन फानन में अन्य कर्मियों ने उसे बैरिया एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसको प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह, एएसपी टाउन अवधेश दीक्षित, प्रशिक्षु एएसपी, डीआईयू व सदर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार दल बल के साथ पहुंचे। सीसीटीवी के आधार पर अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित कर दी गई है। दुकान के गार्ड और प्रत्यक्षदर्शी दीप कुमार ने बताया कि हम लोग दुकान बढ़ाने ही वाले थे। गेट पर खड़े थे। तभी चार अपराधी अंदर घुस गया। सभी के पास हथियार था। हम रोकने की कोशिश की तो धक्का देकर अंदर कर दिया। उसके बाद फायरिंग करने लगे। कैश बॉक्स मांगने लगा। कैश बॉक्स नहीं मिलने के कारण दुकान में तोड़ तार करने लगे। दो अपराधी बाहर खड़े थे। सबका चेहरा खुला हुआ था। अपराधियों का उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच थी। पूरे मामले पर एएसपी टाउन अवधेश दीक्षित ने बताया कि चाह अपराधियों ने एक ज्वेलरी शॉप में लूट की घटना को अंजाम दिया है। जिस दौरान विरोध करने पर एक कर्मी को पैर में गोली मारी। जो उसके पैर को छूते हुए निकल गई है। सीसीटीवी खंगाला जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

रिटायर्ड फौजी हत्याकांड में सौतेली सास सहित एक आरोपी गिरफ्तार

सीतामढ़ी । जमीनी विवाद को लेकर रिटायर्ड फौजी हत्याकांड मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी मृतक की सौतेली सास सुनीता देवी और विश्वनाथपुर निवासी गुड्डू यादव को जेल भेज दिया गया है। इन दोनों से पुलिस लगातार दो दिनों से पूछताछ कर रही थी। सौतेली सास द्वारा जमीन विवाद व हत्याकांड सहित कई अहम जानकारी पुलिस को दिए जाने की चर्चा है। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि घटना में शामिल शूटर व अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाकर छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक हनुमान यादव और उनके ससुर से 18 सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सात दिसंबर 2015 को चकमहिला निवासी रिटायर्ड शिक्षक रामविवेक प्रसाद यादव को फोन कर घर से बाहर बुलाकर बाइक सवार तीन बदमाशों ने हत्या कर दी थी। इसमें मृतक की दूसरी पत्नी सुनीता के बयान पर दामाद हनुमान यादव, पुत्री सीता यादव को मुख्य आरोपी बनाते हुए नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इसके बाद रिटायर्ड शिक्षक रामविवेक यादव की काफी जमीन उनकी दूसरी पत्नी द्वारा बेची गई। वहीं बची हुई जमीन जेल से बाहर आए रिटायर्ड शिक्षक के बेटी व दामाद बेचने की फिराक में थे। इसको लेकर उसकी हत्या करवा दी गई है। पुलिस के अनुसार, घटना के सफल उद्भेदन के लिए पुलिस रिटायर्ड शिक्षक के बिकी हुई जमीन और बची हुई जमीन को लेकर हुए विवादों को भी खंगाल रही है। ताकि, मामले में शामिल एक भी दोषी पुलिस कार्रवाई से वंचित न हो। फिलहाल पुलिस दोनों को जेल भेज दिया है और अन्य अपराधियों के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

सड़क हादसे रेलवे कर्मी व पुत्र घायल

भोजपुर। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के उदवंतनगर थाना के गजराजगंज ओपी अंतर्गत गजराजगंज गांव के समीप फोरलेन पर शनिवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार रेलवे गेटमैन व पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाए। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। घायलों में बक्सर जिला के बगेन गोला थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी 42 वर्षीय पप्पू सिंह एवं 15 वर्षीय उनका पुत्र कल्लू कुमार शामिल हैं। इसमें पप्पू सिंह रेलवे में गेटमैन है एवं वर्तमान में रोहतास के बिक्रमगंज में रेलवे गेटमैन के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में वह नवादा थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप नगर में किराए के मकान में रहते है। इधर,जख्मियों के परिजन ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर अपने बेटे कल्लू कुमार के साथ महाराणा प्रताप नगर अपनी बहन मीना देवी के घर बिहिया थाना अंतर्गत बिहिया गांव दही-चूड़ा देने के लिए गए थे। वापस लौटने के दौरान गजराजगंज गांव के समीप फोरलेन पर विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन ने उन्हें चकमा दे दिया। जिसके कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे दोनों बाप-बेटे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा दोनों बाप-बेटे को इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया,जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।वही ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया की जख्मी किशोर के सिर में काफी गंभीर चोटे आई है । दोनों का प्राथमिक कर दिया गया ।

छेड़खानी मामले में प्रिंसिपल अरेस्ट

गया । एक प्राइवेट स्कूल के टीचर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत की है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को स्कूल बंद होने के बाद किसी बहाने से प्रिंसिपल ने बच्ची को स्कूल बुलाया और उसके साथ गंदी हरकत करने लगा। किसी तरह बच्ची भाग कर घर गई और पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजनों ने कोंच थाना में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए हैं प्रिंसिपल संजय कुमार को अरेस्ट कर लिया। पीड़िता का कहना है कि पहले भी आरोपी बैड टच करता था। इस संबंध में कोंच थाना के थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि पीड़िता कोच बाजार निवासी एक छात्रा हंसराज पब्लिक स्कूल में पढ़ने जाती थी। उसके साथ स्कूल के ही प्राचार्य संजय कुमार गुप्ता द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत मिली है। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया है।

लोकसभा चुनाव में हार का सता रहा डर

एजेंसी

पटना। इंडी गठबन्धन की वर्चुअल बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का संयोजक बनने से इंकार किए जाने पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने प्रतिक्रिया दी है। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता का कहना है कि नीतीश कुमार को लोकसभा चुनाव में इंडी गठबन्धन की हार का भय सता रहा है। यही वजह है कि वे संयोजक की जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। वह इंडी गठबंधन की हार का ठीकरा अपने सिर नहीं लेना चाहते हैं। यही वजह है कि वे संयोजक की जिम्मेदारी अपने गठबन्धन के दूसरे प्रमुख दल को लेने की बात कह रहे हैं। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंजीनियर नन्दलाल मांझी का कहना है कि इंडी गठबन्धन में संयोजक पद की जिम्मेदारी अब काजल की कोठरी के समान है। घमंडिया गठबन्धन के लोगों को खासकर नीतीश कुमार को लोकसभा चुनाव में हार के भय अब हारने का आभास हो गया है। यही वजह है कि उन्होंने शनिवार को इंडी गठबन्धन की वर्चुअल बैठक में पैंतरा बदल दिया। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता का दावा है कि लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के लोगों की बुरी तरीके से हार तय है। हार का ठीकडा मेरे ऊपर ना फोड़ा जाए इस भय से संयोजक बनने से नीतीश कुमार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए तेजी के साथ अभी से अपनी जीत की ओर अग्रसर है। इस बात का इल्म अब सब को हो चुका है और यह दिख भी रहा है। हालांकि जो भी पैंतरे नीतिश कुमार अपना रहे हैं वे सभी लोकसभा चुनाव में धड़ाम हो जाएंगे।

खेत में किसान की हत्या कर फेंका शव

सासाराम। खेत में किसान की गला रेत कर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान बबन भगत (60) के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार खेत की सिंचाई के लिए मोटर लगाया था। वहीं पर वे रात में विश्राम करने लगे। वहां ठहरने की व्यवस्था थी। देर रात ही उनकी हत्या कर शव बधार में फेंक दिया गया। सुबह ग्रामीणों ने किसान के शव को देखा। जिसके बाद सूचना

परिजनों और पुलिस को दी। आक्रोशित लोगों ने हत्या के विरोध में सुबह 8 बज से आरा-मोहनिया एनएच-319 जाम कर रखा है। वारदात कोचस प्रखण्ड के चितेनी गांव की है। परसथुआ थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों के अनुसार उनकी किसी की दुश्मनी नहीं थी। मामले की जांच की जा रही है। डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। ग्रामीणों ने सड़क जाम किया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए परिजनों की सहमति ली जा रही है। हत्या के कारण की अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

अवैध संबंध को लेकर हुई थी ट्रक चालक की हत्या

एजेंसी

आरा। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नए का टोला मोड़ के समीप दिनदहाड़े हुए ट्रक चालक राकेश साह की गोली मारकर हत्या किए जाने मामले में भोजपुर पुलिस ने साजिश में शामिल एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गड़हा गांव निवासी दशई यादव का पुत्र शेखर कुमार है । जिसकी जानकारी एसपी प्रमोद कुमार ने दी है । उन्होंने बताया की उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दक्षिण एकौना गांव निवासी राकेश की हत्या महिला से अवैध संबंध के कारण एक षड्यंत्र के तहत की गई । इस कांड में शामिल हिस्ट्रीशीटर चंदन कुमार समेत दिलीप उर्फ गड़ासी नामक अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एसपी ने बताया की मृतक राकेश साह महाराष्ट्र में रहकर ट्रक चलाता था। इस दौरान गड़हां गांव निवासी एक शादीशुदा महिला से संपर्क में रहता है। जिसका जानकारी महिला के पति और उसके परिजन को मिल गई। इसका विरोध उसके मायके वाले करते थे। उसके बाद षड्यंत्र के तहत राकेश को महाराष्ट्र से यहां बुलाकर लाया गया था। इसके बाद 10 जनवरी को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नयका टोला मोड़ के समीप गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस लेकर मृतक के पिता ने दो के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई थी । इस दौरान कांड के अनुसंधान पुलिस को एक महत्वपूर्ण क्लू मिला । जिसके बाद साजिश में शामिल शेखर को धर दबोचा गया । साथ ही मृतक का गायब मोबाइल भी बरामद कर लिया गया । जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में थानाध्यक्ष राज किशोर समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे । वह पकड़े गए आरोपित से पूछताछ में दो अन्य की संलिप्तता की बात सामने आ रही है।

तिलकुट, घेवर और तिल की सजी दुकानें

एजेंसी

पटना। तिलकुट की सौंधी खुशबू से कटिहार का बाजार गुलजार हो गया है। मकर संक्रांति के मौके पर जिले के बाजारों में विभिन्न चौक-चौराहों पर तिलकुट, राजस्थानी घेवर, मीठे गुड़ से सराबोर चूड़ा और मुड़ी के लड्डू, तिल पापड़ी, बादाम लड्डू की दुकानें सज गई है। शहर के बड़ा बाजार, मंगल बाजार, न्यू मार्केट, मिर्ची बड़ी बाजार में दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। बड़ा बाजार के गोविंद शर्मा ने कहा कि तिलकुट के साथ-साथ राजस्थानी मिठाई घेवर की मांग भी बाजार में काफी बढ़ गई है। रिफाइंड तेल से

निर्मित घेवर जहां ₹300 किलो मिल रहा है वही शुद्ध घी से निर्मित घेवर की कीमत ₹600 किलो तक है। वही बाजार में दही की दो वेरायटी है। सादा और लाल दही एक तरफ जहां ब्रांडेड कंपनी अपनी दही के प्रिंट रेट के हिसाब से बेच रहे हैं । वहीं, दुकानदार का जमाया गया सदा दही 140 रुपए प्रति किलो मिल रहा है, जबकि खजूर से निर्मित लाल दही ₹200 किलो बाजार के भाव से मिल रहा है। मकर संक्रांति पर लोग तिलकुट समेत तिल से बने अन्य खाद्य व गुड़, दही का सेवन करते हैं । त्योहार के मौके पर तिल दान की भी धार्मिक परंपरा है। मकर संक्रांति पर सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं इस दिन से देवताओं के दिवस की गणना आरंभ होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस त्योहार का बड़ा महत्व है। गर्म तासीर वाले तिल व गुड़ कड़ाके की ठंड में शरीर को गर्म रखने में काफी मददगार होते हैं।

दो दिन तक नाव परिचालन पर रोक

बक्सर। जिले में दो दिन तक गंगा में नौका परिचालन पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। अगर कोई नाव 14 और 15 को नदी में नाव का परिचालन करता है तो उसपर कार्रवाई का आदेश बक्सर रजट ने दिया है। स्नान और नौका चलाने वालों पर नजर रखने के लिए घाट पर मजिस्ट्रेट के साथ भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। हालांकि सरकारी नाव और एसडीआरएफ की टीम को इससे अलग रखा गया है। मकर संक्रांति के अवसर पर सभी घाटों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान लाखों लोग गंगास्नान करने पहुंचते है। इसके अलावा नाव पर सवार होकर नौका विहार का आनंद भी

लेते है। दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसी को देखते हुए आज और कल गंगा नदी में नावों का परिचालन बंद रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती होगी। साथ ही पकड़े जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई होगी। बक्सर रजट धीरेंद्र मिश्रा ने सदर अनुमंडल के गंगा क्षेत्र वाले मुफस्सिल थाना, नगर थाना और आद्यौगिक थाना के थाना अध्यक्ष के साथ मोटर यान निरीक्षक, चौसा और बक्सर सदर सीओ को कहा गया है नाव परिचालन पर रोक लगाएं।

होटलों में बगैर छानबीन के नहीं मिलेगी कपल को एंट्री

मुजफ्फरपुर । होटलों में हाल के कुछ दिनों में बड़े आपराधिक वारदात की घटना सामने आई है। जिसमें कई होटलों की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। उसके बाद अपराधियों को तलाशने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। लेकिन अब शहर के होटलों पर नकेल कसने की कवायद मुजफ्फरपुर पुलिस ने शुरू कर दी है। सिटी एएसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि बगैर आईडी प्रूफ और नाबालिग युवक युवतियों को कमरा देने वाले कई संदिग्ध होटलों की जानकारी पुलिस को मिली है।इसको लेकर शहर के होटलों में पुलिस की औचक निरीक्षण और छापेमारी को शुरू की गई है। इस अभियान के दौरान जिन होटलों में गड़बड़ी पकड़ी जाएगी। उनके खिलाफ पुलिस सख्त एक्शन लेगी। मुजफ्फरपुर के एएसपी अवधेश दीक्षित के निर्देश पर पुलिस की विशेष टीम द्वारा शहर के सभी होटल को वेरीफाई करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि अभी हाल ही बगैर आईडी प्रूफ के एक होटल में ठहरे प्रेमी के द्वारा अपने प्रेमिका को गले में गोली मार जख्मी कर दिया गया था। जहां गोली मारने के बाद होटल में प्रेमिका को छोड़ कर प्रेमी फरार हो गया था। जहां पुलिस जांच के क्रम में होटल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही उजागर हुई थी।

कोहरे की वजह से ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक

तेजस राजधानी 16 घंटे लेट तो सम्पूर्ण क्रांति 13 घंटे, मगध और पूर्वा भी है डिले

एजेंसी

पटना। कोल्ड डे और कोहरे का असर ट्रेन के पहियों पर भी पड़ा है। मगध एक्सप्रेस, राजधानी तेजस, सम्पूर्ण क्रांति, पूर्वा सुपर फास्ट, गरीब रथ, दुरंतो, हिमगिरि, ब्रह्मपुत्रा, विक्रमशीला, महानंदा समेत अधिकतर ट्रेनें 13- 13 घंटे और 16-16 घंटे लेट चल रही हैं। तेजस राजधानी एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस की टाइमिंग में रविवार के दिन भी सुधार नहीं हुआ है। यह ट्रेनें आज भी काफी लेट चल रही हैं। 20802 नई दिल्ली इस्लामपुर मगध एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 12 घंटे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी का आने के समय दोपहर 12:40 बजे था। शनिवार के दिन भी यह गाड़ी अपने निर्धारित समय से 8 घंटे थी। 12394 नई दिल्ली राजेंद्र नगर संपूर्ण क्रांति सुपर फास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 13 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 6:35 बजे है। यह गाड़ी शनिवार के दिन भी काफी लेट थी। 12310 नई दिल्ली राजेंद्र नगर तेजस राजधानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 16 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 4:40 बजे है। शनिवार के दिन भी यह गाड़ी 13 घंटे लेट थी। 12304

नई दिल्ली हावड़ा पूर्वा सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 12 घंटे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 6:50 बजे है। जो अब शाम में आएगी। 12436 आनंद विहार जयनगर गरीब रथ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 13 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 5:50 बजे है। जो दोपहर में आयेगी। 12274 नई दिल्ली हावड़ा दुरंतो सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 16 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय रात में 12:55 बजे है। 12368 आनंद विहार भागलपुर विक्रमशीला एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 15 घंटे लेट चल रही है। इस गाड़ी के पटना जंक्शन पर आने का समय सुबह 2:30 बजे है। 15484 दिल्ली अलीपुरद्वार महानंदा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 10 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय रात में 12:45 बजे है। 15657 दिल्ली भागलपुर कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 8 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय दोपहर 2:30 बजे है। 12578 मैसूर दरभंगा बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 2:30 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 10 बजे है। 12331 हावड़ा जम्मू तवी हिमगिरि सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 2 घण्टे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 10:05 बजे है। 15635 ओखा कटिहार गुवाहाटी द्वारिका एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 2 घंटे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 10:10 बजे है। दिल्ली से पटना आने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट SG-8721 आज 4 घंटे लेट आएगी। सुबह 10:20 की जगह दोपहर 14:20 में इसके आने की संभावना है।

पायदान का खेल

लगातार आठवें साल, केंद्र सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार घोषित किये हैं। यह एक सालाना कवायद है जिसमें सार्वजनिक स्वच्छता के विभिन्न मानदंडों पर प्रभावशाली प्रदर्शन करनेवाले शहरों, कस्बों और राज्यों को पुरस्कृत किया जाता है। जैसा कि अब प्रत्याशित हो चुका है, मध्य प्रदेश के इंदौर शहर को लगातार सातवें साल भारत का सबसे स्वच्छ शहर करार दिया गया है। इस साल इकलौता बदलाव यह है कि उसे इस सम्मान को सूरत, गुजरात के साथ साझा करना पड़ा है। पिछले साल सूरत दूसरे पायदान पर था, जो आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि पुराने संस्करणों में उसने अमूमन ऊपरी पायदानों पर जगह बनायी थी। भोपाल, इंदौर, सूरत और विशाखापट्टनम ने बीते सालों में अपनी जगह पक्की कर ली है। शीर्ष-10 के बाद एक अनिश्चितता है - मसलन अहमदाबाद, चंडीगढ़ और ग्वालियर शहरों की रैंकिंग को लेकर अनिश्चितता रहती है। लेकिन शीर्ष शहरों की सूची में लगातार वही शहर बने हुए हैं। इन सबसे ऐसा लगता है कि मामला ठहर-सा गया है। इस सर्वेक्षण की एक और खास बात यह है कि इसमें बहुत-सी उप-श्रेणियां बनायी गयी हैं, ताकि कई और शहरों को किसी न किसी श्रेणी में शीर्ष पर आने का मौका मिले। लिहाजा, आबादी के आधार पर उप-श्रेणियां बनाना सार्थक है, लेकिन कुछ वर्गीकरण गले नहीं उतरते। मध्य प्रदेश स्थित महू को सबसे साफ ह्यछावनीह्ल शहर का पुरस्कार मिला है। वाराणसी और प्रयागराज ह्यसबसे साफ गंगा किनारे वाले शहरह्ल पुरस्कार के गौरवशाली विजेता हैं, जबकि चंडीगढ़ सबसे साफ ह्यसफाईमित्र के लिए सर्वश्रेष्ठ सुरक्षित शहरह्ल है। क्षेत्रवादी संकीर्णता की स्वाभाविक आलोचनाओं (मसलन, सबसे साफ कावेरी या नर्मदा किनारे वाले शहर का पुरस्कार क्यों नहीं हो सकता?) के अलावा, यह शीर्ष पर अत्यधिक ध्यान खींचने वाली कवायद बन जाती है। केंद्र द्वारा शुरू की गयी कई रैंकिंग की योजनाओं के पीछे सोच यह है कि विभिन्न वर्गों झ शहरों, गांवों, स्कूलों - को अपने दम-खम के बूते, खुद को ऊपर ले जाने के लिए ह्यप्रेरितह्ल किया जाए। खेल प्रतियोगिताओं के लिए यह सिद्धांत बढ़िया काम करता है, लेकिन सार्वजनिक स्वच्छता कोई ऐसी चीज नहीं है जो खुद को बेहतर बनाने में किसी कस्बे या शहर द्वारा अपनी मर्जी से किये गये आलसी या उद्यमी होने के चुनाव का नतीजा हो। यह उनके इतिहास, आर्थिक दशा और सत्ता से नजदीकी से बहुत ज्यादा प्रभावित होती है। कुछ शहरों के लगातार शीर्ष पर होने का मतलब है कि उन पहलुओं पर कम ध्यान दिया जा रहा है जो स्वच्छता के मामले में व्यापक बेहतरी को बाधित करते हैं।

स्पीकर की अदालत

शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी धड़ों द्वारा दायर की गयी याचिकाओं पर महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर का फैसला यह दिखाता है कि क्यों दलबदल-विरोधी कानून के तहत निर्णय करने की शक्ति विधायिका के पीठासीन अधिकारियों के हाथों में नहीं होनी चाहिए। बहुत से लोग इसे एक ऐसा मामला मान रहे थे जो यह तय करने वाला था कि एकनाथ शिंदे सरकार बचेगी या नहीं। इसमें स्पीकर ने फैसला सुनाया है कि एकनाथ शिंदे धड़े के सदस्यों, या उद्धव बी. ठाकरे (यूबीटी) गुट के 14 सदस्यों को अयोग्य ठहराने का कोई मामला नहीं बनता। यह फैसला मुख्यतया इस निष्कर्ष पर आधारित है कि 21 जून, 2022 को जब शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी धड़े बने, तब एकनाथ शिंदे (जो अब मुख्यमंत्री हैं) के वफादारों ने असली राजनीतिक दल गठित किया। नार्वेकर के निर्णय में 11 मई, 2023 के सुप्रीम कोर्ट के अंतिम निर्णय से कुछ पहलुओं को सुविधानुसार ले लिया गया है। शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने फैसला दिया था कि राज्यपाल तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सदन में बहुमत परीक्षण के लिए कहने के मामले में गलत थे, और स्पीकर इस मामले में गलत थे कि उन्होंने शिंदे धड़े द्वारा नियुक्त व्यक्ति को बतौर पार्टी सचेतक व्हिप मान्यता दी। अदालत के फैसले के उलट, स्पीकर ने निर्णय दिया है कि यूबीटी धड़े द्वारा नियुक्त सुनील प्रभु 21 जून, 2022 से विधिवत अधिकृत व्हिप होने से रोक दिये गये, और शिंदे गुट के भरत गोगावले बतौर व्हिप वैध ढंग से नियुक्त हुए थे। नतीजतन, नार्वेकर को यह आरोप कायम रखने का कोई कारण नहीं दिखा कि शिंदे के वफादारों ने किसी व्हिप का उल्लंघन किया। उन्होंने यह भी फैसला दिया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यूबीटी गुट ने दूसरे पक्ष के व्हिप का उल्लंघन किया क्योंकि ऐसा कोई व्हिप उनके लिए जारी नहीं किया गया। उद्धव ठाकरे गुट दोबारा सुप्रीम कोर्ट के पास जा सकता है- शायद इस आधार पर कि स्पीकर का फैसला संविधान पीठ के मुख्य निष्कर्षों का खंडन करता है। शिवसेना विधायी दल में टूट को स्वीकार करते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा था : दलबदल के आधार पर अयोग्यता के विरुद्ध अपने बचाव में कोई भी धड़ा या समूह यह दलील नहीं दे सकता कि वे ही असली राजनीतिक पार्टी हैं। स्पीकर ने शिंदे धड़े के ह्यभारी बहुमत (मूल पार्टी के 55 में से 37 विधायक) का हवाला भी दिया है। दूसरी तरफ, अदालत का राय थी कि अयोग्यता का बचाव होता है या नहीं, यह तय करने के वास्ते प्रत्येक धड़े में सदस्यों का प्रतिशत अप्रासंगिक है। हालांकि, अदालत ने यह माना था कि दलबदल के सवाल पर निर्णय करते समय स्पीकर को यह तय करना पड़ सकता है कि कौन सा धड़ा असली पार्टी है।

सामाजिक-पारिवारिक मूल्यों के रखवाले हैं श्रीराम

ANALYSIS

डॉ. राकेश राणा

भारतीय समाज में श्रीराम उस वट वृक्ष की तरह हैं जिसकी छत्रछाया में भक्त, आलोचक, आम, खास, आराधक, विरोधी, संबोधक सबके सब न जाने कितने सालों से एक साथ चले आ रहे हैं। 'श्रीराम' भारतीय चिंतन परंपरा का सबसे चहेता चेहरा हैं। उनमें निगुर्णों व सगुणों सब ही का समान हिस्सा है। ब्रह्मवादी उनमें ब्रह्मस्वरूप देखते है। निर्गुणवादियों के लिए आत्मा ही श्रीराम है। अवतारवादियों के वे अवतार हैं। वैदिक साहित्य में उनका विचित्र रूप है। बौद्ध कथाएं उनके करुणा रूप से कसी हुई हैं। वाल्मीकि के श्रीराम कितने निरपेक्ष हैं देखते ही बनता है। तुलसी के श्रीराम भारतीय जनमानस में बसे श्रीराम हैं, यहां सबके घट-घट में सजे श्रीराम हैं। श्रीराम ही हैं, जो भारत को उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक एक सूत्र में पिरोए हुए हैं। भारतीय समाज के लिए तो मान-सम्मान का सम्बोधन ही 'राम-राम' हो जाता है। यह अकारण नहीं है जो सब कुछ राममय हो गया है। यहां हर घर का बड़ा बेटा राम हो जाता है जो आज्ञाकारी है, त्यागी है, सेवाभाव वाला है। आदर्श शासक सबको राम सरीखा नजर आता है। यहां तक कि रामराज्य आदर्श व्यवस्थाओं के आग्रह का आवश्यक आधार बन जाता है। श्रीराम भारतीय परम्परा का अभिन्न हिस्सा हैं। तुलसी के श्रीराम मयार्दा पुरुषोत्तम हैं और वाल्मीकि के राम मानवीय भावनाओं से ओत-प्रोत संतुलित राम हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम राम ने अपने जीवन में एक-एक मयार्दा की पालना की, समाज के सम्मुख आदर्श रखे। पुत्र, पिता, भाई, पति, राजा, मित्र तमाम स्वरूपों में मानवीय भावनाओं के संतुलक राम सिर्फ भारत के ही आदर्श नहीं है बल्कि पूरे विश्व के लिए आदर्श रूप में अनुकरणीय हैं। प्रभु श्रीराम का जीवन आम जीवन से जुड़ा जीवन है, वह सबको चमत्कृत नहीं अपितु आकर्षित करता है। पत्नी के अपहरण पर भी समाज से सहयोग मांगा और संघर्ष किया। तो उसे वापस पाने के लिए मिल-बैठकर नीति बनाई। लंका जाने के लिए एक-एक पत्थर जोड़कर पुल बनाया। एक कुशल प्रबन्धक की तरह लौटे तो पूरी सेना के साथ लौटे, एक साम्राज्य निर्माण की आकांक्षा से लबरेज रामराज की कामना के साथ। राम अगम है सगुण हैं निर्गुण है। कहत कबीर निर्गुण राम जपहुं रे भाई। श्रीराम के चरित्र में पग-पग पर मयार्दा है, त्याग है, प्रेम है और लोक व्यवहार का साक्षात्कार है। राम मानवता में मथे महापुरुष हैं। राम लोकतंत्र के लोकपाल हैं, सबके प्रेरक हैं और समाज के सह-निमार्ता हैं। राम के आदर्शों का जनमानस पर इतना गहरा प्रभाव तब ही संभव हो भी पाया। श्रीराम से भारतीय समाज सदैव सार्थकता पाता रहा है। भारत का आम जन-जीवन युगों-युगों से राम के दृष्टिकोण के साथ जीवन के संदर्भों-स्थितियों-परिस्थितियों-मनःस्थितियों-घटनाओं और प्रघटनाओं को मूल्यांकित करता रहा है। श्रीराम भारतीय समाज की वैचारिक थाती हैं। श्रीराम भारतीय संस्कृति की सतत प्रवाहमान धारा हैं। उनके उग्र स्वरूप के चित्रण में वैसा प्रभाव नहीं है जैसा उनकी सौम्यता में समाया हुआ है। राम बहुत सहज, सौम्य और सम्मोहक हैं। इसलिए वह सर्वत्र हैं। सबके हैं और सब उनके हैं। रहीम खान-ए-खाना कहते हैं कि 'रामचरित मानस हिन्दुओं के लिए ही नहीं मुस्लिमों के लिए भी आदर्श है। तभी उन्होंने लिखा- 'रामचरित मानस विमल, संतन जीवन प्रान, हिन्दुअन को वेद सम, तुरकहिं प्रगट कुरान।' श्रीराम किसी धर्म, देश, दुनिया की सीमाओं में सीमित नहीं हैं, अपितु वह एक विलक्षण विचार हैं। साहित्य में खुसरो, रसखान, आलम रसलीन, हमीदुद्दीन नागौरी, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती आदि सब ने राम की काव्य-पूजा की तो किसी ने राम की शक्ति-पूजा की है। तुलसी, कबीर, नानक और रैदास सब राम में रमे रहे। तुलसी कहत 'राम न सकहिं नाम गुन गाहीं।'अर्थात स्वयं 'राम' भी इतने समर्थ नहीं हैं कि वह अपने ही नाम के प्रभाव का गान कर सकें। कबीर कहते है-'राम गुण न्यारो न्यारो। अबुझा लोग कहांलों बूझे, बूझनहार विचारो।' श्रीराम के गुण बेहद न्यारे हैं। नासमझ लोग उन्हें रटते रहते हैं, कोई समझने की कोशिश ही नहीं करता। गांधी के राम 'रघुपति राघव राजा राम' जब 22 जनवरी, 1921 को आज से लगभग एक सदी पूर्व 'यंग इंडिया' में उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए राम, अल्लाह और गॉड सब एक ही हैं।' इसी चिंतनधारा में संत विनोबा भावे जी राम, कृष्ण, बुद्ध को अवतार घोषित किए जाने के प्रश्न पर कहते है 'दरअसल विचार का ही अवतार होता है। लोग समझते हैं कि राम, कृष्ण, बुद्ध, अवतार थे। हमने उन्हें अवतार बनाया है। अवतार व्यक्ति का नहीं विचार का होता है और विचार के वाहन के तौर पर मनुष्य काम करते हैं। युगानुकूल वैचारिकी खड़ी करते हैं। किसी युग में राम के रूप में सत्य की महिमा प्रकट हुई तो किसी में कृष्ण के रूप में प्रेम की, तो कभी बुद्ध के रूप में करुणा की।' भारत की हर एक भाषा में रामकथाएं कही गई हैं। भारत के बाहर फिलीपाईन्स, थाईलैंड, लाओस, मंगोलिया, साइबेरिया, मलयेशिया, म्यांमार, स्याम, इंडोनेशिया, जावा, सुमात्रा, कम्बोडिया, चीन, जापान, श्रीलंका, वियतनाम सभी में रामकथा के ढेरों स्वरूप मौजूद हैं। इससे स्पष्ट है कि यदि श्रीराम केवल राजा होते, न्यायी होते, सदाचारी होते, धर्म प्रवर्तक होते तो शायद उनकी स्मृति भी कब की क्षीण हो चुकी होती और वह इतिहास बनकर रह गए होते। श्रीराम इतिहास नहीं हैं वह तो हर पल नए निवर्तमान हैं। अपना कोई धर्म-पंथ न चलाते हुए भी धर्म का आदि और अंत हैं। स्थूल रूप में अपने समय में नर-लीला करते हुए भी अतीत नहीं हुए वर्तमान हैं। मौजूदा दौर का सवाल थोड़ा दुरुह है। क्या राम विचार का विश्राम हैं, तब जब राजनीति के राम जय श्रीराम हैं। इक्कीसवीं सदी की वैचारिक विमाओं में श्रीराम की भूमिका राष्ट्र निर्माण के किस रुप में अवतरित हो? आज यह यक्ष प्रश्न भारतीय चित्त की बड़ी चुनौती है। मौजूदा भारतीय नेतृत्व को नए राष्ट्र संगठक श्रीराम की तलाश है। श्रीराम की प्रतिष्ठा राजनीति से ज्यादा राष्ट्र नीति में निहित है। गंभीर सवाल यही है कि नई पीढ़ी के लिए श्रीराम कैसे हों? नयी सदी के नए दिमागों में श्रीराम की नयी उपमाएं कैसे उगें? मौजूदा चुनौतियों को मानस मंथन की नयी व्याख्याएं कैसे हल करें। जब विश्व मानवता और विज्ञान के विकास का क्रम इतना सहज न रहा हो? क्या नई पीढ़ी का वाल्मीकि के 'श्रीराम' से काम चल जायेगा? या तुलसी, कबीर और रसखान के 'श्रीराम' से सब काम बन जायेगा। आजाद भारत में गांधी, निराला और रामानंद सहित भारतीय राजनीति 'श्रीराम' को कितना भारतीयता के निकट ला पाती है। युवा पीढ़ी की आधुनिकता को कितना श्रीराम समर्थित बना पाती है। आधुनिक श्रीराम और आध्यात्मिक श्रीराम में संतुलन साधने का उद्यम तो नई पीढ़ी के लिए आज नहीं तो कल करना ही होगा। जो जय श्रीराम के जयकारे से आगे बढ़कर हर दिल के हलकारे तक श्रीराम के रंग बिखेर सके। देश का हर जवान उमंगित हो उठे, झूम उठे, गा उठे कि होली खेले रघुवीरा, अवध में...। नए भारत के ग्लोबल इंडिया के ये वे द्वंद्व हैं, जो नए मुहावरों में श्रीराम को रमना चाहते है। क्या नयी सदी का भूमंडलीय भारत नयी नैतिकताओं और नयी सामूहिकताओं की नयी सामाजिक संहिता की सैद्धांतिकी के साथ नए श्रीराम की रचना करने वाले नए नरेशन को राजनीति के बाहर विस्तारित कर पायेगा। यहीं वह सबसे मौजूं सवाल है जिसके जवाब में श्रीराम युगों-युगों तक भारत के भीतर प्राण संचार करने वाले जन-नायक रहे हैं। श्रीराम का जीवन चरित्र संघर्ष में भी धीरज देता है। घोर नैराश्य में भी साहस और संयम सिखाता है। श्रीराम एक आदर्श व्यक्तित्व के पूरक हैं। श्रीराम का पूरा जीवन ही संघर्षों और आदर्शों से लबालब है। श्रीराम एक आदर्श पुत्र, पति या भाई ही नहीं हैं अपितु भारतीय समाज के लिए मयार्दा हैं। विनय और विवेक के विनायक हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम के संवाहक श्रीराम हैं। एक मर्यादित, संयमित और संस्कारित जीवन की जीवंत झांकी हैं मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम। श्रीराम का राज्य जन सेवा के लिए नीतिकुशल न्यायप्रिय राजा का है।

लेखक,स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

भारत के मन का मूल उत्स सांस्कृतिक है

भारत उत्सव प्रिय उल्लासधर्मा देश है। सतत कर्म यहां जीवन साधना है। पूरे वर्ष कर्म प्रधान जीवन और बीच-बीच में पर्व त्योहार और उत्सवों का आनंद। भारत के मन का मूल उत्स सांस्कृतिक है। उत्स का अर्थ है केन्द्र। उत्सव परिधि है। उत्सव उल्लासधर्मा होते हैं। वे भारत के लोक को भीतर और बाहर तक आच्छादित करते हैं। मकर संक्रान्ति का उत्सव ऐसा ही है। यह भारत के सभी हिस्सों में मनाया जा रहा है। नदियों में कड़ाके की ठंढ के बावजूद स्नान ध्यान, पूजन और आनन्द। हम भारत के लोग उत्सवों में समवेत होते हैं, आनन्दित होते हैं। संप्रति मकर संक्रान्ति के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी आनंद की लहर है। भारतीय चिंतन में सूर्य ब्रह्माण्ड की आत्मा हैं। सूर्य सभी राशियों पर संचरण करते प्रतीत होते हैं। वस्तुतः पृथ्वी ही सूर्य की परिक्रमा करती है। आर्य भट्ट ने आर्यभट्टीयम में लिखा है, "जिस तरह नाव में बैठा व्यक्ति नदी को चलता हुआ अनुभव करता है, उसी प्रकार पृथ्वी से सूर्य गतिशील दिखाई पड़ता है।" सूर्य धनु राशि के बाद मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो इसे मकर संक्रान्ति कहा जाता है। सूर्य का मकर राशि पर होना उपासना के लिए सुन्दर मुहूर्त माना जाता है। वराहमिहिर ने बृहत संहिता में बताया है, "मकर राशि के आदि से उत्तरायण प्रारम्भ होता है।" सूर्य अजर अमर हैं। ऋग्वेद के एक सूक्त में ऋषि अपने यज्ञ में पृथ्वी अंतरिक्ष और समस्त देवलोक को निमंत्रण देते हैं। वे वरुण, इन्द्र, मरुत और जल को भी आहूत करते हैं। वे देवों से समृद्धि की कामना करते हैं। अंत में सूर्य सविता देव का स्मरण करते हैं, "सविता पश्चातात सविता-सविता हमारे पीछे हैं।" फिर कहते हैं,"पुरस्तात सवितोतर सविता धरातात-सविता सामने हैं। ऊपर हैं। नीचे हैं। ये सविता हमें सुख व समृद्धि दें। दीघार्यु भी दें।" सविता सूर्य की उपस्थिति दशों दिशाओं में है। यही तेजोमय सविता मकर राशि पर हैं। उनके अभिनन्दन की सुन्दर मुहूर्त है मकर संक्रान्ति। पुण्यदायी नदियों में स्नान की भी परंपरा है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में मकर संक्रान्ति के अवसर के लिए प्रयागराज का शब्द चित्र बनाया है, "माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।" ऋग्वेद के रचनाकाल से लेकर उपनिषदों, महाकाव्यों और परवर्ती संस्कृतिमूलक साहित्य में सूर्यदेव की चर्चा है। प्रश्नोपनिषद (1-5) में कहते हैं कि, "आदित्य ही प्राण हैं। छान्दोग्य उपनिषद में कहते हैं,जैसे मनुष्यों में प्राण महत्वपूर्ण हैं वैसे ही ब्रह्माण्ड में सूर्य हैं।" सूर्य के कारण इस पृथ्वी ग्रह पर मनुष्य का जीवन है। सूर्य दिव्य हैं। तेजोमय दिव्यता हैं। सूर्य ऊष्मा ऊर्जा व प्रकाश का अक्षय भण्डार हैं। प्रत्येक ताप का ईंधन होता है। इसी तरह तेजोमय सूर्य ताप के पीछे भी कोई कारण/ईंधन होना चाहिए। सूर्यदेव अरबों वर्ष से तप रहे हैं। हम सब सूर्य परिवार के अंग हैं। ऋग्वेद के प्रथम मण्डल (सूक्त 164) के प्रथम मंत्र में सूर्यदेव के तीन भाई बताए गए हैं। उनके सात पुत्र हैं। तीन भाइयों में वे स्वयं, दूसरे सर्वव्यापी वायु और तीसरे तेजस्वी अग्नि। सूर्य के रथ का वर्णन सुन्दर है, "सूर्य के एक चक्र वाले रथ में सात घोड़े हैं। सात नामों वाला एक घोड़ा रथ खींचता है।" आगे सात शब्द का दोहराव है, "सात दिन, सात अश्व, सात स्वरों में सविता सूर्य की स्तुति करती सात बहनें।" वैसे भी सूर्य प्रकाश में सात रंग हैं। ध्वनि में सात स्वर हैं। सप्ताह में सात दिन हैं। ऋषि जिज्ञासा है, "इस ब्रह्माण्ड में सबसे पहले जन्म लेने वाले को किसने देखा? जो अस्थि रहित होकर भी सम्पूर्ण संसार का पोषण करते हैं।" पूर्वज सविता सूर्य की आर्तरिक गतिविधि जानना चाहते हैं, "यह विज्ञ सप्त तंतुओं-किरणों को कैसे फैलाते हैं।" ऋषि जानकारी की सीमा बताते हैं, "मैं नहीं जानता लेकिन जानना चाहता हूं। सभी लोकों को स्थिर करने वाले अजन्मा का रूप क्या है? जो सूर्य रहस्य के जानकार हैं, कृपया वे बताएं।" अंत में कहते हैं, "बारह अरों वाला चक्र द्युलोक में घूमता रहता है। वह अजर अमर है।" सूर्य अभिभावक हैं। संरक्षक हैं। गीता (4-1) में ज्ञान परंपरा है। श्रीकृष्ण कहते हैं, "मैंने योगविद्या का ज्ञान सबसे पहले विवस्वान सूर्य को दिया था। सूर्य ने मनु को और मनु ने इक्ष्वाकु को यही ज्ञान दिया।" सूर्य जीवनदाता हैं। आराध्य हैं। विश्व की सभी संस्कृतियों में सूर्य प्रत्यक्ष देव हैं। सूर्य उपासना यूनान में भी थी। वैदिक मन्त्रों में सविता सूर्य और ऊषा अलग अलग स्तुतियां पाते हैं। लेकिन यथार्थ में वे एक ही सूर्य के भिन्न भिन्न आयाम हैं। डॉ. कपिल देव द्विवेदी ने "वैदिक देवताओं के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप" पर किताब लिखी है। उन्होंने लिखा है, "सविता ही सूर्य हैं। सविता का अर्थ प्रेरणा शक्ति देने वाला प्रेरक। गति देने वाला। सूर्य इस संसार को प्रेरणा और प्रकाश देते हैं। इसलिए सूर्य को सविता भी कहते हैं। सूर्य उपास्य हैं। ऊषा देवी भी उन्हीं का एक आयाम हैं।" ऋषि कहते हैं, "सविता सूर्य विश्वरूपाणि हैं और ऊषा के बाद प्रकाशित होते हैं।" ऋग्वेद (1-141-2) में अग्नि के तीन रूप बताए गए हैं। पहला भौतिक अग्नि। दूसरा मेघों बादलों में विद्युत रूप अग्नि और तीसरे सूर्य। ऊषा देवी सूर्योदय के पहले की आभा हैं। ऊषा की स्तुति में कहते हैं, "ऊषा स्वर्ग की कन्या जैसी प्रकाश के वस्त्र धारण करके प्रतिदिन पूरब से वैसे ही आती हैं जैसे विदुषी नारी प्रकृति के शाश्वत नियमों के अनुसार चलती है।" यहां ऊषा का वस्त्र प्रकाश है। आगे बताते हैं जैसे भद्र नारियां सोए हुए परिजनों को जगाती हैं। वैसे ही ऊषा भी सोने वालों को जगाती हैं।" वैदिक समाज के लोग प्रातःकाल उठते थे। वे सूर्योदय देखते थे। आनंदित होते थे। सूर्य नमस्कार करते थे। ऊषाकाल वैदिक समाज के लोगों का जागरण काल है। ऋषि ने ऊषा को लेकर सुन्दर मंत्र रचे हैं। कहते हैं कि "यह ऊषा जैसे पति से मिलने के लिए मुस्कराती हुई अपना सौंदर्य प्रकट करती है।" ऋषियों का

अर्थव्यवस्था सकारात्मक दिशा में

पिछले वित्त वर्ष (अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक) में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। तब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने अनुमान लगाया था कि वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि दर घट कर सात प्रतिशत के आसपास रहेगी। इस अनुमान से भारतीय रिजर्व बैंक भी सहमत है, लेकिन यह बड़े अचरज की बात है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। इस अवधि में वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है, जो इन अनुमानों से बहुत अधिक है। इसकी मुख्य वजह सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा पूंजी व्यय में 31 प्रतिशत (मुद्रास्फीति को समायोजित किये बिना नॉमिनल आंकड़ा) की बढ़ोतरी रही है। पूंजी व्यय में यह वृद्धि (जिसमें बड़ा हिस्सा सरकार का रहा है) पिछले वित्त वर्ष में हुई 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी से बहुत ज्यादा है। ऐसे में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि स्वाभाविक है। अब सरकार ने इस वित्त वर्ष की वार्षिक वृद्धि दर का अग्रिम अनुमान प्रकाशित किया है, जो 7.3 प्रतिशत है। इसका मतलब यह है कि सरकार को दूसरी छमाही में वृद्धि दर में कुछ कमी का अंदेशा है। दूसरी छमाही की अनुमानित दर 6.9 प्रतिशत के आसपास है। फिर यह आंकड़ा बहुत प्रभावी है और रिजर्व बैंक के अनुमान से अधिक है। क्या यह अनुमान बहुत आशावादी है? इसका पता हमें जल्दी ही लग जायेगा। यह अनुमान सरकार के पास उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर निर्धारित किया गया है। इन आंकड़ों में वस्तु एवं सेवा कर समेत कर संग्रहण, वस्तुओं की ढुलाई, पर्यटकों का आगमन, निर्यात, तेल एवं ऊर्जा उपभोग आदि से संबंधित आंकड़े शामिल हैं। लेकिन किसी को यह नहीं पता है कि बढ़ोतरी की यह गति कितनी जल्दी मंद हो जायेगी। अच्छे से अच्छे अर्थशास्त्री विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिक नहीं होते, क्योंकि अंततः उपभोक्ता और निवेशक मनोविज्ञान एवं भावना से ही वृद्धि संचालित होती है। चालू वित्त वर्ष में उपभोग में वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत ही है, जो जीडीपी वृद्धि दर से कम और पूंजी व्यय में वृद्धि से बहुत कम है। उपभोक्ता व्यय जीडीपी के 60 प्रतिशत हिस्से से अधिक है और वृद्धि दर को गति देने में इसका बड़ा योगदान है। यह वृद्धि इस बात पर निर्भर करती है कि पारिवारिक आय में वृद्धि कैसी है, रोजगार वृद्धि के आसार क्या हैं, आजीविका के साधनों का विस्तार कैसा है आदि। तो यह स्पष्ट है कि सरकार के अपने आकलन के अनुसार अक्तूबर से मार्च तक का समय अर्थव्यवस्था में कुछ गिरावट का दौर है। कुछ हद तक ऐसा इसलिए भी है कि पूंजी व्यय के लिए सरकार का वित्त पोषण अनिश्चित काल तक जारी नहीं रह सकता है। इससे वित्तीय घाटे पर दबाव बढ़ता है, जिसे अगर नियंत्रण में नहीं रखा गया, तो जीडीपी की तुलना में कर्ज का अनुपात 100 प्रतिशत तक जा सकता है, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चेतावनी दी है। इसलिए जब सरकार अपने खर्च में कमी करती है, तब अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए दूसरे कारकों का प्रदर्शन बेहतर होना चाहिए। बाकी दुनिया में जो हो रहा है, उसका असर भारत की स्थिति पर पड़ना स्वाभाविक है। वैश्विक स्तर पर सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मंदी आने की आशंका जतायी जा रही है। भू-राजनीतिक तनावों के कारण काले बादल गहरे होते जा रहे हैं, जिससे निवेशक जोखिम उठाने से कतरा रहे हैं। दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे। इस्राइल-फिलीस्तीनी संघर्ष के मध्य-पूर्व में फैल जाने का अंदेशा भी बढ़ता जा रहा है। लाल सागर में व्यावसायिक जहाजों पर हूती समूह के हमलों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। वैश्विक व्यापार का आधे से अधिक यातायात इस रास्ते से होता है, पर अब बहुत से जहाज वहां से नहीं गुजर रहे हैं। कोई भी तनाव, खासकर मध्य-पूर्व में, तेल के दाम को बढ़ा सकता है, जो भारत के लिए बहुत नुकसानदेह होगा। वैसी स्थिति में मुद्रास्फीति, वित्तीय घाटा, उपभोक्ता एवं निवेशक भावना और अंततः वृद्धि पर नकारात्मक असर होगा। आम चुनाव का असर भी अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

ठोस राजस्व

अब जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक चौथाई से भी कम समय बचा है, सरकार ने अपने प्रत्यक्ष कर संग्रह के लक्ष्य का लगभग 81 फीसदी हिस्सा पूरा कर लिया है। इस 10 जनवरी तक रिफंड के बरक्स 14.7 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर प्रवाह एक साल पहले की तुलना में 19.4 फीसदी ज्यादा रहा। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सरकारी खजाने का शुद्ध प्रत्यक्ष कर का कोष 17.2 लाख करोड़ रुपये के बजटीय अनुमान से बहुत ज्यादा नहीं तो लगभग एक लाख करोड़ रुपये अधिक हो जाएगा और पूरे साल की वृद्धि दर लगभग 18 फीसदी की होगी। वस्तु एवं सेवा कर प्रवाह के भी बजटीय गणित को मात देने की संभावना है और केंद्रीय बैंक के उदार लाभांश से गैर-कर राजस्व को बढ़ावा मिलने की स्थिति में, उत्पाद शुल्क से अपेक्षाकृत कम प्राप्तियों के बावजूद कुल राजस्व के बजट में की गई उम्मीदों से परे जाने की संभावना है। प्रत्यक्ष करों के तहत, कॉरपोरेट करों में जहां 12.4 फीसदी की वृद्धि हुई है वहीं व्यक्तिगत आयकर से 27.3 फीसदी ज्यादा राजस्व प्राप्त हुआ है। और यह विरोधाभास इस मूल्यांकन वर्ष में दाखिल किए गए आयकर रिटर्न की संख्या रिकॉर्ड स्तर (31 दिसंबर तक 8.2 करोड़) तक पहुंच जाने के मद्देनजर आने वाले सालों में भी जारी रह सकता है। इस साल घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 फीसदी तक रखने के लक्ष्य को हासिल करने में एक छोटे अंतर से चूक सकने की आशंका के बीच, स्वस्थ राजस्व वृद्धि और कर दाखिल करने के आधार का सराहनीय विस्तार सरकार की राजकोषीय मजबूती की उम्मीदों को आगे बढ़ने में कुछ सहारा प्रदान करता है। यह केंद्र के लिए कराधान को कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के वास्ते और ज्यादा सरल बनाने पर ध्यान देते हुए इसमें आगे और सुधार करने की गुंजाइश भी बनाता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

सदियों के इंतजार के बाद अयोध्या धाम में सुमंगल की घड़ी नजदीक है। इस पुण्य अवसर को लेकर उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक, हर ओर प्रभु श्री राम का जयकारा गूंज रहा है। आस्था और भक्ति के इसी वातावरण का अनुभव आपको इस प्रस्तुति से होगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सभी को सोहराय, टुसू पर्व और मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। प्रकृति, संस्कृति और सभ्यता के द्योतक यह पर्व आप सभी को स्वस्थ जीवन, सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करे, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

आप सभी को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं । धार्मिक, सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक, भगवान सूर्य देव की उपासना एवं स्नान-दान के पावन पर्व मकर संक्रांति सबके जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्य एवं नई खुशियां लाये, यही प्रार्थना करता हूं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कोंटोर स्पेस ने 500 सीट के साथ 25,000 वर्ग फीट द्वारा वर्क स्पेस का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। रेंटिंग द्वारा को वर्किंग सेवाएं प्रदान करने वाली और कमर्शियल स्पेस का व्यवस्थापन करने वाली, कोंटोर स्पेस लिमिटेड ने एमआईडीसी, अंधेरी पूर्व में एक नया को-वर्किंग सेंटर खोलने का एलओआई पूरा किया है. यह को-वर्किंग स्पेस 500 सीट की क्षमता के साथ लगभग 25000 वर्ग फीट क्षेत्र में फैला होगा. इस सेंटर को कार्यान्वित करने की समय सीमा वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही है, जो एक महत्वपूर्ण ग्रोथ माइलस्टोन का संकेत है. एलओआई पर टिप्पणी करते हुए कोंटोर स्पेस लिमिटेड के प्रमोटर, श्री कनक मंगल ने कहा, एक नए को-वर्किंग सेंटर के लिए कोंटोर का एलओआई का सफलतापूर्वक निष्पादन ना सिर्फ उसकी ट्रांजैक्ट्री की दिशा में आगे बढ़ रहा है बल्कि सक्रिय रूप से उसके ग्राहकों के लिए वर्क स्पेस के भविष्य को भी आकर दे रहा है. विशेष क्षेत्र का व्यूहात्मक चयन कंपनी के फोकस की कसौटी है. इसके अलावा प्रस्तावित स्थल व्यूहात्मक रूप से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने की स्थिति में है, जिसे उचित इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं सहित मेट्रो कनेक्टिविटी के साथ शानदार कनेक्टिविटी से फायदा हो रहा है. यह स्थल बहुत सी कंपनियों की उपस्थिति और आसपास में कार्य बल को देखते हुए आकर्षक सुअवसर भी ऑफर करता है. लगभग 90 प्रतिशत प्रभावशाली औसत को-वर्किंग स्पेस ऑक्युपेंसी के साथ, अंधेरी लोकेशन टॉप परफॉर्मर के रूप में उभरा है. कंपनी की वर्तमान क्षमता 1,200 सीट से अधिक के साथ 46,000 को-वर्किंग स्पेस की है. प्रस्तावित क्षमता कंपनी की आय में पर्याप्त 950 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए उसकी स्पेस क्षमता में वृद्धि करेगी.

बिजनेस करने के लिए ठुकरा दी एक करोड़ की नौकरी, आज नेटवर्थ में बड़े-बड़े दिग्गजों को देती हैं टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में लोग पढ़ने लिखने के बाद शानदार सैलरी वाली नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन शुगर कॉस्मेटिक्स की सीईओ विनीता सिंह ने बिजनेस करने के लिए एक बड़ी इन्वेस्टमेंट कंपनी से मिले एक करोड़ रुपये सालाना के जॉब ऑफर को ठुकरा दिया था। विनीता ने सिर्फ 23 वर्ष की उम्र में एक करोड़ रुपये का प्लेसमेंट ऑफर ठुकरा दिया और अपनी खुद की कंपनी शुरू की। विनीता आईआईटी और आईआईएम से पढ़ी हैं। कारोबार की राह पर चलने का उनका सफर बेहद मुश्किल था। विनीता के सामने भी वे तमाम समस्याएं आईं जो किसी उद्यमी के सामने आती हैं। लेकिन, वह हर मुश्किल को पार करती गईं। आज उनकी कंपनी का कारोबार 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का है। बचपन से वह पढ़ाई-लिखाई में बेहद अच्छी थीं। उनका जन्म 1983 में गुजरात के आणंद जिले में हुआ। मां पीएचडी। पिता एम्स में बायोफिजिस्ट। शुरुआती पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल आरके पुरम से हुई। विनीता आईआईटी और आईआईएम से पढ़ी हैं। सिर्फ 23 साल की उम्र में उन्हें इनवेस्टमेंट बैंक में एक करोड़ रुपये की जॉब ऑफर हो रही थी। लेकिन, उन्होंने इसे ठुकराकर अपना कारोबार करने का फैसला किया। विनीता ने साल 2007 में उन्होंने अपना पहला स्टार्टअप क्वेंट्ज़ल शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने 2015 में दूसरा स्टार्टअप शुरू किया। विनीता ने अपने पति कौशिक मुखर्जी के साथ मिलकर साल 2015 में तीसरा स्टार्टअप सुगर कॉस्मेटिक्स शुरू किया था। इस स्टार्टअप में उन्हें अच्छी कामयाबी मिली। आज सुगर कॉस्मेटिक्स का कारोबार 500 करोड़ से ऊपर है। बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह सितंबर 2022 में सुगर कॉस्मटिक्स में निवेश करके इसके ब्रॉन्ड इवेंजलिस्ट बने थे।

भारत की अर्थव्यवस्था का डेलॉयट ने भी माना लोहा , कहा- जारी रहेगी तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। अब देश के लिए एक और अच्छी खबर आई है। वित्तीय परामर्श और ऑडिट सेवा देने वाली कंपनी डेलॉयट इंडिया ने अपनी तिमाही रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा माना है। डेलॉयट इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में भारत की आर्थिक वृद्धि दर मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ चालू वित्त वर्ष (2023-24) में 6.9-7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद जताई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2023-24 में 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो एक साल पहले 7.2 प्रतिशत थी। चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर अनुमान बढ़ने का मुख्य कारण माइनिंग, उत्खनन, मैन्युफैक्चिरिंग और सर्विस सेक्टर के कुछ खंडों का अच्छा प्रदर्शन है।

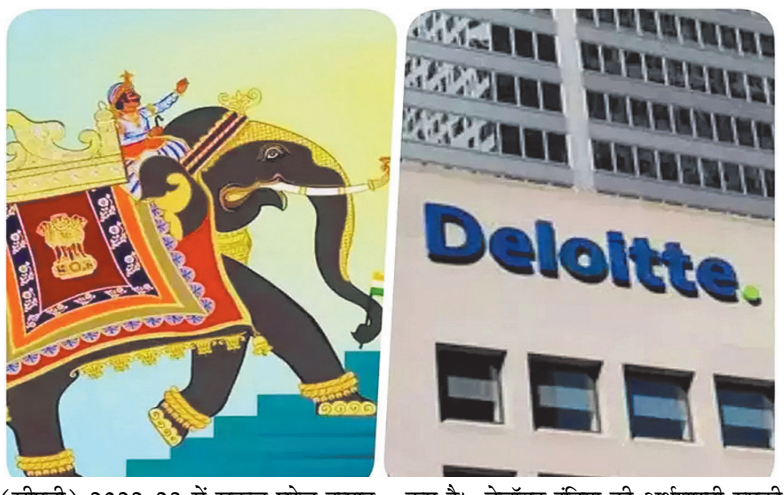

रिपोर्ट में कही ये बात

डेलॉयट इंडिया की हालिया आर्थिक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एक तेज गति बन रही है। इसे आर्थिक बुनियाद में सुधार के रूप में देखा जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत रहा और 2023-24 में इसके और कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, विदेशी मुद्रा भंडार 568 अरब रुपये के अच्छे स्तर पर बना हुआ है, जो 10 महीने से अधिक के आयात जरूरतों को पूरा कर सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत पर है, जो कि भारतीय रिज़र्व बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य के हिसाब से अधिक है। लेकिन एक दशक पहले की तुलना में बहुत कम है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, आर्थिक बुनियाद में सुधार ने हमारी धारणा को मजबूत किया है और हमें उम्मीद है कि हमारे आधारभूत परिदृश्य में भारत की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2023-24 में 6.9 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत से 6.7 प्रतिशत के बीच रहेगी। उन्होंने कहा, ...वैश्विक आर्थिक परिदृश्य मध्यम बना हुआ है। ऐसे में यह भारतीय अर्थव्यवस्था को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने निफ्टी 50 ईटीएफ और निफ्टी बैंक ईटीएफ लॉन्च के साथ अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का किया विस्तार

मुंबई/पुणे, एजेंसी। बजाज फिनसर्व एएमसी ने नए एक्सचेंज फंड की घोषणा की है। बजाज फिनसर्व निफ्टी 50 ईटीएफ और बजाज फिनसर्व निफ्टी बैंक इटीएफ ये दोनों कंपनी के पहले ईटीएफ प्रोडक्टस है, और इनकी शुरुआत एक रणनीतिक कदम है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को निवेश का बेहतर और लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करना है। ये ईटीएफ भारतीय शेयर बाजार में दो प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करते हैं। ये नई स्कीम उन निवेशकों के लिए निवेश का बेहतर विकल्प हैं, जो लॉन्ग टर्म के लिए, निफ्टी 50 इंडेक्स और निफ्टी बैंक इंडेक्स द्वारा कवर की गई सिक्योरिटीज में निवेश करना चाहते हैं, और बाजार के लीडर्स (टॉप परफॉर्म करने वाले स्टॉक) की ग्रोथ की तरह रिटर्न हासिल करना चाहते हैं।

बजाज फिनसर्व निफ्टी 50 ईटीएफ और बजाज फिनसर्व निफ्टी बैंक ईटीएफ को ट्रैकिंग एरर के अधीन निफ्टी 50 और निफ्टी बैंक इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराने के लिए डिजाइन किया गया है। इन इंडेक्स को व्यापक रूप से भारतीय इक्विटी बाजार के बैरोमीटर के रूप में माना जाता है, जिसमें अलग अलग सेक्टर की लार्ज-कैप कंपनियां शामिल हैं। इन इंडेक्स से जुड़े ईटीएफ की पेशकश कर, बजाज फिनसर्व एएमसी का लक्ष्य निवेशकों को एक डाइवर्सिफाइड और पारदर्शी निवेश का विकल्प प्रदान करना है, जो बाजार की गतिविधियों के अनुरूप हो। बजाज फिनसर्व निफ्टी 50 ईटीएफ और निफ्टी बैंक ईटीएफ एक्सचेंज पर अधिकृत भागीदार (एपी) द्वारा प्रदान की गई निरंतर लिक्विडिटी (तरलता) और रियल टाइम नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) या इंडीकेटिव एनएवी (आईएनएवी) को बारीकी से ट्रैक करने जैसे लाभ प्रदान करते हैं। इन फंड के लिए जो बेंचमार्क इंडेक्स हैं, उनमें शामिल सिक्योरिटीज के लिए खरीदारों और विक्रेताओं की बड़ी संख्या होती है, यानी लिक्विडिटी की कोई दिक्कत नहीं है. यानी ये सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) और ब्रोकरेज को ध्यान में रखते हुए बेहतर लिक्विडिटी प्रदान करते हैं। फंड का लक्ष्य बेंचमार्क इंडेक्स के प्रदर्शन की तरह प्रदर्शन करना है, जिसमें बजाज फिनसर्व निफ्टी 50 ईटीएफ निफ्टी 50 इंडेक्स के साथ सरेखित है और बजाज फिनसर्व निफ्टी बैंक ईटीएफ निफ़्टी बैंक इंडेक्स की तरह व्यवहार करता है। इसका उद्देश्य ट्रैकिंग एरर के अधीन, संबंधित इंडेक्स के रिटर्न के आस पास पहुंचना है। बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट के सीईओ गणेश मोहन ने कहा कि हमें अपने पहले 2 ईटीएफ - निफ्टी 50 ईटीएफ और निफ्टी बैंक ईटीएफ की पेशकश करते हुए खुशी हो रही है। निफ्टी 50 ईटीएफ लार्जकैप निवेश विकल्प प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लगातार चढ़ रहा एडीएसएल का शेयर

अयोध्या से जुड़ा है कंपनी का नाम

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी 22 जनवरी को भगवान राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से पहले निवेशक अयोध्या से कनेक्टेड शेयरों पर दांव लगा रहे हैं। मुंबई स्थित कंपनी-एलाइड डिजिटल सर्विसेज (एडीएसएल) का कनेक्शन भी अयोध्या से जुड़ गया है। इस वजह से कंपनी के शेयर पर निवेशक दांव लगा रहे हैं। बता दें कि कंपनी ने अयोध्या स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट जीता है। यह स्मॉलकैप शेयर केवल दो ट्रेडिंग दिन में 37.6 प्रतिशत तक बढ़ गया। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर की क्लोजिंग प्राइस 173.90 रुपये थी। शेयर की कीमत में उछाल एक दिन पहले के मुकाबले 1.76 प्रतिशत है। हालांकि, ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 14.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 196.05 रुपये तक पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। इस माइक्रोकैप कंपनी का बाजार पूंजीकरण भी शुक्रवार को 1,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। शेयर का 52 वीक लो 71.50 रुपये है। शेयर की यह कीमत 28 मार्च 2023 को थी। एलाइड डिजिटल सर्विसेज ने गुरुवार को घोषणा की कि उसे अयोध्या स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए मौजूदा आईटीएमएस नियंत्रण कक्ष के साथ सीसीटीवी निगरानी के इंटीग्रेशन के लिए मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर (एमएसआई) के रूप में चुना गया है। इसके तहत नए

कैमरे इंस्टॉल करने, मौजूदा सीसीटीवी निगरानी कैमरे को एक सिस्टम नेटवर्क में लाने समेत अन्य काम किया जाएगा। बता दें कि अयोध्या से जुड़े शेयर इन दिनों फोकस में हैं। इसमें अपोलो सिन्दूरी होटल्स, प्रवेग, जेनेसिस इंटरनेशनल, इंडियन होटल्स, आईआरसीटीसी, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं। स्पाइसजेट का बड़ा ऐलान- स्पाइसजेट एयरलाइन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने वाले लोगों के लिए 21 जनवरी को दिल्ली से अयोध्या के बीच एक विशेष उड़ान संचालित करेगी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को की जाएगी। अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर को प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

टाटा का बड़ा दांव ! चिंग्स नूडल्स बेचने वाली कंपनी खरीदने की तैयारी, 5100 करोड़ रुपये में फाइनल हुई डील

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप के पास दो और कंपनियां आने वाली हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड यानी टीसीपीएल ने चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड की मूल कंपनी कैपिटल फूड्स की 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। कैपिटल फूड्स दो ब्रांड के चिंग्स सिक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स के तहत अपने फूड बेचती है। चिंग्स सिक्रेट के तहत कंपनी हक्का नूड्ल्स, सेजवान चटनी, फ्लेवर्ड इंस्टेंट नूडल्स और चिली विनेगर बेचती है। वहीं, स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड के तहत अदरक लहसुन पेस्ट, पास्ता मसाला, पेरी पेरी मसाला, सोया वडी न्यूट्री मसाला, मटर पनीर मसाला और शाही पनीर मसाला बेचता है।

ग्रीन टी सहित कई प्रोडक्ट बेच रही कंपनी

इस अधिग्रहण से हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट का एक प्लेटफॉर्म तैयार होगा। इससे चाय, हर्बल सप्लिमेंट और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों सहित जैविक प्रोडक्ट्स के उत्पादन का रास्ता साफ होगा। टाटा ग्रुप की एफएमसीजी कंपनी टीसीपीएल ने बयान में कहा कि वह फेज्ड मैनर से 5,100 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर कैपिटल फूड्स में 100 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। ऑर्गेनिक इंडिया इस समय मार्केट में ग्रीन टी समेत कई अन्य तरह के प्रोडक्ट बेच रही है। इस कंपनी में फिलहाल फैब इंडिया ने भी निवेश किया हुआ है। बयान के मुताबिक, कंपनी टार्गेट कंपनी की 75 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने पर सहमत हो गई है। टार्गेट कंपनी की बाकी 25 प्रतिशत हिस्सेदारी तीन साल के भीतर ली जाएगी। इसके अलावा, टीसीपीएल 1,900 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर ऑर्गेनिक इंडिया में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का भी अधिग्रहण करेगी। टीसीपीएल ने बयान में कहा, यह कदम तेजी से बढ़ती/हाई मार्जिन वाली कैटेगरी में अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और टार्गेट मार्केट का विस्तार करने के टाटा कंज्यूमर के रणनीतिक इरादे के अनुरूप है। ऑर्गेनिक खाद्य एवं पेय उत्पाद बनाने वाली कैपिटल फूड के अधिग्रहण से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने और अपना पेंट्री प्लेटफॉर्म मजबूत करने में मदद मिलेगी।

'वैक्यूम स्टील' बोतलों के घरेलू निर्माताओं ने सरकार से चीन से आयात पर रोक लगाने का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया स्टील बॉटल एसोसिएशन (एआईएसबीए) ने सरकार से भारत में घटिया और सस्ते स्टील 'वैक्यूम फ्लास्क' के आयात को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है।

उद्योग निकाय ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चीन और अन्य देशों से वैक्यूम स्टील की बोतलों का आयात बढ़ रहा है। देश में 2019-20 से 2022-23 तक उत्पाद के आयात में 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

एआईएसबीए के कोषाध्यक्ष भरत अग्रवाल ने सरकार को बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) के आदेश के तहत आयात छूट का विस्तार नहीं करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आदेशानुसार '' 14 जनवरी आखिरी

तारीख है जब आयात किए जाने वाले उत्पादों को बीआईएस द्वारा अनुमोदित किया जाना है।'' उन्होंने कहा कि उत्पाद बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए सरकार को स्थानीय निर्माताओं के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं को देखते हुए छूट नहीं बढ़ानी चाहिए, जिन्होंने (स्थानीय निर्माताओं) भारतीय बाजार में लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अग्रवाल ने कहा, '' हम अपनी वास्तविक विनिर्माण लागत से कम कीमत पर भारत में आने वाले आयात की चुनौतियों के कारण अपनी 100 प्रतिशत क्षमता का इस्तेमाल करने में भी असमर्थ हैं। हमारे पास प्रति दिन 1,90,000 इकाई की स्थापित क्षमता है और हम प्रति दिन 38,000 इकाई का उत्पादन करते हैं, जो निर्धारित क्षमता का 20 प्रतिशत है।'' उद्योग निकाय के अनुसार, सरकारी हस्तक्षेप से घरेलू कंपनियों को सालाना आधार पर अपनी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी और छह महीने के भीतर रोजगार के 25,000 अवसर उत्पन्न होंगे। वर्तमान में उद्योग करीब 9,500 लोगों को रोजगार देता है। उन्होंने कहा, '' हम कनाडा, रूस जैसे ठंडे इलाकों और ब्राजील जैसे गर्म स्थानों वाले अपतटीय बाजारों की भी पहचान कर रहे हैं।

यूनिहेल्थ और भारतीय सर्जनों के बीच नाइजीरिया में ऑथोपैडिक एवं स्पाइन हेल्थकेयर क्षेत्र का परिदृश्य करने के लिए सहयोग

मुंबई, एजेंसी। एक वैश्विक हेल्थकेयर प्रदाता, यूनिहेल्थ कंसल्टेंसी लिमिटेड (एनएसई -यूनिहेल्थ) भारत के विख्यात ऑर्थोपेडिक और स्पाइन सर्जनों के सहयोग से नाइजीरिया में हेल्थकेयर क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए सुसज्ज है. इस पहल का उद्देश्य कानो, नाइजीरिया में कंपनी के टेरिटरी केयर हॉस्पिटल, यूएमसी जहिर हॉस्पिटल में आम जनता को अत्याधुनिक मेडिकल एक्सपर्टीज प्रदान कर विश्व स्तरीय सर्जिकल इंटरवेंशन प्रदान करना है. यह सहयोग विभिन्न समुदाय की ज़रूरतें पूरी करने के लिए भौगोलिक सीमाओं को पार कर यूनिहेल्थ की हेल्थकेयर सॉल्यूशंस की दिशा में आगे बढ़ने की वैश्विक प्रतिबद्धता पर रोशनी डालता है. आगामी सर्जिकल और ओपीडी कैम्प स्पाइन और ऑर्थोपेडिक्स में उच्च स्तरीय विशिष्ट देखभाल प्रदान करने की संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है. इस क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ, डॉ. रोहन गाला और डॉ. गौरव कनाडे यूएमसी जहिर हॉस्पिटल, नाइजीरिया में सहयोगात्मक सर्जिकल कैम्प के बारे में उत्साहित है. ये कैम्प नाइजीरिया में मरीज के लिए कुशल मेडिकल टीम द्वारा व्यक्तिगत परामर्श, अत्याधुनिक उपचार और पोस्ट-ऑपरेटिव केयर ऑफर करते हुए स्पाइन और ऑर्थोपेडिक स्थिति के लिए अत्यावश्यक इंटरवेशंस सुलभ बनाएंगी. यूएमसी जहीर हॉस्पिटल अपने अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और भारत और नाइजीरिया की हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की समर्पित टीम के साथ, जनवरी 2024 की शुरुआत में सर्जिकल कैंप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है. उत्कृष्टता के लिए हॉस्पिटल की प्रतिबद्धता असीम रूप से यूनिहेल्थ के मिशन के अनुरूप है. यह सहयोगात्मक प्रयास नाइजीरिया के हेल्थकेयर क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालते हुए स्पाइन और ऑर्थोपेडिक देखभाल के मानकों को ऊपर ले जाने के लिए सुसज्ज है.

इस साल मसूर का रिकार्ड उत्पादन होने वाला है

दुनिया में दालों के सबसे बड़े कंज्यूमर भारत में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया में दालों का जितना कंजप्शन है, उसकी आधी दाल अकेले भारतीय चट कर जाते हैं। हालांकि दलहनी फसलों का इतना प्रोडक्शन है नहीं। तभी तो कैलेंडर ईयर 2023 में 29 लाख टन मसूर, अरहर और उड़द का आयात करना पड़ा। पिछले साल के मुकाबले आयात में यह करीब 40 फीसदी की बढ़ोतरी है। हालांकि सरकार दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस योजना लागू नहीं कर रही है। तब भी देश के किसानों ने हौंसला दिखाया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह का कहना है कि इस साल भारत में मसूर का उत्पादन रिकार्ड होने वाला है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने शुक्रवार को यहां बताया कि भारत विश्व में मसूर दाल का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर है। फसल वर्ष 2023-24 में मसूर का उत्पादन बढ़कर करीब 16 लाख टन होने का अनुमान है। अगर यह अनुमान सही साबित होता है तो 2023-24 में भारत का मसूर

उत्पादन 2017-18 के बाद सर्वाधिक होगा। वर्ष 2017-18 में मसूर का घरेलू उत्पादन करीब 16.2 लाख टन था। सिंह ने कहा, 'विश्वास है कि हमारा इस साल विश्व में मसूर उत्पादन सर्वाधिक होगा।' सिंह ने फरवरी में भारत में आयोजित की जाने वाले वैश्विक दाल संगोष्ठी (जीपीसी) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मंत्रालय के कुछ अन्य अधिकारियों ने बताया कि मसूर के न्यूनतम समर्थन मूल्य में अधिक इजाफा किया गया है। वर्ष 2020-21 में मसूर का समर्थन मूल्य 5100 रुपये प्रति क्विंटल था। इसे 2024-25 (विपणन वर्ष) के लिए 26 प्रतिशत बढ़ाकर 6425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया। इससे किसानों की रुचि मसूर की खेती में फिर से बढ़ी। अभी मसूर का मार्केट मूल्य करीब 6100 से 6125 रुपये प्रति क्विंटल है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम है। हालांकि कुछ महीने पहले मसूर का मूल्य 7500-8000 रुपये प्रति क्विंटल था। इससे भी किसान मसूर की फसल लगाने के लिए प्रेरित हुए होंगे।

मसूर का रकबा बढ़ा है

इस साल 5 जनवरी तक मसूर की फसल 19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगाई गई थी। यह बीते साल की तुलना में 4.40 प्रतिशत अधिक थी। कारोबार के सूत्रों के अनुसार कनाडा ने शुरुआती दौर में करीब 16.7 लाख टन उत्पादन का अनुमान जताया था। लिहाजा कनाडा ने भारत से अधिक उत्पादन का अनुमान जताया था। लेकिन बाद में कनाडा ने अनुमान 30 प्रतिशत घटा दिया था। इससे भारत पहले स्थान पर आ गया। वैश्विक बाजार में ऑस्ट्रेलिया भी प्रमुख उत्पादक देश है। वर्ष 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया का मसूर उत्पादन 14 लाख टन होने का अनुमान है। कनाडा से हाल में राजनयिक विवाद के दौरान भारत के लिए मसूर प्रमुख दाल बनकर उभरी।

पिछले साल कितना बढ़ा आयात

दलहनी जिंस में देखें तो सिर्फ तीन कमोडिटी- मसूर, अरहर और उड़द का पिछले साल 39.70 फीसदी आयात बढ़ा है। कैलेंडर ईयर 2022 के दौरान इन तीनों कमोडिटी का आयात करीब 20 लाख टन रहा था। बीते 2023 में जनवरी से दिसंबर के दौरान इन तीन कमोडिटी का आयात बढ़ कर 29 लाख टन तक पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि अगले कुछ महीने बाद ही देश में आम चुनाव होने वाला है।

आईआईएम संबलपुर ने ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के एक्जीक्यूटिव्स के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया

संबलपुर एजेंसी। देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम संबलपुर ने ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (ओयूएटी), भुवनेश्वर के एक्जीक्यूटिव्स के लिए अपने कैम्पस में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया। इस प्रोग्राम का आयोजन दो अलग-अलग बैचों में किया गया, जिनमें 36 मिड-कॅरियर फैकल्टी सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कृषि क्षेत्र से संबंधित प्रबंधन शिक्षा की दुनिया में लगातार आने वाले परिवर्तनों पर विचार-विमर्श किया गया और फैकल्टी सदस्यों के पेशेवर विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आईआईएम संबलपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर महादेव जायसवाल ने इस अवसर पर कहा, ''फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का प्राथमिक उद्देश्य ओडिशा कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के पेशेवर विकास को तेज करना और उन्हें एक नई पहचान प्रदान करना है।

यह प्रोग्राम प्रबंधन के सामान्य बुनियादी सिद्धांतों के बारे में गहराई से प्रशिक्षण प्रदान करता है। साथ ही, नवीन शैक्षणिक तकनीक, रिसर्च से संबंधित अत्याधुनिक पद्धतियों और विशिष्ट डोमेन के भीतर एडवांस किस्म के विषयों पर गहरी जानकारी प्रदान करता है। प्रोफेसर महादेव जायसवाल ने आगे कहा, ''यह वर्तमान दौर की मांग है कि प्रत्येक संगठन ऐसे प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर ध्यान दे, जो शिक्षा के व्यावहारिक मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित हो। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी इसी आधार पर तैयार किया गया है। साथ ही इसमें डिजिटल टैक्नोलॉजी पर फोकस करते हुए इससे संबंधित नया विजन भी प्रस्तुत किया गया है। पूरे प्रोग्राम को अलग-अलग विषयों में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें केस स्टडीज, समूह चर्चा, सहयोगात्मक गतिविधियों का आयोजन और एक दूसरे के अनुभव से हासिल ज्ञान का आदान-प्रदान शामिल है।''

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देखेंगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट हैं। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

- इसमें जल भरकर निम्न मन्त्र का जाप करके इस जल को पीने से हृदय और श्वाससंबधित रोगों से मुक्ति मिलती है
  ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः
- अगर आपकी जन्मकुंडली में सूर्य नीच का है या सूर्य खराब फल प्रदान कर रहा है तो प्रत्येक रविवार दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर सूर्य को अर्ध्य दें।
- दक्षिणावर्ती शंख हर घर में अवश्य होना चाहिए इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूर्ण नहीं होती।

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाईं ओर होता है तथा ये बाईं ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, आफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ौतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शांति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक उर्जा समाप्त होती है।

108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत- ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है।

मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुत- माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं।

माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरूष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरूष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरूषों के साथ हुआ था। पांच पुरूषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरूषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की।

लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरूषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरूषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया।

द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रूपया गिनते समय खूक लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में उर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए।

भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूठन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती हैं। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटकर कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

इस समय कंघी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंघी कर लें, लेकिन शाम ढ़लने के बाद कंघी नहीं करें। रात में कंघी करना और सोते समय इत्र लगाना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।

भीड़ में मारे गए दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों के परिजनों को मिली पांच लाख की मदद

पालघर । महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने भीड़ में मारे गए दो साधुओं सहित तीन लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की मदद की है। गौरतलब है कि ये लोग 2020 में पालघर जिले में भीड़ के हाथों मारे गए थे। इनमें दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक सौंपे हैं। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने यहां विरार में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान ये चेक सौंपे। घटना के अनुसार साधु कल्पवृक्ष गिरि महाराज (70), सुशील गिरि महाराज (35) और उनके चालक नीलेश तेलगड़े (30) की भीड़ ने उस वक्त हत्या कर दी थी, जब उनका वाहन उस वर्ष 16 अप्रैल की देर रात कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान गडचिंचले गांव से गुजर रहा था। इस मामले में, 500 लोगों की भीड़ में शामिल उनमें से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनपर मुकदमा चल रहा है। सीएम शिंदे ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पीड़ितों के परिजनों से मिलने की कभी कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना ने पीड़ितों के परिजनों को अपने कोष से सहायता राशि दी है, ताकि उनके परिजनों को सहायता मिल सके।

किन्नरों ने दिया ऑफर, 22 जनवरी को जन्मे बच्चों का नहीं लेंगे नेंग

बरेली । किन्नर समुदाय ने अयोध्या में भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नेंग नहीं लेने का ऐलान किया है। बरेली के किन्नर समुदाय ने कहा कि 22 जनवरी को पैदा होने वाले बच्चों के घरों में वे बधाई गाने तो जाएंगे लेकिन नेग नहीं मांगेंगे। इधर हर वर्ष पांच गरीब बच्चों की स्कूल की फीस अदा करने वाली किन्नर शारदा ने बताया कि वह अपने क्षेत्र में यजमानों के घर-घर जाकर पांच-पांच दीपक पहुंचा रहे हैं, ताकि 22 जनवरी को अपने घरों में दीपक जलाएं। उन्होंने कहा कि हम बड़े भाग्यशाली हैं कि अपने जीवन में राम मंदिर के दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को जिस परिवार में संतान होने पर हम बधाई गाने जाएंगे, वहां नेग नहीं मानेंगे जो मिल जाएगा खुशी-खुशी ले लेंगे और नहीं भी मिला तो आशीर्वाद देकर के लौट आएंगे। किन्नर शारदा ने कहा कि जब प्रभु श्रीराम वनवास जा रहे थे तो अवध के हर नर नारी के साथ-साथ किन्नर भी उनके पीछे-पीछे जाने लगे तो प्रभु के निवेदन पर सभी अयोध्या लौट आये लेकिन किन्नर नहीं लौटे। तमसा नदी के पास 14 वर्ष तक प्रभु राम का गुणगान और उनकी पूजा-अर्चना की। वनवास के बाद जब श्रीराम लौटे तो वह उनके प्रति समर्पण भाव देख प्रसन्न हुए और तभी उन्होंने वरदान दिया कि संतान होने पर किन्नर घर-घर बधाई गाकर बच्चों को आशीर्वाद देंगे तो खुशहाली बनी रहेगी। यही वजह है कि आज हम प्रभु श्रीराम की कृपा से घर-घर जाकर पैदा होने वाले बच्चे को आशीर्वाद देते हैं।

पहली बार खुला सांवलिया सेठ का भेंट पात्र, निकला करोड़ों का खजाना

चित्तौड़गढ़ । मेवाड़ के कृष्ण धाम चित्तौड़गढ़ के श्री सांवलिया मं?दिर के दानपात्र को पहली बार खोला गया। जिसमें करोड़ों का खजाना निकला है। जानकारी के अनुसार यहां प्रतिमाह अमावस्या के एक दिन पूर्व खुलने वाले दान पात्र में करोड़ों की राशि के चढ़ावे के साथ ही सोने और चांदी के आभूषण सहित डॉलर भी दानपात्र में निकल रहे हैं। वर्ष 2024 के पहले माह में हुई गणना में ही सांवरिया सेठ के भंडारे में करोड़ों रुपये निकले हैं। बताया जा रहा है कि अभी तक केवल तीन राउंड की गिनती हुई है। इसमें साढ़े दस करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि मिल चुकी है। सांवलिया सेठ के भंडारे की गिनती अभी जारी है। अभी सोने और चांदी के जेवरों का तौल नहीं हुआ है। फिलहाल तो रुपयों की गिनती पूरी की जाएगी इसके बाद जेवर का तौल होगा। साल के पहले माह में अमावस्या के एक दिन पूर्व बुधवार से शुरू हुई दानपात्र की गणना में अब तक कुल 10 करोड़ 63 लाख 97 हजार 71 रुपए की राशि की गणना पूरी हो चुकी है। शेष राशि की गणना जारी है। मंडफिया स्थित मेवाड़ के कृष्णधाम श्री सांवलिया सेठ के मं?दिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां आने वाले सभी श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार सांवरिया सेठ को चढ़ावा चढ़ाते हैं। यहां पर हर महीने की अमावस्या से पहले कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को भंडारा खोला जाता है।

भाजपा और आरएसएस के बुलावे पर नहीं राम के बुलावे पर अयोध्या जाएंगें : हरीश रावत

देहरादून । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि वह 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं। रावत ने कहा, राम हमारी आस्था, हमारे सब कुछ हैं। सनातन परंपरा के अनुसार जब भी भगवान हमें बुलाएंगे, हम जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के निमंत्रण पर कोई क्यों जाएगा? इन संगठनों ने पूरे कार्यक्रम का भगवाकरण किया है। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भाजपा या आरएसएस के कार्यक्रम के रूप में पेश नहीं किया जाना चाहिए, जैसा कि किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि शंकराचार्यों ने भी आयोजन के तरीके पर आपत्ति जाहिर की है।

बृजभूषण शरण के करीबी संजय सिंह को जान से मरने की धमकी

वाराणसी। यूपी की कैसरगंज सीट से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके करीबी भारतीय कुश्ती संघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह को फोन कर जान से मारने की धमकी मिली हैं। संजय ने भेलूपुर थाने में मोबाइल नंबर के आधार पर केस दर्ज कराया है। बताया कि शुक्रवार रात में दो बार फोन आया, इसके बाद शनिवार दोपहर में भी फोन कर धमकी दी। संजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे अनजान नंबर से फोन आया। उन्होंने रिसीव नहीं किया। करीब डेढ़ घंटे बाद फिर उसी नंबर से फोन आया। फोन रिसीव करने पर धमकी देने वाला उल्टी सीधी बात करने लगा। लगा कि किसी ने शरारत की है। फिर शनिवार दोपहर में उसी नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने उन्हें और बृजभूषण शरण सिंह को गोली से मारने, बम से उड़ाने की बात करने लगा। गाली गलौज करने पर संजय ने फोन काट दिया। फिर फोन कर धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद छह बार फोन किया लेकिन संजय सिंह ने रिसीव नहीं किया। इसके बाद अपने लोगों को जानकारी देने के बाद भेलूपुर पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने कहा कि आरोपी की शिनाख्त कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस की जांच में मोबाइल नंबर लखनऊ के करन राजपूत के नाम से मिला है।

हाई कोर्ट ने कहा- 12 साल के बच्चे का कोई काम अपराध नहीं

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द की पासपोर्ट में गलत जन्म तिथि पर दर्ज एफआईआर

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने पासपोर्ट में गलत जन्म तारीख दर्ज कराने की वजह से आपराधिक मामला झेल रही युवती को राहत प्रदान कर दी है। हाई कोर्ट ने कहा है कि 7 से 12 साल के बच्चे द्वारा किया गया कोई भी कार्य अपराध की श्रेणी में नहीं आता है, क्योंकि इस उम्र में बच्चे में कोई समझ नहीं होती। आईपीसी की धारा 83 में यह स्पष्ट किया गया है। मामले से जुड़ी युवती ने 2002 में जब पासपोर्ट के लिए पहली अर्जी दी थी, उस समय उसकी उम्र 12 साल से कम थी। सरकारी वकील ने रिकार्ड में ऐसी कोई सामग्री नहीं पेश की है, जो यह ज्ञात कराए कि तत्कालीन समय में युवती ने खुद के कार्य को लेकर पर्याप्त परिपक्वता हासिल कर ली थी। युवती ने गलत जन्म तारीख से जुड़े पासपोर्ट का इस्तेमाल नहीं किया है। प्रथम दृष्टया आरोपी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है, ऐसे में युवती के खिलाफ 13 साल पहले दर्ज एफआईआर को जारी रखना पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस श्याम चंडक की बेंच ने यह मत व्यक्त करते युवती के खिलाफ वरली पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। गौरतलब है ?कि 2016 में युवती ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। तब कोर्ट ने उसे अंतरिम राहत दी थी। युवती के मुताबिक, ट्रैवल एजेंट ने पहली बार उसके पासपोर्ट के लिए अर्जी दी थी। तब पासपोर्ट में उसकी जन्म तारीख 22 अप्रैल 1991 दर्ज हुई थी। पहले पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने के बाद युवती ने जनवरी 2009 में नए पासपोर्ट के लिए अर्जी दी। इसमें जन्म तारीख 22 दिसंबर 1990 दर्ज कराई। यह युवती की असली जन्म तारीख थी। मगर पासपोर्ट कार्यालय ने केस की पड़ताल करने के बाद युवती को नोटिस जारी किया और एफआईआर दर्ज कराई।

सपा विधायकों की अखिलेश को दो टूक... स्वामी प्रसाद मौर्य की जुबान पर लगाम लगाए

-मौर्य के हिंदु विरोधी बयान से सपा नेता नाखुश

लखनऊ (एजेंसी)। हिंदू धर्म पर लगातार विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर पार्टी में घमासान मचा हुआ है। पिछले हफ्ते, पार्टी की बैठक में विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के सामने मुद्दा उठाया था और बाद में उन्हें आश्वासन दिया गया कि स्वामी प्रसाद मौर्य को धार्मिक मुद्दों पर टिप्पणी करने से परहेज करने के लिए कहा गया है।

हालांकि, अगले दिन, मौर्य ने कार सेवकों पर टिप्पणी करते हुए उन्हें असामाजिक तत्व करार दिया। सपा के वरिष्ठ विधायक राकेश प्रताप सिंह और समरपाल सिंह ने अब पार्टी नेतृत्व से मौर्य के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, सिंह पिछले हफ्ते पूजा-अर्चना के लिए अयोध्या गए थे और ट्रस्ट के पदाधिकारी चंपत राय से मुलाकात की थी। ब्राह्मण समुदाय के एक अन्य सपा विधायक ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है, कि मौर्य कुछ निहित स्वार्थों के इशारे पर काम कर रहे हैं, जो आगामी लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। जब वह योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री थे, तब उन्होंने इन मुद्दों पर कभी एक शब्द भी नहीं बोला।

विधायक ने कहा कि मौर्य के व्यवहार पर अखिलेश की चुप्पी एक बड़ी परेशानी है और स्वाभिमानी हिंदू चाहते हैं कि पार्टी नेतृत्व इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण दे। दिलचस्प बात यह है कि मौर्य को अभी तक अपने बयानों के लिए सपा के भीतर ओबीसी नेताओं से कोई समर्थन नहीं मिला है और यहां तक कि बहुजन समाज पार्टी के उनके पूर्व सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है। हिंदुओं के खिलाफ मौर्य के रुख का इस्तेमाल बीजेपी समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए कर रही है।

उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्य वहीं बोल रहे हैं, जो अखिलेश उनसे कह रहे हैं। अगर मौर्य खुद ही ये बयान दे रहे हैं, तब अखिलेश को उन्हें पार्टी महासचिव के पद से हटाने से कौन रोक रहा है? मौर्य की टिप्पणी से कांग्रेस भी नाराज है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब राम मंदिर का द्वार खुलने को तैयार है। कोई भी हिंदू विरोधी नहीं दिखना चाहता और मौर्य की तीखी टिप्पणी से गलत संदेश जाना तय है। अखिलेश को इस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाना चाहिए, क्योंकि उनके मतदाता भी हिंदू हैं।

पीएम मोदी ने जनसेवा और राष्ट्र विकास को ही सर्वोपरि रखा : बिप्लव देव

चंडीगढ़। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद बिप्लव देव ने राई विधानसभा के गांव नांगल खुर्द में विकसित भारत संकल्प यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के हर नागरिक को विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका तय करनी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की गारंटी गाड़ी से आम जनमानस को जनकल्याण की गारंटी मिल रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऐसी पहली सरकार है जो घर-घर जाकर लोगों की मांगों को पूर्ण करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। देब ने कहा कि मोदी की गारंटी गाड़ी को गांव-गांव और नगर-नगर का दौरा करते हुए 52 दिनों से अधिक समय व्यतीत हो चुका है। अब लोगों को गारंटी की गाड़ी की प्रतीक्षा रहने लगी है, जिससे उनकी समस्याओं का निदान मौके पर ही मिलता है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रयासों को मजबूती देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। देब ने कहा कि प्रदेश सरकार की व्यवस्था और जागरूक कार्यक्रम सराहनीय हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 25 जनवरी को यात्रा के समापन अवसर तक उन लोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा जो किसी कारणवश छूट गए हैं। इस यात्रा का उद्देश्य जन-जन को योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने कहा कि यह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है, अपितु यह व्यवस्था प्रधानमंत्री ने बनाई है, जिससे लोगों को अपने काम के लिए सरकारी कार्यालयों में जाने की जरूरत नहीं है।

74 फीसदी मुसलमान राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं : मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

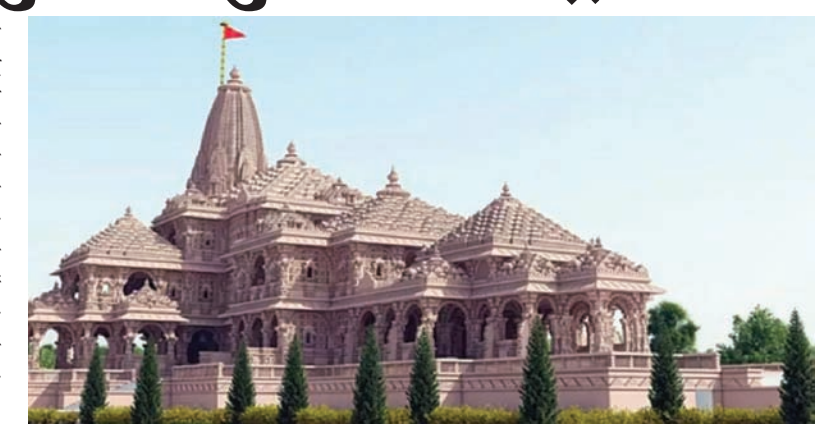

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दावा किया है कि देश के 74 फीसदी मुसलमान राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं। गौरतलब है कि 22 जनवरी को भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने शनिवार को दावा किया कि देश के अधिकतर मुसलमानों का मानना है कि भगवान राम सभी के हैं और उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में अपनी राय दी है। गुजरात के एक धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से किए गए सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला देते हुए एमआरएम ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य चाहते हैं कि तथाकथित उलेमा, मौलाना और विपक्षी नेता जो इस्लाम के नाम पर राजनीतिक करने की कोशिश कर रहे हैं, उनका पूर्ण बहिष्कार किया जाना चाहिए। बताया जा रहा है कि आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार के नेतृत्व वाले एमआरएम ने सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश के 74 प्रतिशत मुस्लिम अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं।

एक बयान में एमआरएम ने कहा कि सर्वेक्षण में 74 फीसदी मुसलमानों ने राम मंदिर के पक्ष में और 72 फीसदी मुसलमानों ने मोदी सरकार के पक्ष में खुलकर अपनी राय दी। इसमें दावा किया गया कि 26 प्रतिशत मुसलमानों ने मोदी सरकार पर कोई भरोसा नहीं जताया और धार्मिक कट्टरता के आरोप लगाए। रिपोर्ट में कहा कि इन लोगों ने माना कि राम आस्था का सवाल हैं लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वे कभी राम मंदिर जाएंगे और न ही उन्हें मोदी सरकार पर भरोसा है। संगठन ने कहा कि 'आयुर्वेद फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'राम जन सर्वेक्षण के तहत दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में 10,000 लोगों के बीच पहुंचकर बातचीत की गई थी।

नायडू और पवन कल्याण ने रेड्डी सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, वाईएसआरसीपी की उल्टी गिनती शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरावती (ईएमएस)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पूर्व सीएम ने जन सेना पार्टी (जेएसपी) नेता और अभिनेता पवन कल्याण के साथ अमरावती के मंडदम में भोगी समारोह में हिस्सा लिया। दोनों नेताओं ने वाईएसआरसीपी सरकार के जनविरोधी नीतियों को भोगी अग्नि में जलाया। टीडीपी और जेएसपी ने आगामी लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा की है। दोनों दल भोगी मनाने के लिए एक साथ आए, जो तीन दिवसीय संक्रांति उत्सव की शुरुआत है। समारोह का आयोजन तेलुगु जातीकी स्वर्ण युगम-संक्रांति संकल्पम (तेलुगु लोगों के लिए स्वर्ण युग के लिए संक्रांति प्रतिज्ञा) के नारे के साथ संयुक्त रूप से किया गया। नायडू ने कहा कि रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री नायडू ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान वाईएसआरसीपी के अक्षम और विनाशकारी शासन के कारण लोगों को बहुत परेशानी हुई है। उन्होंने कहा, इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और राज्य के अच्छे दिन आने वाले हैं। नायडू ने आरोप लगाया कि जगन मोहन सरकार ने अमरावती के किसानों के लिए बहुत सारी समस्याएं पैदा कीं और पिछले पांच साल उनके लिए काला समय था। उन्होंने कहा कि अमरावती देवताओं की राजधानी है। वह शैतानों के हाथों में चली गई है। टीडीपी प्रमुख ने लोगों से धर्म, जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर आंध्र प्रदेश को वाईएसआरसीपी से मुक्त कराने के एकमात्र उद्देश्य के साथ अगले 87 दिनों तक काम करने की अपील की।

गुरू संत रविदास मंदिर में झाड़ू लगाकर नडडा ने किया स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान का आरंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को दिल्ली के गुरू संत रविदास के ऐतिहासिक मंदिर में झाड़ू लगाकर और सफाई कर पार्टी के स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। इस दौरान नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पार्टी ने तय किया है कि मकर संक्रांति के दिन 14 से 22 जनवरी तक हम (पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता) हरेक तीर्थस्थल और मंदिर के सफाई अभियान में शामिल होकर वहां भजन-कीर्तन भी करने वाले हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जाने वाले अभियान की जानकारी देकर नड्डा ने कहा कि 22 जनवरी को हम सभी अपने-अपने घरों में राम ज्योति जलाकर प्रभु श्री राम की आराधना करने वाले हैं।

बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के मुताबिक भाजपा ने देशभर में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक स्वच्छता अभियान चलाने की योजना बनाई है। स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान के कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्र सरकार के सभी मंत्री, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, राज्यों के मंत्री एवं राज्यों के पदाधिकारी सहित पार्टी के सारे जनप्रतिनिधि स्वच्छता अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। देशभर के मंदिर और पूजा स्थल के आसपास के क्षेत्रों में विशेष तौर पर यह अभियान चलाया जाएगा। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता रोजाना औसतन 2 से 3 घंटे तक का समय इसके लिए दे और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करे। प्रधानमंत्री मोदी ने नासिक में ऐतिहासिक कालाराम मंदिर में स्वयं स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने मंदिर में झाड़ू और पोछा लगाकर स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए सभी को प्रेरित भी किया।

देश के अनेक हिस्सों में घने कोहरे के साथ शीत लहर का प्रकोप जारी

-मौसम विभाग ने कई इलाकों में बारिश होने की जताई संभावना

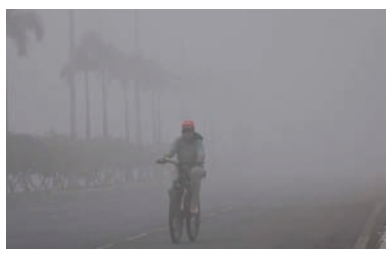

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में इन दिनों घने कोहरे के साथ शीत लहर का प्रकोप जारी है। साथ ही कई इलाकों में बारिश होने की संभावना भी जताई जा रही है। इस समय उत्तर भारत के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप बरकरार है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, आईएमडी ने कहा कि आने वाले दिनों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान के कई हिस्सों में ठंड से अत्यधिक ठंड की स्थिति बरकरार रह सकती है। अगले तीन से चार दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सुबह बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मालूम हो कि दृश्यता जब शून्य से 50 मीटर के बीच हो तो बहुत घना कोहरा, 51 से 200 मीटर के बीच घना कोहरा, 201 से 500 मीटर के बीच मध्यम और 501 से 1,000 मीटर के बीच हल्का कोहरा होता है। हाल की बात करें तो उत्तरी मैदानी इलाकों में शनिवार सुबह से कोहरे की परत छाई है। इससे दृश्यता कम हो गई और यातायात प्रभावित हुआ है।

भारतीय रेल के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण शुक्रवार को दिल्ली आने वाली 23 रेलगाड़ियां प्रभावित हुईं। यहां पर दिल्ली में शीतलहर का प्रकोप जारी है। प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान रहा। राजधानी में अधिकतम तापमान 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी के लोगों को आज भी ठंड से राहत नहीं मिलेगी। बर्फीली हवाओं ने लोगों की कंपकपी और ज्यादा बढ़ा दी है। सर्द हवाएं दिल्ली-एनसीआर के लेकर यूपी के पूर्वांचल तक महसूस की जा रही हैं। यह जरूर है कि दिन में बादल छाए रहने से रात का तापमान कुछ बढ़ जाता है।

इधर राजस्थान, पंजाब, हरियाणा समेत कई इलाकों में तीखी ठंड पड़ रही हैं जहां न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया। अमृतसर में पारा 1.4 और बठिंडा में 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा के नारनौल में 2.2, हिसार में 2.6 और झज्जर में 3.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राजस्थान के माउंड आबू में तो शुक्रवार को न्यूनतम तापमान माइनस 1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसी तरह पंजाब के अलग-अलग इलाकों को लेकर आज कोहरे का रेड अलर्ट जारी है। यहां अगले तीन दिन के लिए कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। जब?कि कुछ हिस्सों मे बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

इसी तरह देहरादून सहित उत्तराखंड के अन्य पहाड़ी इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई जिससे पूरा प्रदेश भीषण ठंड की चपेट में आ गया। मौसम विभाग ने कहा कि प्रदेश में शीतलहर की स्थिति अगले कुछ दिन अभी बनी रहेगी। मौसम विभाग ने 16 जनवरी तक राज्य के हरिद्वार, उधमसिंह नगर, देहरादून, पौड़ी और नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में शीत लहर व घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। वहीं हिमाचल प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय कई भागों में अगले 2 दिनों तक बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना है।

रामोत्सव- 2024: थल, नभ और जल से अभेद्य हुई रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था

- जमीन पर एटीएस, एसटीएफ और पुलिस बल की भारी भरकम फोर्स की गई तैनात

- सीसीटीवी, एआई और नभ में एंटी ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर रखी जा रही है नजर

- सरयू नदी और घाटों पर तैनात की गई एनडीआरएफ की टुकड़ी

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी अयोध्या धाम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अति संवेदनशील हैं। ऐसे में धाम की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए योगी सरकार थल, नभ और जल से रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता कर रही है। इसके तहत मैनुअल एजेंसियों की तैनाती के साथ टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। योगी सरकार ने जहां धाम में एटीएस, एसटीएफ, पीएसी, यूपीएसएसएफ समेत यूपी पुलिस की भारी-भरकम फोर्स को तैनात किया है, वहीं टेक्नोलॉजी के लिहाज से एआई, एंटी ड्रोन, सीसीटीवी कैमरों को लगाया गया है। वहीं सरयू नदी और घाटों पर एनडीआरएफ की टुकड़ी को तैनात किया गया है। इसके साथ ही अयोध्या में मेहमानों की सुरक्षा के लिए बार कोडिंग का इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

फोर्स को दी जा रही बिहेवियर ट्रेनिंग

अयोध्या आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर अयोध्या में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा धाम की सुरक्षा को लेकर इसे दो जोन रेड और यलो में बांटा गया है। केंद्रीय एजेंसी में सीआरपीएफ, एनडीआरएफ भी तैनात की गई है। साथ ही इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ का भी सहयोग लिया जा रहा है। धाम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 100 से अधिक डीएसपी, लगभग 325 इंस्पेक्टर व 800 उपनिरीक्षकों को तैनात किया गया है जबकि मुख्य समारोह से पहले पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 11,000 जवान तैनात किये जाएंगे। वहीं वीआईपी सुरक्षा के लिए तीन डीआईजी, 17 एसपी, 40 एएसपी, 82 डीएसपी, 90 इंस्पेक्टर के साथ एक हजार से ज्यादा कॉस्टेबल और 4 कंपनी पीएसी को तैनात किया गया है। आईजी ने बताया कि कार्यक्रम को देखते हुए और फोर्स को बढ़ाया जा रहा है। वहीं किसी भी स्थिति में चूक की कोई गुंजाइश न रहे इसके लिए सुरक्षा कार्य में लगी सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय हो इस पर भी फोकस किया जा रहा है। चाक-चौबन्द रेल सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। जीआरपी को पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त सुरक्षाबल दिए गए हैं। धाम में तैनात फोर्स को श्रद्धालुओं और मेहमानों के साथ व्यवहार को लेकर बिहेवियर ट्रेनिंग दी जा रही है। साथ ही श्रद्धालुओं को दर्शनीय स्थलों की जानकारी देने के लिए 250 पुलिस गाइड की तैनाती की गई है। इसके अलावा 14 जनवरी को डिजिटल टूरिस्ट एप को लांच किया जाएगा।

अयोध्या धाम को 12 एंटी ड्रोन सिस्टम से किया गया लैस

योगी सरकार धाम की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। इसके तहत नगर निगम के आईटीएमएस, पुलिस के माध्यम से सीसीटीवी, कन्ट्रोल रूम एवं पब्लिक सीसीटीवी के माध्यम से पूरे शहर की निगरानी की जा रही है। इसके लिए पब्लिक सीसीटीवी के 1500 कैमरों को आईटीएमएस से इन्टीग्रेट किया गया है। वहीं यलो जोन में 10,715

स्थानों पर चेहरा पहचान एआई आधारित बडी स्क्रीनें आईटीएसमएस से इन्टीग्रेट की गई हैं। साथ ही ओएफसी लिंक कैमरों की व्यवस्था की गई है। पूरी सुरक्षा व्यवस्था में एआई तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही एंटी ड्रोन सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय मोड पर है। एंटी ड्रोन सिस्टम के माध्यम से अति संवेदनशील अयोध्या के रेड और येलो जोन को सुरक्षित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से 5 किलोमीटर की परिधि में उड़ने वाले किसी भी ड्रोन को लोकेट किया जा सकेगा। यह एंटी ड्रोन सिस्टम इजराइल की कंपनी द्वारा निर्मित विश्व का आधुनिकतम तकनीक वाला है। इसके माध्यम से किसी भी ड्रोन को निष्क्रिय किया जा सकता है। पूरे धाम को 12 एंटी ड्रोन सिस्टम से लैस किया गया है। इसके माध्यम से जल, थल और नभ में चल रही सारी गतिविधियों को देखा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान वीआईपी की सुरक्षा और उन्हे कोई परेशानी न हो, इसके लिए बार कोड का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उत्तर कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण : जापान

टोक्यो । जापान ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवत- एक बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। जापान तटरक्षक बल ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से कहा कि उ.कोरिया ने संभवत- एक बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। हम समुद्री जहाजों और विमानों से स्थिति की निगरानी करने और नवीनतम जानकारी जुटाने का आग्रह करते हैं। यदि उन्हें मिसाइल के हिस्से मिलते हैं, तब उन्हें हाथ नहीं लगायें और समुद्री सुरक्षा सेवा को इस बारे में सूचित करें। तटरक्षक बल ने कहा, मिसाइल शायद पहले ही गिर चुकी है।

कनाडाई मंत्री का बयान, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मौजूदा संख्या चिंता का विषय

ओटावा । देश में घरों के लिए बढ़ते संकट का सामना कर रही कनाडा सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या घटाने पर विचार कर रही है। एक इंटरव्यू में आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने लगभग 9 लाख अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मौजूदा संख्या के बारे में चिंता जाहिर की। मिलर ने कनाडा में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या के बारे में कहा कि यह वास्तव में एक ऐसी प्रणाली है, जो नियंत्रण से बाहर हो गई है। कनाडा पूरी दुनिया से छात्रों में एक लोकप्रिय जगह है, क्योंकि वर्क परमिट हासिल करना अपेक्षाकृत आसान है। कनाडा अपनी इकोनॉमी की बढ़ोतरी और बढ़ती उम्र वाली आबादी को देखते हुए आप्रवासन पर बहुत ज्यादा निर्भर है। हालांकि प्रवासियों और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी को आवास संकट के लिए जिम्मेदार माना जाता है। जिससे घरों की बढ़ती मांग और तेज हो गई है। घरों की बढ़ती संख्या के कारण अप्रवासियों को ढील देने के लिए सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा है। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की एक बड़ी संख्या भारत से है। पिछले साल नवंबर के अंत तक उनकी संख्या कुल विदेशी छात्रों में 37 फीसदी से अधिक थी। भारत कथित तौर पर 2018 से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सबसे बड़ा स्रोत देश रहा है। कनाडा में विशेष रूप से पिछले दो दशकों में सिखों की आबादी की हिस्सेदारी दोगुनी से अधिक बढ़ गई है। बहरहाल आंकड़ों के मुताबिक 2023 की पहली छमाही में 42,000 लोगों ने कनाडा छोड़ दिया। हालिया रिपोर्ट के अनुसार कनाडा छोड़ने वाले अप्रवासियों की दर 2019 में दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

बच्चों के लिए कहर बनकर आया कोरोना से भी खतरनाक वायरस

वॉशिंगटन । इस समय दुनिया कोरोना वायरस के नए वैरिएंट्स से परेशान है, वहीं दूसरी ओर एक खतरनाक वायरस ने दुनिया में टेंशन बढ़ा दी है। मिली जानकारी के अनुसार इंग्लैंड और वेल्स में एक ऐसे वायरस का कहर बरप रहा है जो बच्चों के लिए बड़े खतरे की वजह बन रहा है। डॉक्टरों ने इसे लेकर तत्काल चेतावनी जारी की है। इस खतरनाक वायरस के बढ़ने से वैज्ञानिकों को डर है कि यह बच्चों को लिए सबसे अधिक खतरा पैदा करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह बीमारी खसरा है, डॉक्टरों ने बताया कि परिवार द्वारा अपने बच्चों को एमएमआर टीका देने से इनकार करने के कारण यह पूरे ब्रिटेन में फैल रहा है। यहां के स्वास्थ्य सुरक्षा सलाहकार डॉ नवीद सैयद ने वेस्ट मिडलैंड्स में मामलों में वृद्धि देखने के बाद तगड़ी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि यह वायरस उन रोगियों में तेजी से फैलने की संभावना है जिन्हें कम से कम एक बार भी टीका नहीं लगाया गया है। बता दें कि इंग्लैंड में खसरा के 149 मामले दर्ज किए गए हैं। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, यह जनवरी और सितंबर 2023 का आकड़ा है। यदि इसकी 2022 से तुलना करें तब इसके 54 मामले थे। नए आंकड़े बताते हैं कि एमएमआर टीका 2010-11 के बाद से सबसे कम लगाए गए हैं। केवल 84.5 प्रतिशत बच्चों को ही दोनों टीके मिले हैं। इनमें पांच साल की उम्र तक के बच्चों को दोनों खुराक दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस पर चिंता जाहिर करते हुए तुरंत इलाज कराने की सलाह दी है।

नाबालिगों को जबरियां कराया जाता है प्रेग्नेंट, नाइजीरिया में धड़ल्ले से हो रही है बेबी फार्मिंग

लंदन। नाइजीरिया वो देश हैं जो बेबी फार्मिंग यानी बच्चों की खेती के लिए जाना जाता है। इसका आधुनिक नाम से सरोगेसी दिया गया है। सरोगेसी का सीधा मतलब देखे तो इसे किराए की कोख भी कहा जाने लगा है। बस इसी किराएदारी के नाम पर गोरख धंधा हो रहा है। जिसके कारण कई नाबालिग लड़कियों की जिदंगी ही तबाह हो रही है। वजह है कि नाबालिग बच्चियों को किडनैप किया जाता है और उन्हे जबरियां गर्भधारण कराया जाता है। इनकी उम्र 14-17 साल के बीच होती है। बेबी फार्मिंग के नाम से चलने वाला ये घिनौना धंधा आराम से चल रहा है। कम उम्र की लड़कियों को किडनैप करके इस धंधे में उतारा जाता है। उन्हें ज़बरदस्ती प्रेग्नेंट किया जाता है और बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर किया जाता है। इस बिजनेस को बढ़ावा मिलता है उन कपल्स से, जिनकी कोई संतान नहीं हैं। ऐसे में लड़कियों को जबरन सरोगेट मदर बनाकर उनसे बच्चे पैदा कराए जाते हैं और फिर इन्हें ऊंची कीमत पर बेच दिया जाता है। बेबी फार्मिंग का व्यापार अस्पतालों, अनाथालयों और दूसरी जगहों पर चोरी-छिपे चलाया जा रहा है। कई बार तो खुद गरीबी और बदहाली की वजह से लड़कियां और महिलाएं सरोगेट मदर बनने के लिए तैयार हो जाती हैं। ऐसा नहीं है कि इस घिनौने धंधे के बारे में किसी को पता नहीं है। अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में रह चुके बेबी फार्मिंग के तमाम केस सामने आ चुके हैं और मानवाधिकार संस्थाएं इसे खत्म करने के लिए प्रयास भी करती रही हैं लेकिन ये पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। साल 2011 में गार्डियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षाकर्मियों ने एक छापे में 32 प्रेग्नेंट महिलाओं को रिहा कराया था. ये लड़कियां छोटी उम्र में प्रेग्नेंट होने के बाद भी अबॉर्शन नहीं करा सकतीं क्योंकि नाइजीरिया का कानून इसे इज़ाजत नहीं देता। यहां अबॉर्शन को बड़ा अपराध माना जाता है और इस पर 3-7 साल की जेल हो सकती है। माफिया इस तरह पैदा हुए बच्चों को 3-4 रुपये में बेचकर मुनाफा कमाते हैं।

विवाह समारोह के दौरान ढह गई छत...30 घायल

रोम । इटली में टस्कनी क्षेत्र के पिस्तोइया शहर के पास ग्रामीण इलाके में बनी सदियों पुरानी एक इमारत की छत विवाह समारोह के दौरान ढह गई, जिससे 30 लोग घायल हो गए। गवर्नर ने बताया कि छत ढह जाने से 30 लोग घायल हो गए जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि समारोह पहाड़ की एक चोटी पर बने एक रेस्तरां में आयोजित किया जा रहा था, जो 15वीं शताब्दी में कॉन्वेंट (ईसाई धर्म के लोगों का आश्रम) हुआ करता था। गर्वनर ने बताया कि घायलों को इलाके के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं दमकल कर्मियों ने लोगों को मलबे से बाहर निकाला। किसी के लापता होने की जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि छत ढहने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

दक्षिण कोरिया में अब कुत्ते के मांस की बिक्री होगी अवैध

- कुत्ते को मारने और मांस बेचने पर मिलेगी सजा

सियोल। कुत्ते का मांस खाने की सदियों पुरानी प्रथा को दक्षिण कोरिया की संसद ने गैरकानूनी घोषित करने वाले ऐतिहासिक कानून का समर्थन किया है। हालांकि, नए कानून के तहत कुत्ते का मांस खाना गैरकानूनी नहीं होगा। यह विधेयक 2027 से मानव उपभोग के लिए कुत्ते को मारने, प्रजनन, व्यापार और इसके मांस की बिक्री को अवैध बना देगा तथा ऐसे कृत्यों के लिए दो से तीन साल तक की कैद की सजा होगी। कुत्ते के मांस की खपत पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों से देश में मांस उद्योग में काफी कमी आई है। हालांकि, इस पहल को किसानों तथा अन्य लोगों के तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा है। हाल के सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अधिकतर दक्षिण कोरियाई अब कुत्ते का मांस नहीं खाते हैं। कुत्ते के मांस का स्टू, जिसे 卐बोशिनतांग卐 कहा जाता है, कुछ पुराने दक्षिण कोरियाई लोगों के बीच एक स्वादिष्ट व्यंजन माना जाता है, लेकिन यह मांस भोजन करने वालों की पसंद से बाहर हो गया है और अब युवा लोगों के बीच लोकप्रिय नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल गैलप पोल के अनुसार, केवल 8 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्होंने पिछले 12 महीनों में कुत्ते का मांस खाया है, जो 2015 में 27प्रतिशत से कम है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से पांचवें से भी कम ने कहा कि वे मांस की खपत का समर्थन करते हैं। 22 वर्षीय छात्र ली चाए-योन ने कहा कि पशु अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबंध आवश्यक था।

अमेरिका के डेस मोइंस में भारी बर्फबारी के बाद एक महिला इओवा स्टेट कैपिटोल के सामने से निकलती हुई।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा : अमरीका के मिसौरी में उत्सव की धूम, लगे बिलबोर्ड

न्यूर्याक । अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले दुनिया भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका के कई राज्यों की सड़कों के किनारे और शहरों में भी होर्डिंग लगाए गए हैं, जिसमें भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की झलक

देखने को मिल रही है। जानकारी के लिए बता दें कि इन होर्डिंग्स को न्यू जर्सी, टेक्सास, न्यूयॉर्क, इलिनोइस, और जॉर्जिया सहित अन्य राज्यों में विशाल बिलबोर्ड के तरह लगाया गया है। अमेरिका में राम मंदिर से संबंधित लगाए जा रहे बिलबोर्ड की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। वहीं विश्व हिन्दू परिषद की अमेरिकी शाखा के मुताबिक एरिजोना और मिसौरी राज्य में इससे संबंधित उत्सव की शुरुआत 15 जनवरी से होगी। इस उत्सव में भाग लेने के लिए लोग पूरी तरह से तैयार है। गौरतलब है कि 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मात्र 84 सेकेंड का शुभ मुहूर्त निकाला गया है, जो 12.29 बजे से शुरू होकर 12.30 मिनट पर खत्म हो जाएगा। इन्हीं 84 सेकेंड के दौरान ही मृगशिरा नक्षत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलला की मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाएंगे, और दिव्य दर्शन करने के बाद काजल और तिलक लगाकर भगवान रामलला की महाआरती करेंगे।

आम चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कम जानकारी के आधार पर किया गया: इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी के उम्मीदवारों का चयन बेहद 'कम जानकारी' के आधार पर किया गया और वह उनके बीच टिकट वितरण से काफी हद तक अनजान थे। 'डॉन' अख़बार की एक रिपोर्ट के अनुसार, खान ने शनिवार को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अदालती कार्यवाही में भाग लेने के बाद ये टिप्पणी की। अदालती कार्यवाही शुरू होने से पहले, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के लगभग दो दर्जन कार्यकर्ताओं और विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के नेताओं ने 71 वर्षीय खान से पार्टी की ओर से टिकट नहीं दिये जाने की शिकायत की।

अखबार में कहा गया, 'उन्होंने उन्हें बताया कि टिकट उन्हें प्राप्त थोड़ी सी जानकारी के आधार पर दिए गए और वह उनके टिकट वितरण से वह अनजान थे। उन्होंने उन्हें समझाया कि पार्टी नेताओं के साथ एक संक्षिप्त चर्चा में 850 टिकटों के वितरण के बारे में त्वरित निर्णय लेना उनके लिए संभव नहीं था।'' खान ने एक बार फिर अपने प्रतिद्वंद्वी नवाज शरीफ पर 'पसंद के अंपायरों के साथ' मैच खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धन शोधन करने वाला एक प्रमाणित व्यक्ति 'लंदन योजना' के तहत पाकिस्तान लौट आया और उसे सुरक्षित रास्ता दे दिया गया क्योंकि अदालतें कथित तौर पर उनके विरोधियों के प्रति उदार दिखीं।

एक सवाल के जवाब में कि क्या वह कुछ हलकों

के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं, पूर्व प्रधानमंत्री ने जवाब दिया कि उन्हें 18 महीने पहले बातचीत का विकल्प दिया गया था, लेकिन उन्हें कोई अंदाजा नहीं था कि 'किसके साथ' और 'किस लिए' बातचीत करनी है। इमरान ने कहा कि चर्चा के लिए केवल एक ही मुद्दा बचा है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने का है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों के इस्तीफे पर चिंता जताई। इमरान को लगता है कि पीटीआई के चुनाव चिह्न 'बल्ला' के खिलाफ किए जा रहे सभी प्रयासों का उद्देश्य चुनाव से पहले पार्टी को कमजोर करना है, लेकिन चाहे कुछ भी हो जाए, पार्टी आखिरी गेंद तक लड़ेगी। खान की टिप्पणी शनिवार को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से पहले आई है, जिसमें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अंतर-पार्टी चुनावों को अमान्य घोषित कर दिया गया और पार्टी को उसके चुनाव चिह्न 'बल्ला' से वंचित कर दिया गया। इस फैसले ने पीटीआई को यह घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि उसके उम्मीदवार 'स्वतंत्र उम्मीदवार' के रूप में चुनाव लड़ेंगे। इस बीच, शनिवार को तोशाखाना मामले की कार्यवाही के दौरान जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर ने चार गवाहों के बयान दर्ज किए। अब तक आठ गवाहों ने अदालत के समक्ष गवाही दी है। इस मामले में आगे की कार्यवाही 15 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

विलियम लाई ने जीता ताइवान का राष्ट्रपति चुनाव

- तीसरी बार राष्ट्रपति बनी लाई ने लोकतंत्र में नया अध्याय लिखने के लिए जताया नागरिकों का आभार

ताइपे शहर (एजेंसी)। चीन की चेतावनियों के बावजूद,संप्रभुता समर्थक विचारों पर ताइवान के मतदाताओं ने एक ऐतिहासिक चुनाव में विलियम लाई को अपना राष्ट्रपति चुना है। इससे सत्ताधारी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) को तीसरा कार्यकाल मिल गया है। सूत्रों के अनुसार, इस कदम से नाराज बीजिंग ने नतीजों के तुरंत बाद एक बयान जारी कर कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है। शनिवार के लाई को विजेता घोषित किए जाने के बाद बीजिंग ने कहा कि डीपीपी द्वीप पर मुख्यधारा की जनता की राय का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।ताइवान के केंद्रीय चुनाव आयोग के अनुसार, 64 वर्षीय लाई ने 40 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, कुओमिन्तांग के होउ यू-इह को लगभग 7 प्रतिशत मतों से पीछे छोड़ दिया।

उभरती हुई ताइवान पीपुल्स पार्टी के को वेन-जे को 26 प्रतिशत वोट मिले।अपनी पार्टी के लिए लगातार तीसरी बार अभूतपूर्व राष्ट्रपति पद जीतकर लाई ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, देश आगे बढ़ने के लिए सही रास्ते पर चलता रहेगा। हम न तो पीछे मुड़ेंगे और न ही पीछे मुड़कर देखेंगे।लाई ने एक विजय भाषण में कहा, हमारे लोकतंत्र में एक नया अध्याय लिखने के लिए मैं ताइवान के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बता रहे हैं कि लोकतंत्र और अधिनायकवाद के बीच, हम लोकतंत्र के पक्ष में खड़े होंगे।लाई ने गरिमा और समानता के आधार पर बातचीत की इच्छा दोहराते हुए कहा कि उन्हें चीन के साथ संबंध सुधरने की उम्मीद है।

लाल सागर को खून के समंदर में बदल रहे अमेरिका व ब्रिटेन

-हूथियों पर हमले से तुर्की हुआ परेशान, बचाव के ढूंढ रहा तरीके

अंकारा (एजेंसी)। लाल सागर को खून का समंदर बनाने पर तुले अमेरिका और ब्रिटेन के हमलों को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने गलत बताया है। उन्होंने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमला करने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन की तीखी आलोचना करते हुए कड़े शब्दों में टिप्पणी की है। तुर्की ने कहा कि ये देश लाल सागर को 'खून के समुद्र' में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यह बयान इस्तांबुल में हाल ही में हुई एक रैली के कुछ दिनों बाद आया है जब एर्दोगन ने राज्य आतंकवाद को अंजाम देने के लिए इज़रायल पर हमला बोला था और इज़रायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तुलना नाजी नेता एडॉल्फ हिटलर से की थी। यमन में हूथी को निशाना बनाकर अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा किए जा रहे हवाई हमलों पर मीडिया कर्मियों को जवाब देते हुए तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, जो कुछ भी किया गया है वह सेना का गलत इस्तेमाल है। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल, वे लाल सागर को खून के समुद्र में बदलने की कोशिश कर रहे हैं और यमन, हूथियों के साथ और अपनी पूरी ताकत का उपयोग करके, कहता है कि वह इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन को जरूरी जवाब देगा। बता दें कि हूथी लाल सागर क्षेत्र में जहाजों पर हमला कर रहे हैं, जो अपने रणनीतिक स्थान और प्रमुख जलमार्गों के कारण वैश्विक परिवहन और व्यापार के लिए महत्व रखता है। एर्दोगन ने कहा कि यमन में हूथी अमेरिका और ब्रिटेन के हमलों के खिलाफ बहुत सफल बचाव, प्रतिक्रिया कर रहे हैं। बढ़ती स्थिति के बीच अपनी सुरक्षा पर बोलते हुए, एर्दोगन ने कहा कि वह यह देखने पर काम कर रहे हैं कि जो कुछ भी हो रहा है उससे वह खुद को कैसे बचा सकते हैं। चूंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ हमास को एक आतंकवादी समूह मानते हैं, अंकारा ऐसा नहीं मानता है।

भारत समर्थक विपक्षी पार्टी के आदम अजीम बने माले के मेयर

-जीत से मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को लगा बड़ा झटका

माले (एजेंसी)। मालदीव की राजधानी माले में भारत समर्थक विपक्षी पार्टी के आदम अजीम मेयर पद पर काबिज हो गए हैं। उन्हें हाल में हुए चुनावों में प्रचण्ड जीत मिली है। इससे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को बड़ा झटका लगा है। जानकारी के अनुसार एमडीपी उम्मीदवार आदम अजीम को माले का नया मेयर चुना गया है, यह पद हाल तक मुइज्जू के पास था। बता दें कि मुइज्जू ने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया था। इधर मालदीव के मीडिया ने अजीम की जीत को 'प्रचंड' जीत बताया है। एमडीपी का नेतृत्व भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक नेता मुइज्जू से हार गए थे। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, अजीम ने मुइज्जू की अगुवाई वाले प्रतिद्वंद्वी दल 'पीपुल्स नेशनल कांग्रेस' (पीएनसी) की ऐशथ अजीमा शकूर को हराया। जाहिर है कि मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ मालदीव के संबंधों में खटास आ गई है। चीन की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा के बाद स्वदेश लौटे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि उनका देश छोटा हो सकता है, लेकिन इससे किसी को हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।'

जानकार बता रहे हैं कि मुइज्जू का यह बयान मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच आया है। चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, 'हम छोटे हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।' चीन की यात्रा से लौटने पर उन्होंने मीडिया से कहा, 'हमारे पास इस महासागर में छोटे द्वीप हैं, लेकिन हमारे पास 9,00,000 वर्ग किलोमीटर का एक विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र है। मालदीव इस महासागर का सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाले देशों में से एक है।'

इस दौरान भारत पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा, 'यह महासागर किसी विशिष्ट देश का नहीं है। हिन्द महासागर इस क्षेत्र में स्थित सभी देशों का है।' एक रिपोर्ट में मुइज्जू के हवाले से कहा गया, 'हम किसी के पिछलग्गू में नहीं हैं। हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं।' बता दें कि नवंबर में पदभार संभालने का बाद मुइज्जू की यह पहली चीन यात्रा थी। अपनी चीन यात्रा के दौरान मुइज्जू ने राष्ट्रपति शी चिनपिंग के साथ 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। शीर्ष चीनी नेताओं के साथ मुइज्जू की वार्ता के बाद संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों पक्ष अपने-अपने मूल हितों की रक्षा मेंदृढ़ता से समर्थन करने पर राजी हुए हैं।

आईसीजे समेत कोई भी शक्ति गाजा में जारी युद्ध नहीं रोक सकता: इस्राइल

- रैली निकालकर बंधकों के परिवारों ने लगाई इजराइल से परिजनों की रिहाई की गुहार

-युद्धग्रस्त गाजा में 23,000 से अधिक फलस्तीनी की मौत

गाजा पट्टी (एजेंसी)। फलस्तीनियों के संहार के आरोप पर इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) समेत कोई गाजा में जारी युद्ध नहीं रोक सकता। युद्ध के 100 दिन पूरे होने के बीच नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास के खिलाफ जीत मिलने तक युद्ध जारी रखेगा । बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने दक्षिण अफ्रीका के इन आरोपों को लेकर दो दिन सुनवाई में कहा कि इजराइल फलस्तीनियों का जनसंहार कर रहा है।

आईसीजे में सुनवाई के बाद इजराइल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इजराइल लड़ाई रोकने के आदेशों की अनदेखी करेगा, जिससे उसके अलग-थलग पड़ जाने की आशंका है। । गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका ने न्यायालय से इजराइल को यह आदेश देने का अनुरोध किया है कि वह अपने भीषण हवाई और जमीनी हमलों को अंतरिम कदम के तहत रोके। आईसीजे का मुख्यालय हेग में है। नेतन्याहू ने ईरान और उसके सहयोगी मिलिशिया का जिक्र करते हुए शनिवार शाम को टेलीविजन पर प्रसारित टिप्पणियों में कहा, ''हमें कोई नहीं रोकेगा, न हेग, न कोई और।''

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के समक्ष मामले की सुनवाई वर्षों तक चलने की संभावना है लेकिन अंतरिम कदमों पर फैसला कुछ हफ्तों के भीतर आ सकता है। न्यायालय के फैसले बाध्यकारी हैं लेकिन उन्हें लागू करना कठिन है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इजराइल लड़ाई रोकने के आदेशों की अनदेखी करेगा, जिससे उसके अलग-थलग पड़ जाने की आशंका है। इजराइल पर युद्ध समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। इस युद्ध के दौरान गाजा में 23,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके है। इजराइल का तर्क है कि युद्ध समाप्त करने का मतलब हमास की जीत होगा। हमास और अन्य आतंकवादियों ने इजराइल में सात अक्टूबर को हमला कर करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे।

इसके अलावा 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। इनमें से कुछ को रिहा कर दिया गया है, कुछ लोगों की मौत की पुष्टि कर दी गई है और माना जा रहा है कि आधे से अधिक लोग अब भी कैद में हैं। हमास के इसी हमले के बाद इजराइल और हमास के बीच भीषण युद्ध आरंभ हुआ। बंधकों के परिवारों ने शनिवार रात तेल अवीव में 24 घंटे की रैली निकाली और इजराइल सरकार से उनके प्रियजन की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

टी20 विश्वकप को देखते हुए आईपीएल में प्रदर्शन रहेगा अहम : शिवम

इंदौर (एजेंसी)। हरफनमौला खिलाड़ी शिवम दुबे ने कहा कि इस साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की तैयारियों में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के बाद भारत ने केवल चार टी20 मैच खेले हैं। जून में वैश्विक आयोजन से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ इस प्रारूप में दो और मैच खेले जाने हैं।

दुबे ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे मुकाबले से पहले कहा, 'यह (आईपीएल) हम सभी के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि केवल दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बचे हैं। आईपीएल एक बड़ा मंच है और आप इसमें अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपको राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका मिलता है।' उन्होंने कहा, 'टीम की योजना और संयोजन पर काम हो रहा है। हम जितना अधिक टी20 खेलेंगे, उतना ही इसे बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।'

दुबे खुद भी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह बहुत आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं और अपना ध्यान आने वाले मैचों पर दे रहे है। उन्होंने कहा, 'टीम में खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी का लक्ष्य विश्व कप खेलना होता है। मेरे मन में विश्व कप खेलना निश्चित रूप से है, लेकिन यह अभी बहुत दूर है। अभी, मेरा लक्ष्य कल के मैच में अच्छा करना है।'

उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन था और अब अगले मैच में उससे भी बेहतर प्रदर्शन करने का लक्ष्य है। दुबे ने श्रृंखला के पहले मैच में हरफनमौला प्रदर्शन से मैन ऑफ द मैच हासिल किया था। उन्होंने नौ रन देकर एक विकेट चटकाने के साथ 40 गेंद में नाबाद 60 रन की पारी खेल भारत को जीत दिलाई थी।

मलेशिया ओपन 2024: फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, अब इंडिया ओपन में दिखाएंगे दम

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी रविवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के फाइनल में चीन के लियांग वेई केंग और वांग की विश्व में नंबर एक जोड़ी से संघर्ष पूर्ण मुकाबले में हार गए और इस तरह से उन्हें उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। दोनों जोड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया लेकिन एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहला गेम जीतने और निर्णायक गेम में 11-7 की बढ़त का फायदा नहीं उठा पाई और आखिर में उन्हें लियांग और वांग से 21-9, 18-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक ने मैच के बाद कहा,''हमें खुशी है कि आखिर में हम किसी टूर्नामेंट में खेल पाए लेकिन थोड़ी निराशा है क्योंकि हम दबाव झेलने में नाकाम रहे।'' उन्होंने कहा,''मैच जब निर्णायक मोड़ पर था तब हम पर उनकी तुलना में अधिक दबाव था और हमने गलतियां की। उन्होंने हालांकि हम पर दबाव बनाए रखा। उम्मीद है कि अगली बार हम उनसे बदला चुकता करने में सफल रहेंगे।'' भारतीय जोड़ी की लियांग और वांग के हाथों यह चौथी हार है। यह दोनों जोड़ियां पिछले साल चार बार आमने-सामने थी जिनमें चीन की जोड़ी तीन मुकाबले जीतने में सफल रही थी। सात्विक और चिराग ने इस बीच केवल कोरिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में अपनी इस प्रतिद्वंद्वी टीम को हराया था। सात्विक और चिराग ने पहले गेम में शुरू से अपना दबदबा बना दिया था और इंटरवल तक उसको सातअंक की बढ़त हासिल थी।

भारतीय जोड़ी ने इसके बाद भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। चीन की जोड़ी ने हालांकि दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और उसने 8-2 से बढ़त हासिल कर ली। लियांग और वांग इंटरवल तक 11-6 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश में कुछ गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर चीन की जोड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सात्विक और चिराग ने तीसरे और निर्णायक गेम में शानदार शुरुआत की और एक समय वह 10-3 से आगे थे। लियांग और वांग ने पहले स्कोर 12-12 से बराबर किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने चार चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किये, जिनमें से भारतीय खिलाड़ी केवल एक का ही बचाव कर पाए। सात्विक और चिराग अब मंगलवार से नई दिल्ली में शुरू होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

जोकोविच का मैसेज देखकर हैरान थे कोहली, विराट ने स्टार टेनिस खिलाड़ी से दोस्ती की बातें साझा की

ऑकलैंड (एजेंसी)। इंदौर (ईएमएस) भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का एक संदेश मिला है जिसके बाद से ही वह उत्साहित हैं। विराट ने इस संदेश पर खुशी के साथ ही हैरानी भी जतायी है। इन दोनो दिग्गजों के बीच दोस्ती की शुरुआत सोशल मीडिया पर हुई थी। उन्हें हालांकि यह देखकर आश्चर्य हुआ कि इस टेनिस स्टार ने पहले से ही उन्हें संदेश भेजा था। कोहली ने सोशल मीडिया में जारी एक वीडियो में कहा, 'मैं नोवाक के साथ बहुत ही व्यवस्थित तरीके से संपर्क में आया, मैं एक बार इंस्टाग्राम पर उनकी प्रोफाइल देख रहा था। मैंने बस उन्हें अभिवादन करते हुए एक संदेश भेज दिया। उन्होंने कहा, 'जब मैं उनके लिए संदेश लिख रहा था तब मुझे यह देख कर आश्चर्य हुआ कि मेरे इनबॉक्स में पहले से ही उनके अभिवादन का एक संदेश था। मैंने हालांकि कभी इसे पढ़ा नहीं था। मैंने संदेश देखने के बाद फिर से प्रोफाइल की जांच की कि कहीं यह फर्जी तो नहीं।

इसके बाद, 'मैंने इसकी दोबारा जांच की और यह सही पाया गया। इसके बाद हम बात करने लगे। हम समय-समय पर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। मैंने उन्हें उनकी सभी अद्भुत उपलब्धियों के लिए बधाई दी। हम दोनों इसके बाद नियमित रूप से दूसरे को उनकी उपलब्धियों पर बधाई संदेश देने लगे। कोहली ने जब एकदिवसीय में अपना 50वां शतक लगाया था तब जोकोविच ने भी उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दी थी। कोहली ने कहा, 'हाल ही में जब मैंने अपना 50वां शतक पूरा किया, तो उन्होंने मुझे बधाई संदेश भी भेजा। यह आपसी प्रशंसा और सम्मान की बात है। कोहली ने कहा कि अगर उन्हें जोकोविच से मिलने का मौका मिला तो वह सर्बिया के इस खिलाड़ी के साथ कॉफी पीना चाहेंगे।

दहाई अंक का आकंड़ा भी नहीं छू सके आठ बल्लेबाज, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को दूसरे टी20 में हराया

हैमिल्टन (एजेंसी)। फिन ऐलन की 76 रनों की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद ऐडम मिल्न के चार विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 21 रनों से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली हैं।

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों सलामी बल्लेबाज सईम अयूब एक रन और मोहम्मद रिजवान सात रन बनाकर दूसरे ही ओवर में पवेलियन लौट गए है। इसके बाद बाबर आजम और फखर जमान ने पाकिस्तान की पारी को संभाला। बाबर आजम ने सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 43 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली। आजम का सियर्स ने साउदी के हाथों कैच आउट कराया।

वहीं जमान ने तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 25 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्हें मिल्स ने बोल्ड आउट किया। कप्तान शाहीन शाह अफरीदी 13 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिल्स ने साउदी के हाथो कैच आउट कराया। पाकिस्तान के आठ बल्लेबाज दहाई अंक का आकंड़ा भी नहीं छू सके और पूरी टीम 19.3 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से ऐडम मिल्न ने चार विकेट लिए। टिम साउदी,बेन सियर्स और ईश सोढ़ी ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले टॉस जीतकर पाकिस्तान ने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने फिन ऐलन के सात चौके और पांच छक्के की मदद से

41 गेंदों में 76 रन, विलियमसन के 26 रन और सैंटनर की 25 रनों की तूफानी पारी की बदौलत आठ विकेट पर 194रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ऐलन और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की।

छठें ओवर में जमाल ने डेवन कॉन्वे 20 को जमान के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। उसके बाद कप्तान केन विलियमसन 26 रन बनाकर रिटायड हर्ट हो गये। डैरिल मिचेल 17 रन, ग्लेन फिलिप्स 13रन बनाकर आउट हुये। मिचेल सैंटनर ने तीन चौके और दो छक्कों की मदद 13 गेंदों में 25 रन बनाये। वह 20वें ओवर में रन आउट हुये। टीम साउदी पांच रन बनाकर और बेन सियर्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 194 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से हारिस रउफ ने तीन विकेट लिए। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। आमेर जमाल और उसाम मीर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय पुरुष टीम को 2-0 से हराया

अल रेयान। जैक्सन इरविन ओर जोर्डन ब्रोस के गोलों से ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई कप फुटबॉल मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम को 2-0 से हरा दिया। इस मैच में शुरुआती 50 मिनट तक कोई टीम गोल नहीं कर पायी लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दो गोल दाग दिये। जैक्सन ने 50वें और जोर्डन ने 73वें मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। वहीं भारतीय टीम अपनी विरोधी को टक्कर देने में विफल रही। टीम के कोच इगोर स्टिमक ने हालांकि कहा कि खिलाड़ियों ने शुरुआत में बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए विरोधियों को कोई अवसर नहीं दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे हाफ के पांच मिनट बाद ही गोल कर पायी।

शॉन मार्श ने बिग बैश से भी संन्यास लिया

सिडनी । दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज शॉन मार्श ने अब ऑस्ट्रेलियाई टी20 लीग बिग बैश को भी अलविदा कह दिया है। शॉन ने अपनी टीम मेलबर्न रेनेगेड्स के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाने के तत्काल बाद ही अपनी संन्यास की घोषणा कर दी। शान ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वहीं इससे पहले एरोन फिंच ने भी संन्यास की घोषणा की थी। शॉन ने फिंच के अंतिम मैच में 64 रन बनाये थे। टीम ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ हुए इस मुकाबले में 6 विकेट की जीत हासिल की थी। शॉन की टीम का प्रदर्शन इस बार बिग बैश में अच्छा नहीं रहा और वह अंक तालिका में सातवें नंबर पर रही है। टीम के प्लेऑफ से बाहर होते ही मार्श ने खेल को अलविदा कहा। मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम ने इस सत्र में 9 मैच खेलकर केवल 2 जीत ही हासिल की है। 6 में टीम को हार मिली है जबकि उसका एक मुकाबला ड्रॉ रहा।

मौजूदा बिग बैश सत्र की बात करें तो पांच मुकाबले खेलकर मार्श ने 45.25 की औसत के साथ कुल 181 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम तीन अर्धशतकीय पारी शामिल रही। आखिरी मुकाबले में उनके बल्ले से 64 रन की पारी देखने को मिली। मार्श ने अपने करियर की शुरुआत वेस्टइंडीज के दौरे पर टी20 और एकदिवसीय सीरीज से किया था। इस बल्लेबाज ने अपनी टीम के लिए कुल 38 टेस्ट, 73 एकदिवसीय और 15 टी20 मुकाबले खेले हैं। मार्श ने टेस्ट में 2265, एकदिवसीय में 2773 जबकि टी20 में कुल 255 रन बनाए हैं। 40 साल के मार्श ने कुल 13 शतक और 25 अर्धशतक लगाये हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की ओलिंपिक खेलने की उम्मीदों को झटका, क्वालीफायर में अमेरिका से हारी

रांची (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर मुकाबले में अमेरिका के हाथों हार का सामन करना करना है। अमेरिका ने भारतीय टीम को 1-0 से हराया। भारतीय टीम ने इस मैच में कई हमले किये पर पर अमेरिकी रक्षापंक्ति को भेद नहीं पायी। भारतीय टीम को 7 पेनल्टी कॉर्नर मिले पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। अमेरिका ने पूल बी के 16वें मिनट में अबीगैल टैमर के गोल से मैच का एकमात्र गोल किया। इस हार से भारत की पेरिस ओलंपिक में प्रवेश की उम्मीदों को झटका लगा है। अब अगले मुकाबलों में उसका सामना और मुश्किल टीम से होगा जिससे जीत दर्ज करना आसान नहीं रहेगा। दोनों टीम के बीच पहले क्वार्टर में

मुकाबला करीब-करीब बराबरी का था। पहले क्वार्टर से कुछ मिनट पहले भारत को बढ़त लेने का अच्छा अवसर मिला पर अमेरिकी गोलकीपर ने भारतीय टीम के हमले को विफल कर दिया। वहीं अमेरिका ने दूसरे क्वार्टर में टैमर की बदौलत एक मिनट बाद अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिलायी।भारत को लगातार हमले के कारण तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले पर अमेरिका ने इन्हें विफल कर दिया। पहले हाफ से कुछ मिनट पहले भारत ने दो और अवसर हासिल किये पर इशिका चौधरी और फिर नवनीत कौर के हमलों को अमेरिकी टीम ने रोक दिया। वहीं दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने गेंद अपने कब्जे में रखी पर गोल नहीं कर पायी। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर से 37 सेकेंड पहले एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया पर इस बार भी अवसर खो दिया। एक गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने गोल करने के कई प्रयास किये पर वह 7 पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में नहीं बदल पायी जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

धावक उसेन बोल्ट ने फॉर्मूला ई कार स्पोर्ट्स में आजमाया हाथ

मैक्सिको सिटी। महान धावक उसेन बोल्ट ने पिछले साल सबसे तेज फॉर्मूला ई कार का विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले 'जेनबेटा' रेसिंग कार पर मेक्सिको ई प्रिक्स से पहले अपना हाथ आजमाया। 'जेनबेटा' ने 218.71 किमी प्रति घंटे की शीर्ष गति के साथ 2023 में गिनीज विश्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया था। आठ बार के ओलंपिक चैंपियन को हालांकि इस रेसिंग कार में बैठने में थोड़ी परेशानी हुई छह फीट पांच इंच लंबे बोल्ट ने कहा कि उन्हें कार में बैठने में थोड़ी परेशानी हुई लेकिन जल्द ही इससे सामंजस्य बिठा लिया। उन्होंने कहा, 'वहां जगह काफी कम थी। यह पहली बार था जब कार में बैठने में मुझे इतनी परेशानी हुई। मैं हालांकि इस पल का लुत्फ उठाना चाहता था।'' उन्होंने यहां के 'ऑटोड्रोमो हरमनोस रोड्रिग्ज सर्किट' की ट्रैक पर महज 2.89 सेकंड में 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार हासिल कर ली। उन्होंने 4.36 सेकंड में 100 मीटर की दूरी तय की। सौ और 200 मीटर दौड़ के विश्व रिकॉर्डधारी जमैका के इस 37 साल के पूर्व धावक ने कहा, '' यह अलग तरह का अनुभव रहा, ऐसा लगा जैसे इसके पहियों पर रॉकेट लगे हो। कार चलाते समय मुझे आश्चर्य हुआ और इसने मुझे एक अलग एहसास दिया।

पुजारा की टेस्ट टीम में वापसी की संभावनाएं समाप्त हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की भारतीय टीम में वापसी अब असंभव नजर आती है। हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अब उनका करियर समाप्त होने की ओर हैं। पुजारा ने अंतिम बार आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेला था।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज में उनको अपनी वापसी की उम्मीद थी पर चयनकर्ताओं ने उनकी जगह युवाओं पर भरोसा जताया। इससे साफ है कि अब वह टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं रह गये हैं। पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया था पर इसके बाद भी वह चयनकर्ताओं को संतुष्ट नहीं कर पाये।

इससे साफ है कि लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम के मध्य क्रम की जिम्मेदारी संभालने वाले पुजारा का करियर अब अंतिम पड़ाव पर है। पिछले साल टीम से बाहर होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी कर टीम में फिर से आने की दावेदारी पेश करने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। . रणजी ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में उन्होंने झारखंड के खिलाफ नाबाद 243 रन की पारी खेली थी। इस पारी के बाद भी वह चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने में असफल रहे। पुजारा ने 103 टेस्ट मैच में 7195 रन बनाये हैं। इसमें 206 रन की नाबाद पारी भी शामिल है। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 19 शतक और 35 अर्धशतक भी शामिल हैं। अपने कम स्ट्राइक रैट के कारण वह आलोचनाओं के केन्द्र में भी रहे हैं।

अर्जुन देशवाल ने लगाया पीकेएल का 44वां सुपर-10, जयपुर पिंक पैंथर्स ने रोका पुणेरी पलटन का विजय रथ.

जयपुर। पहले हाफ में नौ प्वॉइंट से पीछे होने के बाद मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स ने दूसरे हाफ में शानदार कमबैक करते हुए अपने घर में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने कप्तान अर्जुन देशवाल के शानदार प्रदर्शन के दम शनिवार को यहां जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के 69वें मैच में पुणेरी पलटन को 36-34 से हरा दिया। जयपुर के लिए कप्तान अर्जुन देशवाल ने 16 अंक जुटाए और इस सीजन का आठवां सुपर-10 लगाया। उनके अलावा सुनील कुमार ने अपना हाई-5 पूरा किया। पुणेरी की ओर से कप्तान असलम इनामदार ने आठ अंक लिए। रोमांचक जीत के बाद भी मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स दूसरे पायदान पर कायम है। टीम के अब 12 मैचों में आठ जीत हो गई है और उसके 48 अंक हो गए हैं। वहीं, पुणेरी पलटन को 12 मैचों में दूसरी हार मिली है। टीम अभी भी 52 अंकों के साथ पहले पायदान पर विराजमान है। टीम ने पिछले नौ मैचों में यह पहली हार है। नंबर-1 और नंबर-2 की इस जंग में सीजन 9 की फाइनलिस्ट जयपुर पिंक पैंथर्स और पुणेरी पलटन की टीम अपनी बेस्ट स्टार्टिंग 7 के साथ मैट पर उतरी। दोनों टीमों के बीच शुरुआती कुछ मिनटों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला और इस वजह से वे पहले पांच मिनट तक 5-5 की बराबरी पर थी। अगले ही मिनट में कप्तान अर्जुन देशवाल ने सुपर रेड के साथ जयपुर को तीन प्वॉइंट से आगे कर दिया। पैंथर्स ने अगले पांच मिनट तक भी तीन प्वॉइंट की लीड को कायम रखा।

टीम इंडिया को आगे की चुनौतियों के मद्देनजर तैयार करने के 'मेंटोर' बनना चाहते हैं युवराज

-टीम को मानसिक तौर पर मजबूत बनाने का है इरादा

कोलकाता (एजेंसी)। विश्व कप विजेता नायक युवराज सिंह ने शनिवार को संकेत दिया कि वह भारतीय क्रिकेट टीम को आने वाली चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार करने के लिए भविष्य में 'मेंटोर' की भूमिका निभाना पसंद करेंगे। भारत पिछले साल आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 विश्व कप फाइनल में हार गया जिससे आईसीसी ट्राफी का उसका इंतजार और बढ़ गया। भारत ने 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तान में चैम्पियंस ट्राफी जीती थी जबकि पिछली विश्व कप जीत 2011 में मिली थी। युवराज ने यहां 'युवराज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के उद्घाटन के दौरान कहा, ''मुझे लगता है कि हमने काफी फाइनल खेले लेकिन एक भी नहीं जीता। 2017 में मैं एक फाइनल का हिस्सा रहा जिसमें हम पाकिस्तान से हार गये थे।'' उन्होंने कहा, ''आगामी वर्षों में हमें निश्चित रूप से इस पर काम करना होगा।

बतौर देश और भारतीय टीम के तौर पर दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि कुछ चीज की कमी है, जब कोई बड़ा मैच होता है तो हम शारीरिक रूप से तैयार होते हैं लेकिन मानसिक रूप से हमें मजबूत होने की जरूरत है।'' युवराज ने कहा, ''मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना, उन्हें सिखाना कि दबाव कैसे झेलते हुए अपना खेल दिखायें। यह चुनौती रही है।

हमारे पास मैच होते हैं और खिलाड़ी जो दबाव में बल्लेबाजी कर सकें लेकिन पूरी टीम को ऐसा करना चाहिए, एक या दो खिलाड़ियों को नहीं।'' उन्होंने कहा, ''मैं मार्गदर्शन करना पसंद करूंगा। आगामी वर्षों में जब मेरे बच्चे बड़े हो जायेंगे, मैं क्रिकेट को वापस देना चाहूंगा और युवाओं को बेहतर होने में मदद करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम बड़े टूर्नामेंट में काफी मानसिक चुनौतियों का सामना करते हैं। मेरा मानना है कि मानसिक पहलू में मैं भविष्य में इन खिलाड़ियों के साथ काम कर सकता हूं। मुझे लगता है कि मैं इसमें योगदान दे सकता हूं, विशेषकर मध्यक्रम में।

रकुल प्रीत ने बॉलीवुड में एक दशक पूरा होने का मनाया जश्न

2014 में रोमांटिक फिल्म यारियां से हिंदी फिल्म में डेब्यू करने वाली रकुल प्रीत सिंह ने बुधवार को बॉलीवुड में अपने 10 साल के सफर को याद किया और कहा कि वह आज जहां हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत, दृढ़ता और निरंतरता की जरूरत है। 2009 में कन्नड़ फिल्म गिल्ली से एक्टिंग की शुरुआत करने के बाद, रकुल प्रीत ने हिमांश कोहली के साथ यारियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले केरातम, युवान, पुथगम जैसी फिल्मों में काम किया।

दिव्या खोसला कुमार निर्देशित फिल्म में उन्होंने सलोनी का किरदार निभाया था। अब, फिल्म की नाटकीय रिलीज के 10 साल पूरे होने पर, रकुल ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म यारियां के कुछ क्लिप्स शेयर की, जहां उनके 23.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तस्वीरों के साथ, उन्होंने एक नोट भी लिखा, 10 साल पहले, जब मैंने पहली बार बॉलीवुड में कदम रखा था, तब मेरी आंखों में बड़े-बड़े सपने थे। आज मैं जहां हूं, वहां पहुंचने में मुझे एक दशक की कड़ी मेहनत, लगन और निरंतरता की जरूरत पड़ी। रनवे 34 की एक्ट्रेस ने साझा किया, हालांकि हासिल करने के लिए बहुत कुछ है, मैंने जो काम किया है, उसके लिए मेरे दिल में बहुत आभार है क्योंकि यह अभी भी मेरे यंग वर्जन के लिए एक सपने जैसा लगता है। रकुल प्रीत ने अपने फैंस का आभार व्यक्त किया और कहा, मैं आप सभी को अपना प्यार देना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे मेरे सपनों को हासिल करने और उन्हें वास्तविकता में बदलने में मदद की। उनकी अन्य हिंदी प्रोजेक्ट्स में अय्यारी, दे दे प्यार दे, मरजावां, डॉक्टर जी, थैंक गॉड, छत्रीवाली सहित कुछ अन्य शामिल हैं। उनकी अगली फिल्म अयलान, मेरी पत्नी का रीमेक और इंडियन 2 पाइपलाइन में हैं।

कभी भी रणबीर, रिद्धिमा के दोस्त नहीं थे ऋषि कपूर

पिछली बार फिल्म जुगजग जीयो में नजर आने वाली अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर स्ट्रीमिंग चैट शो कॉफी विद करण के नवीनतम एपिसोड में इंस्टाग्राम की रानी जीनत अमान के साथ दिखाई दीं। एपिसोड के दौरान नीतू ने खुलासा किया कि उनके दिवंगत पति अभिनेताऋषि कपूर, रणबीर और रिद्धिमा के कभी दोस्त नहीं थे। नीतू कपूर ने अपने न्यूयॉर्क के दिनों को याद किया जब ऋषि कपूर का कैंसर का इलाज चल रहा था। उन्होंने खुलासा किया कि यह केवल वो समय था, जब वह अपने परिवार के प्रति खुल गए थे। उन्होंने कहा, करण मुझे उस दुखद हिस्से को याद करना पसंद नहीं है। मुझे हमारे रिश्ते के अच्छे हिस्से और न्यूयॉर्क में बिताए समय को याद करना पसंद है। न्यूयॉर्क वास्तव में दुखद था, लेकिन, हमारे लिए वह सबसे अच्छा वर्ष था। उन्होंने आगे कहा, आप जानते हैं कि चिंटू जी (ऋषि कपूर) बहुत प्यारे इंसान थे। उनमें बहुत प्यार था। लेकिन कुछ ऐसा था जिसके प्रति उन्होंने कभी अपना प्यार नहीं दिखाया। वह हमेशा दूरी बनाए रखते थे और लोगों को धमकाते थे। खासकर मेरे और मेरे बच्चों के लिए वह अपना प्यार नहीं दिखाते थे।

मेरे लिए आठ घंटे की अच्छी नींद सच्ची सफलता है : पंकज त्रिपाठी

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी की फिल्म मैं अटल हूं 19 जनवरी 2024 को थिएटर्स में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाया है। उन्होंने अपने करियर, सफलता और राजनीति के बारे में भी बात की है। मिर्जापुर के कालीन भैया हों या क्रिमिनल जस्टिस के माधव मिश्रा, मसान के सध्या जी या फुकरे का पंडित, पंकज त्रिपाठी अपनी कलाकारी के बारीक स्ट्रोक से हर किरदार को यादगार बना देते हैं। यही वजह है कि सिनेमा जगत में उनके मुरीद लगातार बढ़ते जा रहे हैं, लिहाजा काम का दबाव भी। अपनी अगली फिल्म मैं अटल हूं में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभा रहें पंकज त्रिपाठी ने हमसे अपने करियर, फिल्म, राजनीति, सफलता आदि पर की खास बातचीत-

आपने संघर्ष का एक लंबा दौर देखा है। आज आप इतने सफल हैं कि हर कोई आपके साथ काम करना चाहता है। अब बतौर इंसान और बतौर कलाकार क्या चुनौती रहती है?

सफलता का भी एक अलग संघर्ष है। अभी मैं अपने वॉक तक के लिए समय नहीं निकाल पा रहा हूं। अब दुख होता है कि इतना व्यस्त होना नहीं चाहा था। अच्छी फिल्में आती हैं, अच्छा रोल, अच्छा पैसा तो लगता है ये भी कर लो, वो भी कर लो, लेकिन कितना करोगे? मैं शांत रहने वाला आराम पसंद व्यक्ति हूं। मुझसे रोज सुबह भागा नहीं जाता है। कलाकार के तौर पर मैं अब चाहता हूं कि क्वॉलिटी वर्क करूं। वही कहानी करूं जिसके लिए उत्साह हो कि कल काम पर जाना है। ये नहीं कि अरे यार, फिर जाना है। अब मैं कई रोल्स को मना करने लगा हूं। मैं नहीं चाहता कि एक फिल्म खत्म हो तो फ्लाइट पकड़कर दूसरे के सेट पर रहूं। मैं अभिनय करता हूं जीने के लिए। मैं एक्टिंग के लिए नहीं जीता हूं। अब जीने वाले पार्ट पर फोकस करना है।

कामयाबी की ये आदत है कि वो इंसान को बदल देती है। आप इससे अछूते कैसे रह पाए हैं? आपको जबसे देख रहे हैं, आप जरा बदले नहीं हैं?

सही है। हमारी गाड़ी बदल गई, घर बदल गया, पर हम नहीं बदले और हम नहीं बदलेंगे। इसके लिए आध्यात्मिक जागरूकता जरूरी है। मैं जीवन को सिर्फ सफलता या असफलता से नहीं मापता हूं। ये समझने के लिए थोड़ा आध्यात्म की ओर झुकाव जरूरी है कि गुरू, ये दुनिया रंगमंच है, यहां मिथ्या खेल चल रहा है तो सफलता में मैं उड़ूं भी नहीं और असफलता में परेशान भी न होऊं। मैं उस समय भी उतना ही प्रसन्न और प्रवचन देने वाला आदमी था, जब सफल नहीं था। ये मेरे आध्यात्म, मेरी पढ़ाई की वजह से है। मैं रोज दो-चार दस पन्ने ऐसी चीजें पढ़ता हूं, जो जीवन के लिए आवश्यक हैं।

आपके लिए सफलता का क्या पैमाना है?

उसका कोई पैमाना ही नहीं है। मेरे हिसाब से आठ घंटे अच्छी नींद को सफलता माना जाना चाहिए कि आप शांति और सुकून से आठ घंटा सो लिए। ये बड़ी सफलता है। मैं प्रयास करता हूं आठ घंटा सो पाऊं। इसलिए घड़ी बांधकर सोता हूं।

आपने पर्दे पर बहुत से किरदारों को यादगार बनाया है। लेकिन अटल जी जैसे लीजेंड को जीना चुनौतीपूर्ण रहा होगा। इस किरदार के लिए आपका प्रॉसेस क्या रहा?

ये प्रॉसेस बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि वह रियल व्यक्तित्व हैं। उनके वीडियो, क्लिपिंग्स सब मौजूद हैं, तो मैं कितना नकल करूं, कितनी मिमिक्री करूं? उनके व्यक्तित्व पर ध्यान दूं या बाहरी आवरण पर, क्योंकि एक फ्लेवर रखना ही पड़ेगा कि वे ऐसा बोलते थे। ये सब सवाल थे मन में, पर मैंने उनके व्यक्तित्व पर फोकस किया क्योंकि मुझे पता है कि मैं कितना भी प्रोस्थेटिक मेकअप कर लूं, कितने भी विग लगा लूं, मैं हूबहू अटल जी नहीं हो सकता। फिर, शरीर मूर्त है और जो मूर्त है वो चला जाएगा। आकार सदा नहीं रहेगा पर विचार रहेंगे। इसलिए, जो अडिग है, मैंने उस पर फोकस किया कि मैं उनकी चेतना को पकड़ूं, उनके विचार दिखाऊं।

एक्टर बनने से पहले आप छात्र राजनीति से जुड़े रहे हैं। फिल्म करते वक्त उस दौर की यादें ताजा हुईं?

हां, मैं तब विद्यार्थी परिषद में था। बिहार में वैसे भी राजनीति को लेकर आम चेतना ज्यादा होती है। मुझमें भी है। उन दिनों मतभेद होते थे, मनभेद नहीं होते थे। अब मुझे पार्टियों, नेताओं, कार्यकर्ताओं, यहां तक कि अगर एक परिवार में दो अलग नेता के समर्थक हैं तो आपस में मनभेद हो जाता है। ये समय का परिवर्तन है। कभी हम आपके हैं कौन ब्लॉकबस्टर होती थी, आज जैसी फिल्म ब्लॉकबस्टर होती हैं, देख लीजिए। ये समय का परिवर्तन है।

आप राजनीति से कभी जुड़े होने के बावजूद पब्लिक प्लेटफॉर्म पर खुलकर अपने विचार नहीं रखते। ऐसा क्यों?

मुझे लगता है कि मेरा माध्यम सिनेमा है। मेरे विचार सोशल मीडिया में नहीं, सिनेमा में ही दिखना चाहिए। दूसरी चीज ये कि हम बहुत जल्दी बाहर की चीजों पर विचार रख देते हैं। हाल ही में मैं दर्शन जरीवाला जी से मिला। वो कलाकार असोसिएशन सिन्टा के वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव हैं। वे उन सीनियर कलाकारों, जिनके पास आज काम नहीं हैं, उन्हें कैसे सपोर्ट किया जाए, उस पर चर्चा कर रहे थे। मुझे लगता है, उस पर बात होनी चाहिए। जैसे, मुझे अपनी इंडस्ट्री का 12 घंटे शिफ्ट का वर्क कल्चर पसंद नहीं है, मेरे हिसाब से आठ घंटे के बाद ओवरटाइम वही करेगा जिसकी इच्छा हो। आप जबरदस्ती नहीं कर सकते पर हम 12 घंटे की शिफ्ट में काम करते हैं। इस पर कोई नहीं बोलता है। मुझे लगता है कि बदलाव करना है तो जिस पेशे में हैं, वहीं से बदलाव की बात करें।

शारीरिक तौर पर अटल जी की तरह दिखने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ी?

बहुत ज्यादा, शारीरिक तौर पर ये मेरा सबसे यातना भरा रोल था। नाक पर प्रोस्थेटिक मेकअप होता था, जिसमें दो घंटे लगते थे। उन दिनों लखनऊ और मुंबई में तापमान 40 डिग्री के ऊपर। लंच आते-आते लगता था कि मेरा नाक बहकर गिर जाएगा। अंदर पसीना, खुजली, इतनी शारीरिक यातना मुझे कभी नहीं उठानी पड़ी थी। मैंने तय कर लिया है कि अब प्रोस्थेटिक मेकअप वाला रोल नहीं करूंगा। ना ही नाइट शूट करूंगा। अभी स्त्री 2 के लिए 12 दिन का नाइट शूट करके आया, मैं बीमार हो गया, आंख, नाक, कान सब इन्फेक्टेड हो गया था। वैसे, कोई चाहे तो बिना प्रोस्थेटिक के भी ऐसे रोल कर सकते हैं। प्रसन्ना ने एक नाटक किया था, उसमें इरफान साहब को आइंस्टीन का रोल दिया था। लेकिन उनका लुक कुछ नहीं बदला था। इरफान जैसे हैं वैसे ही हैं। आप आकर ऑडियंस को बोल दो, कि ये आइंसटीन हैं, चार-पांच मिनट बाद लोग भूल जाएंगे, वो आइंस्टीन की कहानी में रुचि लेंगे, उनके लुक में नहीं।

इंडस्ट्री में लोगों को लगता है कि मैं सिर्फ लीड रोल ही करना चाहती हूं

तापसी पन्नू इन दिनों फिल्म डंकी की सक्सेस इन्जॉय कर रही हैं, जिसमें उन्होंने शाहरुख खान के अपोजिट काम किया है। हाल में एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने कहा कि फिल्म साइन करने के बाद भी उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि वो इस फिल्म का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंडस्ट्री में अफवाह यह है कि वो वही फिल्में करती हैं, जिसमें वो लीड रोल में हों। इस कारण कई प्रोजेक्ट्स उनके हाथ से निकल जाते हैं। इन अफवाहों की वजह से बड़े डायरेक्टर अच्छे साइड रोल के लिए उन्हें अप्रोच करने में कतराते हैं। इंटरव्यू में तापसी ने कहा- हर कोई राजकुमार हिरानी सर जैसा नहीं है। उन्हें किसी कंफर्ट जोन की जरूरत नहीं है। फिल्म मनमर्जियां में मेरा काम देखने उन्होंने अचानक मुझे मैसेज किया। मेरी बहुत फिल्में देखने के बाद ही उन्होंने डंकी का ऑफर दिया। यह एक खूबसूरत सच था। यही कारण है कि फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग खत्म होने तक मुझे इस बात का विश्वास नहीं हुआ। सच में, फिल्म के फ्लोर पर जाने से डेढ़ साल पहले तक, लोग मुझसे कह रहे थे कि राजू सर कुछ दूसरे एक्टर्स पर भी विचार कर रहे होंगे। हालांकि, राजू सर की तरफ से ऐसा कुछ नहीं था। वो मुझे लेकर आश्वस्त थे। इस वजह से यह स्वीकार करना मुश्किल था कि मैं यह फिल्म कर रही हूं।

गलत अफवाह की वजह से अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम नहीं मिलते

फिल्म इंडस्ट्री में लोग तापसी के बारे में क्या धारणा रखते हैं, उन्होंने इस पर भी बात की। उन्होंने कहा- यह एक बड़ी गलतफहमी है जिसे दूर करते-करते मैं थक गई हूं। अक्सर कहा जाता है कि अगर किसी फिल्म में मेरा किरदार सेंटर स्टेज पर नहीं होता तो मैं फिल्में नहीं करती हूं। मेरे खिलाफ ये सारी बातें पता नहीं कौन फैला रहा है। तापसी ने आगे कहा- मुझे लगता है कि यह भी एक कारण हो सकता है कि कई बड़ी फिल्में मेरे पास आती ही नहीं क्योंकि यह मान लिया जाता है कि मैं उन्हें नहीं करूंगी। मैं उस ग्रुप का हिस्सा भी नहीं हूं, जहां मेरा नाम तुरंत लिया जाएगा।

मणिरत्नम संग फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख खान

साउथ बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने साल 2023 में एक के बाद एक तीन सुपरहिट फिल्में दी है। 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' की शानदार सफलता के बाद किंग खान अब साउथ के जाने-माने डायरेक्टर मणिरत्नम के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं।

हाल ही में हुए एक प्रोग्राम में जब शाहरुख और मणिरत्नम मिले तो शाहरुख खान ने उनके साथ फिल्म करने की विनती की। किंग खान ने वादा किया कि अगर वह ऐसा करेंगे तो इस बार वह ट्रेन क्या प्लेन पर भी डांस कर लेगें। हालांकि मणिरत्नम ने उनके साथ काम करने के लिए एक शर्त रख दी है। उन्होंने किंग खान ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जब शाहरुख हवाई प्लेन खरीदेंगे, तब वो इस पर सोचेंगे। इस पर शाहरुख खान ने भी कह दिया कि उनकी फिल्मों की सफलता को देखते हुए ये ज्यादा दूर नहीं है।

बता दें कि शाहरुख खान इससे पहले मणिरत्नम के साथ फिल्म दिल से में काम कर चुके हैं और ये फिल्म काफी हिट भी हुई थी। शाहरुख खान को हाल ही में 'इंडियन ऑफ द ईयर' को नवाजा गया है। इस अवॉर्ड शो के दौरान कई बड़े स्टार्स पहुंचे थे। इस दौरान वहां डायरेक्टर मणि रत्नम भी नजर आए। किंग खान ने अवॉर्ड लेने के बाद मणिरत्नम से उनके फिल्म में कास्ट करने की बात कही। एक्टर ने कहा कि 'मैं आपसे रिक्वेस्ट कर रहा हूं, भीख मांग रहा हूं, आप मेरे साथ मूवी करिए।

रश्मिका के डीपफेक वीडियो के महीनों बाद सामने आया सनी का बयान

अभिनेत्री सनी लियोनी ने हाल ही में रश्मिका मंदाना की वायरल क्लिप के महीनों बाद डीपफेक वीडियो के बारे में खुलकर बात की है। सनी ने इसे लेकर कहा कि ऐसा पहला भी हो चुका है। अभिनेत्री ने कहा कि भले ही कोई इसे लेकर बहुत ज्यादा सावधानियां नहीं बरत सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं होने पर कोई हमेशा शिकायत दर्ज कर सकता है।

उन्होंने कहा कि यह एक खतरा है, जो लंबे वक्त से चला आ रहा है। सनी लियोनी ने अपने साथ हुई इस तरह की घटना के बारे में बात करते हुए कहा, यह कोई हालिया मुद्दा नहीं है, जैसा कि कई लोग मानते हैं। ये चीजें मेरे साथ हुई हैं लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचती हूं। मैं इसे मनोवैज्ञानिक या मानसिक रूप से प्रभावित नहीं होने देती हूं। मगर कुछ युवा लड़कियां भी होती हैं, जिन्हें कभी-कभी कलंक का सामना करना पड़ता है। उन्हें समझना चाहिए कि यह उनकी गलती नहीं है। उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा, अगर ऐसा कुछ होता है, तो वे हमेशा साइबर सेल में जा सकती हैं और अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दे सकती हैं। उन्हें बताएं कि आपकी पहचान और समानता का दुरुपयोग किया गया है। पुलिस इसपर कार्रवाई करेगी। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी तकनीकी सहायता उपलब्ध हैं, जहां आप इन मुद्दों की रिपोर्ट कर सकते हैं। सिस्टम आपके साथ है, आपको बस इसे करने की जरूरत है।

सनी लियोनी का यह बयान रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो के वायरल होने के महीनों बाद आया है। वायरल क्लिप में, रश्मिका के चेहरे वाली महिला को एक फिट पोशाक पहने हुए लिफ्ट में चढ़ते देखा गया था। हालांकि, यह जल्दी स्पष्ट हो गया कि वायरल क्लिप डीपफेक थी। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन द्वारा भी माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जाकर कानूनी कार्रवाई की मांग करने के बाद इसने सभी का ध्यान खींचा था।

रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो मामले के बाद कई सितारों ने भी इसे लेकर चिंता व्यक्त की थी, जिसमें विजय देवरकोंडा, नागा चैतन्य और मृणाल ठाकुर सहित कई मशहूर हस्तियां शामिल हैं। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 465 (जालसाजी) और 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी) और सूचना प्रौद्योगिकी की धारा 66 सी और 66 ई के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।